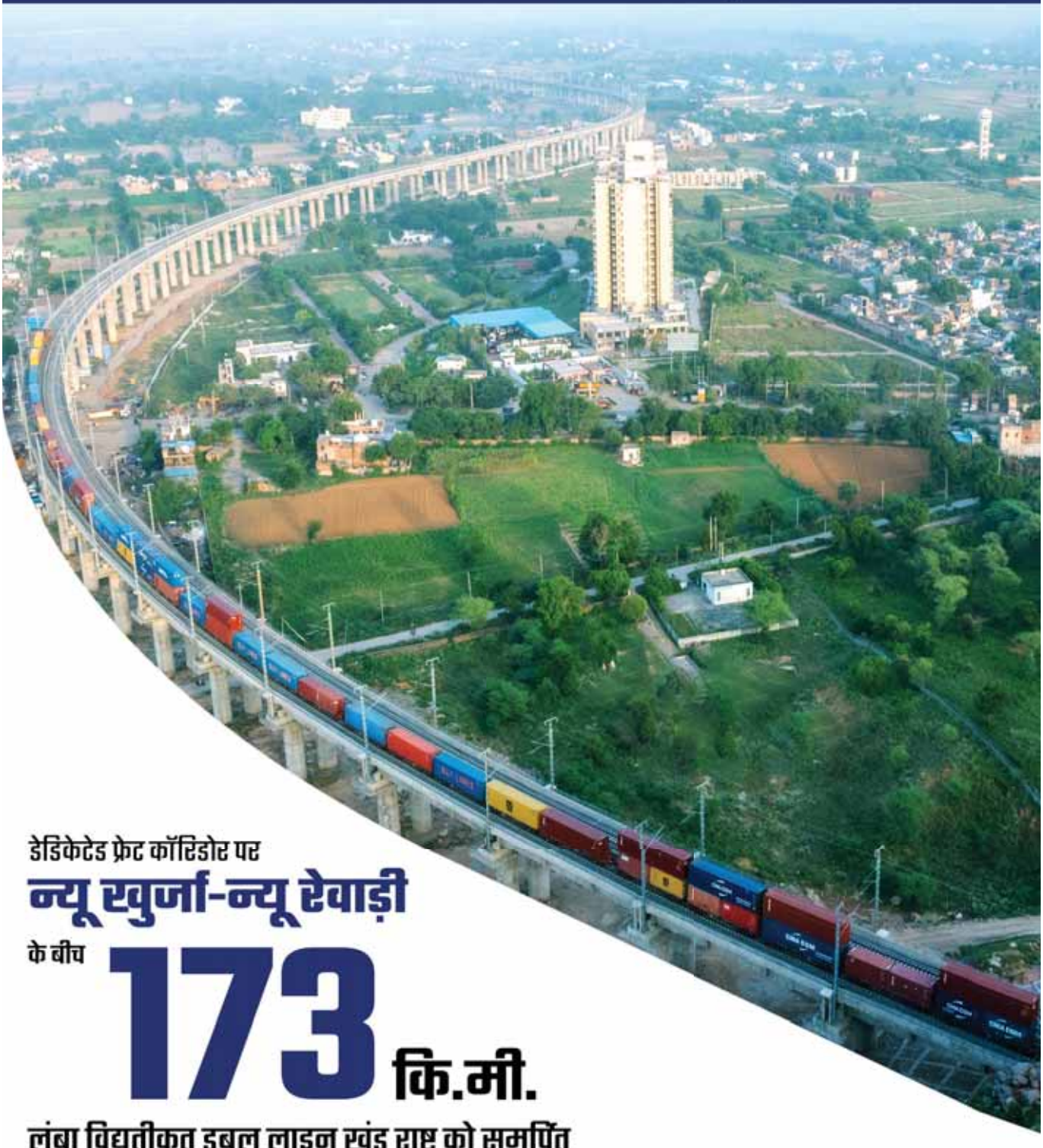
भारतीय रेल

फरवरी 2024

मूल्य ₹ 20

माल परिवहन के क्षेत्र में नई क्रांति



डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर

न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी

के बीच

173 कि.मी.

लंबा विद्युतीकृत डबल लाइन खंड राष्ट्र को समर्पित

AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives

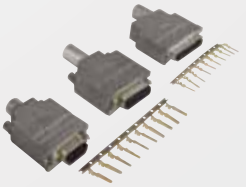


Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors



Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 64 | अंक: 07 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | फरवरी-2024 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

श्रीमती जया वर्मा सिन्हा
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री रूपा श्रीनिवासन
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

सुश्री अरुणा नायर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर
न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी खंड

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण-₹250
रेलकर्मियों के लिए-₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा-₹1,250
एयर-मेल द्वारा-₹2,500
एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 माननीय राष्ट्रपति ने अर्जुन पुरस्कार 2023 प्रदान किए

6 आरपीएफ/आरपीएसएफ के कार्मिकों को विशिष्ट और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से किया गया सम्मानित

7 माननीय प्रधानमंत्री ने किया तमिलनाडु की पाँच रेल परियोजनाओं का अनावरण

8 माननीय प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में कई रेल परियोजनाओं का उद्घाटन किया

8 माननीय प्रधानमंत्री ने किया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी के बीच 173 कि.मी. लंबा विद्युतीकृत डबल लाइन खंड राष्ट्र को समर्पित

9 लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा एवं डकनिया तलाव स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

10 अंतरिम केंद्रीय बजट 2024-25
पूंजीगत व्यय के लिए भारतीय रेल को ₹2,52,000 करोड़ आवंटित

15 रेल मंत्री ने किया भारतीय रेल निर्माण नियमावली 2023 का अनावरण

16 रेल मंत्री ने किया डीएफसी के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण

17 रेल मंत्री ने दिखाई गोपीनाथपुर नीलगिरि-बालेश्वर नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी

18 रेल मंत्री ने किया जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य एवं सांगानेर स्टेशन का निरीक्षण

19 रेल मंत्री ने बालुरघाट-सियालदह एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

20 रेल राज्यमंत्री द्वारा वसई रोड-दहानू रोड खंड का निरीक्षण

21 माननीय सांसदों द्वारा ट्रेनों के ठहराव व अन्य सुविधाओं का उद्घाटन

25 हरित पहल को बढ़ावा देने हेतु भारतीय रेल और सीआईआई के बीच समझौता

26 रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पश्चिम मध्य रेलवे में समीक्षा बैठक की

26 सुश्री सीमा कुमार ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) का कार्यभार संभाला

27 श्री सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) का पदभार संभाला

27 सुश्री अरुणा नायर ने रेलवे बोर्ड के सचिव का पदभार संभाला

28 मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में लगाए जाएंगे 28 सीस्मोमीटर

40 क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार

43 खेलों में भारतीय रेल

46 भारतीय रेल में उल्लासपूर्ण ढंग से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

49 तस्वीर दीर्घा

52 प्रगति रिपोर्ट

60 एसपीएडी : भारतीय रेल के संदर्भ में समसामयिक विश्लेषण एवं सुझावात्मक उपाय — श्रीमती श्रीमा श्रीवास्तव

67 ऐतिहासिक विरासत विसापुर बाँध — श्री शिवाजी कदम

69 भारत की पहली बिजली रेलगाड़ी : गौरवपूर्ण 100वें वर्ष में प्रवेश — श्री विमलेश चन्द्र

संपादकीय



डीएफसी : माल परिवहन के क्षेत्र में नई क्रांति

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसी) जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि ये नेटवर्क पूरी तरह से माल परिवहन के लिए समर्पित है। भारतीय रेल की यह महत्त्वाकांक्षी रेल परियोजना पूर्ण होने के अंतिम पड़ाव पर है। वर्तमान में इस परियोजना के 88.40 प्रतिशत ट्रैक पर मालगाड़ियाँ चल रही हैं, जबकि मार्च 2024 तक 96 प्रतिशत तथा दिसम्बर 2024 तक शत प्रतिशत ट्रैक पर मालगाड़ियाँ चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से देश के माल परिवहन के क्षेत्र में नई क्रांति आयेगी साथ ही यात्री ट्रेनों के संचालन को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।

डीएफसी का उद्देश्य देश के प्रमुख बंदरगाहों और औद्योगिक केन्द्रों को जोड़ने वाला एक हाई-स्पीड फ्रेट कॉरिडोर नेटवर्क प्रदान करना है। माल ढुलाई में रेलवे के 40 प्रतिशत मॉडल हिस्से को प्राप्त करने और भारतीय रेल के मिशन 3,000 मीट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा करने में डीएफसी. की प्रमुख भूमिका रहेगी।

दो भागों में विभाजित पश्चिमी और पूर्वी डीएफसी में से पूर्वी डीएफसी का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। हाल ही में प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मालगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी के बीच 173 कि.मी. लंबी विद्युतीकृत डबल लाइन खंड को राष्ट्र को समर्पित किया। डीएफसी का यह नया खंड काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि ये पश्चिमी और पूर्वी डीएफसी के बीच अहम संपर्क स्थापित करता है। इसके अलावा, यह खंड इंजीनियरिंग की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि इसमें 'उच्च विद्युतीकरण के साथ एक कि.मी. लंबी डबल लाइन रेल सुरंग' है, जो दुनिया में अपनी तरह की पहली सुरंग है। इस सुरंग को डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेनों को निर्बाध रूप से चलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

शुरू हुए डीएफसी खंडों पर मालगाड़ियों का परिचालन 100 किमी प्रति घंटे की गति से किया जा रहा है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है बल्कि लॉजिस्टिक कॉस्ट भी काफी कम लग रही है। डीएफसी नेटवर्क से सटे क्षेत्रीय रेलवे में डीएफसी नेटवर्क के चालू होने के बाद महत्त्वपूर्ण लाभ देखे जा रहे हैं। यात्री ट्रेनों की औसत संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ ट्रेनों के समयपालन में सुधार देखने को मिल रहा है।

इस परियोजना से नए निवेशक आने और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में हजारो नौकरियाँ सृजित होने की उम्मीद है। इससे देश में लॉजिस्टिक लागत काफी हद तक कम हो जाएगी। डीएफसी एक सहज और कुशल माल परिवहन नेटवर्क प्रदान करेगी, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी और नए अवसर पैदा करेगी।

डीएफसी पहले से ही संतृप्त हो चुके सड़क नेटवर्क की भीड़-भाड़ को भी कम करेगा और माल परिवहन को अधिक कुशल रेल परिवहन में स्थानांतरित करने को बढ़ावा देगा। इस बदलाव से भारत में परिवहन क्षेत्र में ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में महत्त्वपूर्ण कमी आएगी। अर्न्स्ट एंड यंग के अध्ययन पर आधारित आकलन में आशा जताई गई है कि डीएफसी संचालन के पहले 30 वर्षों में 450 मिलियन टन से अधिक CO_2 उत्सर्जन की कमी होगी।

भारतीय रेल ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर (भुसावल से खड़गपुर, दानकुनी तक), नॉर्थ साउथ कॉरिडोर (इटारसी से विजयवाड़ा तक), और ईस्ट कॉस्ट कॉरिडोर (खड़गपुर से विजयवाड़ा तक) नामक तीन नए डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के विकास के लिए डी.पी.आर. अध्ययन कर रही है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा।

इससे कहा जा सकता है कि डीएफसी भारतीय लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए निश्चित रूप से गेम-चेंजर साबित होगी।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताएँ।

माननीय राष्ट्रपति ने अर्जुन पुरस्कार 2023 प्रदान किए

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने दिनांक 9 जनवरी, 2024 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रेल के खिलाड़ी सुश्री रितु नेगी, सुश्री पुखरंबम सुशीला चानू, सुश्री पारुल चौधरी और श्री सुनील कुमार को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया



सुश्री रितु नेगी (कबड्डी) की उपलब्धियाँ :

- वर्ष 2023 में चीन के हांग्जो में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में एक स्वर्ण पदक।
- वर्ष 2019 में नेपाल के काठमांडू में आयोजित दक्षिण एशियाई खेलों में एक स्वर्ण पदक।



सुश्री पुखरम्बम सुशीला चानू (हॉकी) की उपलब्धियाँ :

- वर्ष 2023 में चीन के हांग्जो में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में एक कांस्य पदक।
- वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम के बर्मिंघम में आयोजित 22वें राष्ट्रमंडल खेलों में एक कांस्य पदक।
- वर्ष 2022 में स्पेन के वालेंसिया में आयोजित FIH नेशंस कप में एक स्वर्ण पदक।



सुश्री पारुल चौधरी (एथलेटिक्स) की उपलब्धियाँ :

- वर्ष 2023 में चीन के हांग्जो में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में एक स्वर्ण पदक और एक रजत पदक।
- वर्ष 2023 में बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक स्वर्ण पदक और एक रजत पदक।
- वर्ष 2019 में दोहा, कतर में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक कांस्य पदक।

श्री सुनील कुमार (कुश्ती) की उपलब्धियाँ :

- वर्ष 2023 में चीन के हांग्जो में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में एक कांस्य पदक।
- वर्ष 2023 में कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में एक कांस्य पदक।
- वर्ष 2020 में नई दिल्ली में आयोजित सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में एक स्वर्ण पदक।



आरपीएफ/आरपीएसएफ के कार्मिकों को विशिष्ट और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से किया गया सम्मानित

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक



श्री रणवीर सिंह चौहान
प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स

सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक
श्री विवेक सागर, उप-महानिरीक्षक, रेलवे सुरक्षा विशेष बल
श्री महेश्वर सिंह, उप-महानिरीक्षक/परियोजनाएँ/उ.रे./रेलवे बोर्ड
श्री राजीव कुमार, सहायक सुरक्षा आयुक्त, उत्तर रेलवे
श्री दशरथ प्रसाद, निरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे
श्री रमेश चंद्र, निरीक्षक, छठवीं वाहिनी, रेलवे सुरक्षा विशेष बल
श्री सुशांत दुबे, उप-निरीक्षक, पूर्व मध्य रेलवे
श्री बिजेंद्र कुमार राय, उप-निरीक्षक, जगजीवन राम रे.सु.ब. अकादमी
श्री कुन्दन लाल वर्मा, उप-निरीक्षक, जगजीवन राम रे.सु.ब. अकादमी
श्री राकेश कुमार सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे
श्री रमेश चंद सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे
श्री कुलदीप, सहायक उप-निरीक्षक, पश्चिम रेलवे
श्री मुहम्मद साजिद सिद्दीकी, प्रधान आरक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे
श्री आलमगीर हुसैन, प्रधान आरक्षक, पूर्व रेलवे
श्री मनोज लोहारा, प्रधान आरक्षक, पूर्व रेलवे
श्री सतबीर सिंह, आरक्षक, नाई, बारहवीं वाहिनी, रेलवे सुरक्षा विशेष बल



दिनांक 18 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने रेलटेल को 'स्कोप एमिनेंस अवॉर्ड' प्रदान किया। कंपनी को यह पुरस्कार वर्ष 19-20 के दौरान समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्थागत उत्कृष्टता (मिनीरत्न I और II) श्रेणी के लिए मिला। स्कोप पुरस्कार विजेताओं का चयन भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति श्री टीएस ठाकुर की अध्यक्षता में एक प्रतिष्ठित जूरी के पैनल द्वारा किया गया। पुरस्कार चयन प्रक्रिया वित्तीय स्थिति, व्यवसाय संचालन, ग्राहक सम्बन्ध, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी आदि जैसे आवश्यक मापदंडों में कंपनी के व्यापक प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए स्थापित कठोर मानदंडों पर आधारित थी।

माननीय प्रधानमंत्री ने किया

तमिलनाडु राज्य के लिए पाँच रेल परियोजनाओं का अनावरण



तिरुच्चिराप्पल्लि हवाई अड्डे पर आयोजित एक कार्यक्रम में तमिलनाडु राज्य के लिए पाँच रेल परियोजनाओं का अनावरण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, साथ में हैं अन्य गणमान्य अतिथिगण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 2 जनवरी, 2024 को तमिलनाडु में तिरुच्चिराप्पल्लि हवाई अड्डे पर आयोजित एक कार्यक्रम में ₹2917 करोड़ की लागत वाली तमिलनाडु राज्य के लिए पाँच रेल परियोजनाओं का अनावरण किया।

सेलम-मेग्रेसाइट जंक्शन-ओमलूर-मेट्टूर बांध दोहरीकरण (41.4 कि.मी.) : सेलम-मेग्रेसाइट जंक्शन-ओमलूर-मेट्टूर बांध दोहरीकरण ₹448 करोड़ यह लाइन तमिलनाडु के एक प्रमुख शहर सलेम से लगभग 15 कि.मी. पूर्व में स्थित एक शहर ओमलूर से जोड़ती है और आगे कावेरी नदी के तट पर स्थित एक शहर मेट्टूर से जुड़ती है। इस खंड में 5 ब्लॉक स्टेशन और 1 हॉल्ट स्टेशन, 6 आर.ओ. बी. और 10 आर.यू.बी. हैं। यह परियोजना मेट्टूर थर्मल पॉवर स्टेशन के लिए कोयले की अवाजाही को काफी आसान बनाएगी, साथ ही तमिलनाडु में मेट्टूर क्षेत्र में स्थित अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल और उत्पादों को भी। मालगाड़ियों की गति बढने से रेकों के टर्नअराउंड में सुधार होगा और रेलवे को राजस्व में वृद्धि होगी।

मदुरै-तुक्तक्कुडि दोहरीकरण मदुरै-तुक्तक्कुडि का दोहरीकरण (160 कि.मी.) : मदुरै-तुक्तक्कुडि रेलवे लाइन तमिलनाडु के मुदैर, विरुदुनगर और तुक्तक्कुडि जिलों से होकर गुजरती है और यात्रियों और माल ढुलाई दोनों के लिए एक महत्त्वपूर्ण परिवहन लिंक के रूप में कार्य करती है। इस खंड में 17 स्टेशन हैं, जिनमें 3 हॉल्ट स्टेशन, 19 प्रमुख पुल और 197 छोटे पुल शामिल हैं। इस परियोजना से रेलवे लाइन क्षमता में वृद्धि होगी और तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों को लिए अधिक ट्रेन सेवाओं के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करते हुए, लाइन तुत्तक्कुडि बंदरगाह से आने-जाने के लिए कोयला, उर्वरक और अन्य औद्योगिक उत्पादों के परिवहन की सुविधा प्रदान करती है, जो भारत के पूर्वी तट पर प्रमुख बंदरगाहों में से एक है।

रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाए : तिरुच्चिराप्पल्लि-मानामदुरै-विरुदुनगर (217 कि.मी.) की विद्युतीकरण परियोजनाएँ '₹221 करोड़, विरुदुनगर-तेनकाशी जंक्शन (122 कि.मी.) की लागत पर पूरा हो गया है। '₹16,113 करोड़ और शेंगोट्टै-तेनकाशी जंक्शन-तिरुनेलवेली- तिरुच्चेंदूर (141 कि.मी.) की लागत पर पूरा हो गया है। सभी सिंगल लाइन सेक्शन तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों के लोगों को अत्यधिक लाभान्वित करेंगे।

इस कार्यक्रम में श्री. आर.एन. रवि, तमिलनाडु के राज्यपाल, श्री. एम. के. स्टालिन, मुख्य मंत्री, तमिलनाडु, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, केन्द्रीय नगर विमानन एवं इस्पात मंत्री, डॉ. एल. मुरुगन, केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी व सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री, श्री के. एन. नेहरु, नगर निगम प्रशासन, शहरी एवं जल आपूर्ति मंत्री, श्री ई. वी. वेलु, लोक निर्माण कार्य मंत्री, तमिलनाडु, श्री अन्बिल महेश पोय्यामोळी, तमिलनाडु विद्यालय शिक्षा मंत्री, श्री सू. तिरुनावुक्करसर, सासंद एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।■

माननीय प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र में कई रेल परियोजनाओं का उद्घाटन किया



उरण रेलवे स्टेशन से खारकोपर तक ईएमयू ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी। साथ में महाराष्ट्र के राज्यपाल, श्री रमेश बैस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, श्री एकनाथ शिंदे, रेल राज्य मंत्री, श्री रावसाहेब पाटिल दानवे और अन्य गणमान्य व्यक्ति

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 12 जनवरी, 2024 को महाराष्ट्र के नवी मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में करीब ₹2,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं। इनमें 'उरण-खारकोपर रेलवे लाइन के चरण-2' का लोकार्पण भी शामिल है, जो नवी मुंबई से कनेक्टिविटी बढ़ाएगा, क्योंकि नेरुल/बेलापुर से खारकोपर के बीच चलने वाली उपनगरीय सेवाओं को अब उरण तक बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने उरण रेलवे स्टेशन से खारकोपर तक ईएमयू ट्रेन के शुरुआती परिचालन को भी हरी झंडी दिखाई। अन्य रेल परियोजनाएँ जो राष्ट्र को समर्पित की गईं, उनमें ठाणे-वाशी/पनवेल ट्रांस-हार्बर लाइन पर एक नया उपनगरीय स्टेशन 'दीघा गाँव' और खार रोड और गोरेगाँव रेलवे स्टेशन के बीच नई छठवीं लाइन शामिल है।■



माननीय प्रधानमंत्री ने किया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी के बीच 173 कि.मी. लंबा विद्युतीकृत डबल लाइन खंड राष्ट्र को समर्पित

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 25 जनवरी, 2024 को बुलन्दशहर में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मालगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) पर न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी के बीच 173 कि.मी. लंबी डबल लाइन विद्युतीकृत खंड को राष्ट्र को समर्पित किया। यह नया डीएफसी खंड काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह पश्चिमी और पूर्वी डीएफसी के बीच अहम संपर्क स्थापित करता है। इसके अलावा, यह खंड इंजीनियरिंग की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए भी जाना जाता है। इसमें 'उच्च विद्युतीकरण के साथ एक कि.मी. लंबी डबल लाइन रेल सुरंग' है, जो दुनिया में अपनी तरह की पहली सुरंग है। इस सुरंग को डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेनों को निर्बाध रूप से चलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मालगाड़ियाँ अब इस नए डीएफसी ट्रैक पर चलेंगी, जिससे यात्री ट्रेनों के संचालन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने मथुरा-पलवल खंड और चिपियाना बुजुर्ग-दादरी खंड को जोड़ने वाली चौथी लाइन भी राष्ट्र को समर्पित की। ये नई लाइनें राष्ट्रीय राजधानी की दक्षिणी-पश्चिमी और पूर्वी भारत तक रेल कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. सिंह उपस्थित थे।■

लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा एवं डकनिया तलाव स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

लोकसभा अध्यक्ष एवं सांसद कोटा-बून्दी श्री ओम बिरला ने दिनांक 12 जनवरी, 2024 को विश्वस्तरीय तर्ज पर अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ कोटा एवं डकनिया तलाव रेलवे स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए प्रगति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि सम्पूर्ण भारतीय रेल में अमृत स्टेशन योजना के तहत 1,309 से अधिक स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल, कोटा मंडल के 17 स्टेशनों को कुल ₹356.85 करोड़ की लागत से उन्नत यात्री सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जा रहा है, जिसमें सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भवानी मंडी, बारां, छबरा गुगोर, झालवाड़ सिटी, चौमहला, शामगढ़, मांडलगढ, भरतपुर, बयाना, श्रीमहावीरजी, हिंडौन सिटी, रामगंजमंडी, बून्दी, विक्रमगढ़ आलोट एवं गरोठ स्टेशन शामिल हैं।



कोटा एवं डकनिया तलाव रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए लोकसभा अध्यक्ष एवं कोटा-बूंदी सांसद श्री ओम बिरला

इसके अतिरिक्त कोटा एवं डकनिया तलाव रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय तर्ज पर पुनर्विकास कार्य क्रमशः 207.63 करोड़ एवं 111.18 करोड़ की लागत से तीव्रता के साथ किया जा रहा है। श्री बिरला ने कोटा एवं डकनिया स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य के मॉडल एवं ले-आउट प्लान के सभी पहलुओं का मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष तिवारी के माध्यम से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान श्री ओम बिरला ने उक्त दोनों स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के बारे में स्टेशन पर मौजूद यात्रियों से भी संवाद किया।■

जागीरोड में नवनिर्मित रेल रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन



जागीरोड स्टेशन पर निर्मित नए रोड ओवर ब्रिज

पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा जागीरोड स्टेशन पर निर्मित नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) को दिनांक 24 दिसंबर, 2023 को आम जनता के उपयोग के लिए खोल दिया गया। इस आरओबी का उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने स्थानीय विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया।

यह नवनिर्मित आरओबी जागीरोड स्टेशन यार्ड के समपार फाटक संख्या एसटी-27 के स्थान पर बना है। रेल और सड़क दोनों उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल द्वारा ₹85.96 करोड़ की कुल लागत से इस आरओबी (संख्या 85 ए) का निर्माण किया गया है।■

अंतरिम केंद्रीय बजट 2024-25

पूंजीगत व्यय के लिए भारतीय रेल को ₹2,52,000 करोड़ आवंटित



अंतरिम बजट में रेल से संबंधित हुई घोषणाओं की विस्तृत जानकारी प्रेस एवं मीडिया प्रतिनिधियों से साझा करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के 'मंत्र' और 'सबका प्रयास' के पूरे देश के दृष्टिकोण के साथ केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने दिनांक 1 फरवरी, 2024 को संसद में अंतरिम केंद्रीय बजट वित्त वर्ष 2024-25 पेश किया।

''तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे जो इस प्रकार हैं :

- ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा।
- पत्तन संपर्कता गलियारा।
- अधिक यातायात वाले गलियारा।

बहुविध मॉडलों वाली संपर्कता को संभव बनाने के लिए (कनेक्टिविटी) प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत इन परियोजनाओं की पहचान की गई है। इनसे रसद व्यवस्था सम्बन्धी कार्यकुशलता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी।

इसके परिणामस्वरूप अधिक यातायात वाले गलियारों में भीड़ कम होने से यात्री ट्रेनों के परिचालन में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी और यात्री सुरक्षा एवं यात्रा की रफ्तार बढ़ेगी। समर्पित मालभाड़ा गलियारों के साथ-साथ इन तीन आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों से हमारी जीडीपी की विकास-दर बढ़ेगी तथा रसद व्यवस्था सम्बन्धी लागत में भी कमी आएगी।



यात्रियों की सुविधा आराम और सुरक्षा बढ़ाने के लिए चालीस हजार सामान्य रेल डिब्बों को 'वंदे भारत' मानकों के अनुरूप बदला जाएगा।''

अंतरिम बजट में ऐतिहासिक घोषणाओं पर रेल भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "दस साल पहले, एक अलग बजट होने के बावजूद, विचार प्रक्रिया हमेशा नई ट्रेनें जोड़ने या किसी विशेष ट्रेन का विस्तार करने की थी, लेकिन क्षमता बढ़ाने या सुरक्षा में सुधार पर कोई ध्यान नहीं था, लेकिन पिछले दस वर्षों में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिमान बदल दिया है और पूरा ध्यान नई क्षमता विकसित करने, नई तकनीक प्राप्त करने और सुरक्षा को प्राथमिकता देना पर पर केंद्रित किया है। इसके परिणामस्वरूप, पिछले दस वर्षों में 26,000 किमी ट्रैक जोड़े गए हैं, सुरक्षा प्रणाली में 1,08,000 करोड़ का निवेश किया गया है और स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (कवच) शुरू हुई है, नई पीढ़ी की ट्रेनें विकसित की जा रही हैं और उनमें से कई हैं जो पहले से ही चल रहे हैं और बहुत लोकप्रिय हैं।

रेल मंत्री ने आगे कहा कि "इस बजट में तीन गलियारों के माध्यम से अतिरिक्त क्षमता बढाने पर बड़ा फोकस किया गया है। पहला है ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारे जो सड़कों के प्रदूषण को

कम करने में मदद करेंगे और लॉजिस्टक की लागत में कमी सुनिश्चित करेंगे।

दूसरा है बंदरगाह कनेक्टिविटी जो मल्टीमॉडल 'गति शक्ति' तरीके से रेलवे के माध्यम से बंदरगाहों को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और तीसरा है 'अमृत चतुर्भुज' जो उच्च घनत्व वाले यातायात मार्गों पर रेलवे नेटवर्क पर स्वर्णिम चतुर्भुज के समान होगा। कुल मिलाकर, इन 3 गलियारों के माध्यम से, लगभग 40,000 कि.मी. का नया ट्रैक बिछाया जाएगा, जिससे रेलवे की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और प्रदूषण में कमी आएगी, क्योंकि रेलवे लागत प्रभावी तरीके से 90% तक कार्बनडाईऑक्साइड उत्सर्जन बचा सकता है। इससे देश की अर्थव्यवस्था में कुशल, उत्पादक और टिकाऊ तरीके से बड़ा बदलाव आएगा।"

दूसरी बड़ी घोषणा के बारे में बात करते हुए कहा, ''वंदे भारत' और 'अमृत भारत' ट्रेनों की सफलता से यह तथ्य सामने आया है कि अब हम सभी 40,000 पारंपरिक कोचों को अपग्रेड कर सकते हैं। क्षमता बढ़ाने का काम कई मोर्चों पर हो रहा है। पिछले साल हमने 5,200 किमी नए ट्रैक जोड़े जो स्विट्जरलैंड के पूरे रेल नेटवर्क के बराबर है। इस साल हम 5,500 कि.मी. जोड़ रहे हैं। वर्ष 2014 में प्रति दिन 4 किमी से, अब हम नए ट्रैक में लगभग 15 किमी प्रति दिन जोड़ रहे हैं। बजट में परिकल्पित पूंजी निवेश के साथ, हम वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ₹2,52,000 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किया गया है। चालू वर्ष में, हमने जनवरी, 2024 के अंत तक सीएपीईएक्स बजट का 82% हासिल कर लिया है जो महत्त्वपूर्ण है। इसलिए, क्षमता, यात्री अनुभव और



> "बजट में वंदे भारत स्टैंडर्ड की 40,000 आधुनिक बोगियां बनाकर उन्हें सामान्य यात्री ट्रेनों में लगाने का ऐलान किया गया है, इससे देश के अलग-अलग रेल रूट पर करोड़ों यात्रियों में आरामदायक यात्रा का अनुभव बढ़ेगा :"
>
> — माननीय प्रधानमंत्री
> **श्री नरेन्द्र मोदी**

बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। रेलवे पर प्रधानमंत्री का लक्ष्य बहुत स्पष्ट है और यह अधिक क्षमता बढ़ाने में मदद कर रहा है और एक बार ये 3 गलियारे पूरे हो जाएंगे तो हमारे पास प्रतीक्षा सूची की समस्या को समाप्त करने के लिए पर्याप्त क्षमता होगी।''



'अमृत काल' की रणनीति के हिस्से के रूप में, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को सक्षम करने के लिए पीएम गति शक्ति के तहत इन तीन प्रमुख आर्थिक रेलवे गलियारे कार्यक्रमों की पहचान की गई है। वे लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार करेंगे और लागत कम करेंगे। परिणामस्वरूप उच्च-यातायात गलियारों में भीड़ कम होने से यात्री ट्रेनों के संचालन में सुधार करने में भी मदद मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों के लिए सुरक्षा और उच्च यात्रा गति होगी। समर्पित माल गलियारों के साथ, ये तीन आर्थिक गलियारे कार्यक्रम सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में तेजी लाएंगे और लॉजिस्टिक लागत को कम करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिम बजट की सराहना करते हुए इसे एक समावेशी और अभिनव बजट बताया है जो निरंतरता का विश्वास रखता है और 'विकसित भारत' के सभी चार स्तंभों-युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों को सशक्त करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ''बजट में 40,000 आधुनिक 'वंदे भारत मानक' कोच बनाने और उन्हें नियमित यात्री ट्रेनों में शामिल करने की घोषणा की गई है। इससे देश भर के विभिन्न रेलवे मार्गों पर लाखों यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा का अनुभव बढ़ेगा।"■

अंतरिम

रेलवे बजट 2024-25



अभूतपूर्व बजट आवंटन

आंध्र प्रदेश



886 करोड़ → 10x* → 9,138 करोड़

औसत परिव्यय 2009-14 | कुल परिव्यय 2024-25

वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *931% अधिक है

*लगभग।

बिहार



1,132 करोड़ → 9x* → 10,032 करोड़

औसत परिव्यय 2009-14 | कुल परिव्यय 2024-25

वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *786% अधिक है

*लगभग।

छत्तीसगढ़



311 करोड़ → 22x* → 6,896 करोड़

औसत परिव्यय 2009-14 | कुल परिव्यय 2024-25

वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *2,117% अधिक है

*लगभग।

दिल्ली



96 करोड़ → 27x* → 2,577 करोड़

औसत परिव्यय 2009-14 | कुल परिव्यय 2024-25

वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *2,584% अधिक है

*लगभग।

गुजरात



589 करोड़ → 14x* → 8,587 करोड़

औसत परिव्यय 2009-14 | कुल परिव्यय 2024-25

वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *1,358% अधिक है

*लगभग।

हरियाणा



315 करोड़ → 9x* → 2,861 करोड़

औसत परिव्यय 2009-14 | कुल परिव्यय 2024-25

वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *808% अधिक है

*लगभग।


हिमाचल प्रदेश
2,681
करोड़
108
करोड़
25x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *2,382% अधिक है
*लगभग।


जम्मू और कश्मीर
3,677
करोड़
1,044
करोड़
3.5x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *252% अधिक है
*लगभग।


झारखण्ड
7,234
करोड़
457
करोड़
16x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *1,483% अधिक है
*लगभग।


कर्नाटक
7,524
करोड़
835
करोड़
9x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *801% अधिक है
*लगभग।


केरल
2,744
करोड़
372
करोड़
7x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *637% अधिक है
*लगभग।


मध्य प्रदेश
15,143
करोड़
632
करोड़
24x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *2,296% अधिक है
*लगभग।


महाराष्ट्र
15,554
करोड़
1,171
करोड़
13x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *1,228% अधिक है
*लगभग।


तेलंगाना
5,071
करोड़
2,420
करोड़
2x*
औसत परिव्यय 20021-22
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2021-22 के औसत आवंटन से *109% अधिक है
*लगभग।


ओडिसा
10,536
करोड़
838
करोड़
12x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *1,157% अधिक है
*लगभग।


पंजाब
4,933
करोड़
225
करोड़
22x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *2,092% अधिक है
*लगभग।


राजस्थान
9,782
करोड़
682
करोड़
14x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *1,334% अधिक है
*लगभग।


तमिलनाडु
6,331
करोड़
879
करोड़
7x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *620% अधिक है
*लगभग।


उत्तर पूर्व
10,369
करोड़
2,122
करोड़
5x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *388% अधिक है
*लगभग।


उत्तराखण्ड
5,120
करोड़
187
करोड़
27x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *2,638% अधिक है
*लगभग।


उत्तर प्रदेश
19,575
करोड़
1,109
करोड़
17x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *1,665% अधिक है
*लगभग।


पश्चिम बंगाल
13,810
करोड़
4,380
करोड़
3x*
औसत परिव्यय 2009-14
कुल परिव्यय 2024-25
वर्ष 2024-25 में किया गया बजट आवंटन वर्ष 2009-14 के औसत आवंटन से *215% अधिक है
*लगभग।

रेल मंत्री ने किया भारतीय रेल निर्माण नियमावली 2023 का अनावरण



भारतीय रेल निर्माण नियमावली का अनावरण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, साथ में हैं रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) श्री सतीश कुमार, सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) सुश्री सीमा कुमार, सदस्य (वित्त) सुश्री रूपा श्रीनिवासन तथा पूर्व सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री रूप नारायण सुनकर

केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 9 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली में 'भारतीय रेल निर्माण नियमावली 2023' का अनावरण किया। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा, "निर्माण नियमावली भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी, पुल डिज़ाइन, अनुबंध प्रबंधन, सुरंग निर्माण, फ्लाईओवर/पुल के नीचे सड़क सहित अनेक कार्यों में मदद करेगी। यह नियमावली हमें दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला रेल नेटवर्क बनाने में मदद करेगी।"

श्री वैष्णव ने कहा, "यह खुशी की बात है कि निर्माण नियमावली अब एक नए रूप में और हमारे समय के अनुरूप है। जब से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यभार संभाला है, नई रेलवे लाइनों और स्टेशनों के निर्माण सहित रेलवे पर उनका ध्यान मुख्य रूप से रहा है तथा इस मिशन में, यह नियमावली एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी क्योंकि नियमावली का पिछला संस्करण पुराना था (लगभग वर्ष 1960) और अब इसमें ईपीसी अनुबंध, पुल निर्माण, सिग्नलिंग का निष्पादन, विद्युत और गैर-इंटरलॉकिंग कार्य आदि सहित नए सुधारों को शामिल किया गया है, जिन्हें नई नियमावली के माध्यम से मानकीकृत किया गया है।" रेल मंत्री ने इस नियमावली को तैयार करने में रेलवे बोर्ड के पूर्व सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री रूप नारायण सुनकर और पूरी टीम के काम की भी सराहना की। भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान और विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के निर्माण अधिकारियों की टीम ने यह नियमावली तैयार की है। यह नियमावली निर्माण परियोजनाओं को तेज गति से निष्पादित करने के लिए निर्माण अधिकारियों को आवश्यक ज्ञान से लैस करने के भारतीय रेल के प्रयासों में एक महत्त्वपूर्ण घटना है।

राष्ट्रीय रेल योजना के अनुसार, भारतीय रेल को वर्ष 2030 तक क्षमता विकसित करनी है, जो बढ़ती माँग को वर्ष 2050 तक पूरा करेगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, भारतीय रेल को अपने बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बढ़ानी होगी, यानी इसमें सुपर क्रिटिकल और क्रिटिकल परियोजनाओं को चालू करना; नई लाइनों का निर्माण; गेज परिवर्तन पूरा करना, मल्टी ट्रैकिंग, स्वचालित सिग्नलिंग और यातायात सुविधा आदि कार्यों को पूरा करना शामिल है। निर्माण अधिकारियों को मार्गदर्शन देने के लिए, निर्माण के विभिन्न पहलुओं को कवर करने वाली एक नियमावली की आवश्यकता महसूस की गई। नियमावली सरल भाषा में तैयार की गई है, जिसे क्षेत्रीय अधिकारी आसानी से समझ सकते हैं।■

रेल मंत्री ने किया डीएफसी के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण



अहमदाबाद के साबरमती स्थित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण करते हुए रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव दिनांक 11 जनवरी, 2024 को गांधीनगर में 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2024 में शामिल हुए। उन्होंने पश्चिम रेलवे द्वारा स्थापित किए गए भारतीय रेल के पवेलियन का भी दौरा किया। रेल मंत्री के साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर अनुसार श्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया प्रतिनिधियों को मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वायाडक्ट, डेक, ट्रैक और ओवरहेड उपकरण लगाने का काम तेजी से चल रहा है। औसतन, लगभग प्रति माह 14 किमी का काम हो रहा है। अब तक 270 किमी से अधिक वायाडक्ट बिछाया जा चुका है। स्टेशनों के निर्माण का काम भी तेजी से प्रगति पर है। बीकेसी टर्मिनल पर पाइलिंग का काम पूरा हो गया है तथा मुंबई और ठाणे के बीच समुद्र के नीचे सुरंग के डिज़ाइन को अंतिम रूप दिया गया है और निर्माण कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना केवल एक परिवहन परियोजना नहीं है, बल्कि एक बड़ी क्षेत्रीय वृद्धि और विकासात्मक योजना है। इससे मुंबई, ठाणे, वापी, सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद जैसे सभी प्रमुख शहरों की अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करने में मदद मिलेगी तथा इन शहरों के बीच आसान और तेज परिवहन सक्षम हो सकेगा, जिससे उत्पादकता कई गुना बढ़ जायेगी।

इसके बाद रेल मंत्री श्री वैष्णव ने भारतीय रेल के पवेलियन का दौरा किया और पवेलियन की भव्यता से प्रभावित हुए, जो अयोध्या धाम जं. रेलवे स्टेशन की थीम पर आधारित था। वाइब्रेंट गुजरात समिट में भारतीय रेल का पवेलियन सबसे लोकप्रिय प्रदर्शनी स्टालों में से एक था।

श्री वैष्णव ने समिट में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पवेलियन का भी दौरा किया। इसके बाद वह अहमदाबाद के साबरमती स्थित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर गए। यहाँ मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए श्री वैष्णव ने बताया कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब लगभग 89% काम पूरा हो चुका है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के कारण, अब इस कॉरिडोर पर फ्रेट ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि यात्रियों को ले जाने वाली ट्रेनें नियमित पारंपरिक नेटवर्क पर चलाई जाती हैं। वर्तमान में वेस्टर्न और इस्टर्न दोनों डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर प्रतिदिन लगभग 300 से 350 फ्रेट ट्रेनें चल रही हैं, जिससे पारगमन समय में लगभग 50%-70% की कमी करके लॉजिस्टिक दक्षता में वृद्धि हुई है।■



गुजरात में 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में लगाए गए भारतीय रेल के पवेलियन का अवलोकन करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने दिखाई गोपीनाथपुर नीलगिरि-बालेश्वर नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी



ओडिशा के गोपीनाथपुर नीलगिरि रेलवे स्टेशन से गोपीनाथपुर नीलगिरि-बालेश्वर नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं अन्य अतिथिगण

श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने दिनांक 13 जनवरी, 2024 को गोपीनाथपुर नीलगिरि रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में गोपीनाथपुर नीलगिरि-बालेश्वर नई मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया तथा बालासोर-गोपीनाथपुर नीलगिरि नई पैसेंजर लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया।

रेल मंत्री ने बालेश्वर तक पहली बार यात्री ट्रेन संपर्क स्थापित होने के लिए गोपीनाथपुर नीलगिरि के स्थानीय लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ओडिशा राज्य में रेल नेटवर्क का विस्तार करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने क्षेत्र के लिए नए स्टेशन भवन, नई यात्री लाइन और नई मेमू सेवा की प्रतिबद्धता को पूरा किया है। गोपीनाथपुर नीलगिरि में आयोजित उद्घाटन समारोह में श्री प्रताप चंद्र सारंगी, सांसद और श्री सुकांत कुमार नायक, विधायक उपस्थित थे।

इस रूट पर प्रत्येक दिन तीन जोड़ी मेमू ट्रेनें चलेंगी। मेमू ट्रेनों का नियमित संचालन दिनांक 14 जनवरी, 2024 से आरम्भ हुआ और सभी मेमू ट्रेनें रास्ते में सुतेई स्टेशन पर रुकेंगी। बाद में, बेतनटी स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में, रेल मंत्री, श्री वैष्णव ने बेतनटी स्टेशन पर सबवे की आधारशिला रखी। उन्होंने बेतनटी स्टेशन पर नए पीआरएस काउंटर का भी उद्घाटन किया। नए पीआरएस काउंटर से स्थानीय निवासियों को सुविधाजनक और समय बचाने वाली टिकट बुकिंग सुविधा उपलब्ध होगी।

बेतनटी में आयोजित समारोह के दौरान केंद्रीय जल शक्ति और जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री, श्री बिश्वेश्वर टुडु, सांसद, श्री प्रताप चंद्र सारंगी और विधायक, श्री सनातन बिजुली, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, श्री अनिल कुमार मिश्रा खड़गपुर के मंडल रेल प्रबंधक, श्री के. आर. चौधरी और दक्षिण पूर्व रेलवे के अन्य प्रधान अधिकारी भी उपस्थित थे।■



ओडिशा के बेतनटी रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने किया जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य एवं सांगानेर स्टेशन का निरीक्षण



जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

श्री अश्विनी वैष्णव केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव दिनांक 12 जनवरी, 2024 को एक दिवसीय कार्यक्रम में जयपुर पहुँचे।

इस कार्यक्रम में रेल मंत्री ने ₹717 करोड़ की लागत से किए जा रहे जयपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा उपस्थित अधिकारियों को पुनर्विकास कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। जयपुर स्टेशन द्वितीय प्रवेश द्वार पर प्रेस एवं मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए रेल मंत्री ने बताया कि सरकार रेलवे एवं रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प करने के लिए कृतसंकल्प है। स्टेशनों को विश्व स्तरीय बनाने के क्रम में उत्तर पश्चिम रेलवे के 09 स्टेशनों को विकसित किया जा रहा है। इन स्टेशनों पर अंडरग्राउंड पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, आगमन-प्रस्थान की अलग व्यवस्था, सभी यात्री सुविधाओं सहित स्थानीय लोक संस्कृति को ध्यान में रखते हुए हेरिटेज लुक दिया जाएगा। इन स्टेशनों पर सभी लाइनों के ऊपर प्लेटफॉर्म को जोड़ते हुए रूफ प्लाजा बनाया जाएगा, जो न केवल रेल यात्रियों के लिए बल्कि शहर के दोनों ओर के लोगों को जोड़ने के लिए सिटी सेंटर के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि, जहाँ वर्ष 2014 से पहले राजस्थान में रेलवे के लिए औसत बजट ₹682 करोड़ रखा जाता था वह अब बढ़कर ₹9,532 करोड़ हो गया है। राजस्थान में रेलवे में अभूतपूर्व विकास कार्य किए जाएँगे। रेल मंत्री ने कहा कि उनकी राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी से रेलवे के विकास के लिए विस्तृत चर्चा हुई है एवं रेल के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

रेल मंत्री ने कहा कि राजस्थान में लंबे समय से लंबित चल रही परियोजनाओं को वर्तमान सरकार ने स्वीकृत कर विकास में अहम योगदान दिया है। इनमें आबू रोड-तरंगा हिल, पुष्कर-मेड़ता नई लाइन, मारवाड़ जंक्शन-मावली जंक्शन आमान परिवर्तन कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर मंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस का गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर ठहराव की भी घोषणा की।

इसके बाद रेल मंत्री श्री वैष्णव सांगानेर स्टेशन निरीक्षण के लिए पहुँचे। सांगानेर में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया की मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं सांसद रामचरण बोहरा जी के विशेष आग्रह एवं प्रयासों से सांगानेर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन में शामिल किया गया है। सांगानेर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नई बिल्डिंग के साथ द्वितीय प्रवेश द्वार, रिटायरिंग रूम, उच्च स्तर प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, कोच इंडिकेशन बोर्ड, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं, बेहतर व उत्कृष्ट साज-सज्जा, पार्किंग सुविधा सहित सौंदर्य कृत सर्कुलेटिंग एरिया आदि कार्य किए जाएंगे। इसी के साथ उन्होंने शिकारपुरा फाटक पर ओवरब्रिज, सांगानेर ओवर ब्रिज एवं अंडरपास की भी घोषणा की। सांगानेर स्थित विश्व प्रसिद्ध सांगानेरी ब्लॉक प्रिंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सांगानेर में बिजनेस हब विकसित करने के लिए भी कार्य किया जाएगा। रेल मंत्री श्री वैष्णव के साथ निरीक्षण के दौरान सांसद जयपुर श्री रामचरण बोहरा, विधायक-सिविल लाइंस श्री गोपाल शर्मा, महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे श्री अमिताभ, मंडल रेल प्रबंधक-जयपुर श्री विकास पुरवार, रेलवे के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष भी शामिल थे।■

रेल मंत्री ने बालुरघाट-सियालदह एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



बालुरघाट और सियालदह के बीच एक नई दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 1 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालुरघाट और सियालदह के बीच एक नई दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई ट्रेन सेवा इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा प्रदान करेगी। इससे दक्षिण दिनाजपुर जिले के साथ राज्य की राजधानी, कोलकाता की रेलवे कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूती मिलेगी। अपने उद्घाटन भाषण में रेल मंत्री ने पश्चिम बंगाल राज्य के विकास के लिए माननीय प्रधानमंत्री के विजन पर जोर दिया और विभिन्न परियोजनाओं के लिए चालू वर्ष के दौरान ₹11,970 करोड़ की धनराशि के आवंटन किए जाने का उल्लेख किया। अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के तहत उत्तर बंगाल क्षेत्र के 26 स्टेशनों सहित पश्चिम बंगाल के 98 स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्टेशनों में परिवर्तित किया जाना है। बालुरघाट रेलवे स्टेशन को भी इस योजना के तहत विकसित करने के लिए शामिल किया गया है। रेल मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बालुरघाट और हिली स्टेशन के बीच नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए ₹633 करोड़ का निवेश किया जाना है। रेल मंत्री ने राज्य के विभिन्न स्टेशनों में फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि को शामिल कर विभिन्न यात्री सुविधाओं के बड़े पैमाने पर विकास किए जाने का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर बालुरघाट से लोकसभा सांसद डॉ. सुकांत कुमार मजूमदार के साथ रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बालुरघाट स्टेशन पर उपस्थित थे। बालुरघाट के विधायक डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी और पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।■



दिनांक 28 जनवरी, 2024 को केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने गुवाहाटी में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में चल रहीं रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उच्च अधिकारियों को इन परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूर्ण के निर्देश दिए

रेल राज्यमंत्री द्वारा वसई रोड-दहानू रोड खंड का निरीक्षण



दिनांक 15 जनवरी, 2024 को पश्चिम रेलवे के दहानु रोड स्टेशन पर वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का उद्घाटन करते हुए रेल राज्यमंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने दिनांक 15 जनवरी, 2024 को पश्चिम रेलवे के वसई रोड-दहानू रोड उपनगरीय खंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सांसद श्री राजेंद्र गावित तथा पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

रेल राज्यमंत्री ने वसई रोड-दहानू रोड खंड से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और सम्बंधित पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मुंबई रेल विकास निगम (एमआरवीसी) के अधिकारियों के साथ विरार और दहानू रोड खंड के बीच किए जा रहे चौहरीकरण कार्य प्रगति पर चर्चा की। श्री दानवे ने पालघर स्टेशन पर चल रहे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कार्य स्थल का भी दौरा किया और सचिन और वैतरणा खंड के बीच कार्य की प्रगति की समीक्षा की। श्री दानवे ने पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर लिफ्टों और एस्केलेटरों सहित मौजूदा यात्री सुविधाओं का आकलन किया और अतिरिक्त लिफ्टों और एस्केलेटरों की भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

दहानू रोड स्टेशन पर, श्री दानवे ने तिलगुल के लड्डू, चिक्की इत्यादि जैसे अर्ध/प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद की बिक्री वाले 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' स्टॉल का उद्घाटन किया। यह स्टॉल पालघर क्षेत्र की महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन को आवंटित किया गया है। उन्होंने बिक्री के उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की और सभी को ऐसे स्टालों से उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया।■

भारतीय रेल में हरित पहल

रेल मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक भारतीय रेल को हरित रेलवे में बदलने के लक्ष्य के साथ ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में कई प्रमुख पहल की है। रेलवे विद्युतीकरण, लोकोमोटिव और ट्रेनों तथा फिक्स्ड इंस्टॉलेशन की ऊर्जा दक्षता में सुधार, इंस्टॉलेशन्स/स्टेशनों के लिए ग्रीन सर्टिफिकेशन और ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का इस्तेमाल करना, नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की इसकी रणनीति का हिस्सा है। भारतीय रेल ने हरित पहल के लिए कुछ प्रमुख पहल की हैं। पहचाने गए क्षेत्रों/गतिविधियों का विवरण और उनकी वर्तमान स्थिति इस प्रकार है :

सौर ऊर्जा : नॉन ट्रैक्शन + ट्रैक्शन : कुल स्थापित क्षमता 216.36 मेगावाट है

155.98 (रूफटॉप)

56.7 (लैंडबेस्ड)

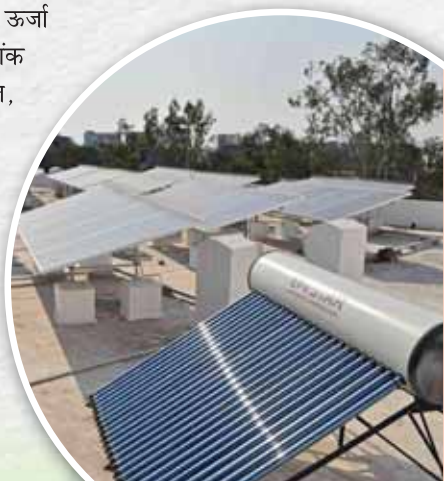
3.68 (2004-2014) चालू की गई क्षमता (मेगावाट) (2014-2023)

वर्ष 2023 में 71.37 मेगावाट सौर ऊर्जा (रूफटॉप 21.37+50 मेगावाट लैंडबेस्ड) प्रदान की गई।

पवन ऊर्जा : कुल स्थापित क्षमता 103.4 मेगावाट है

10.5 (2004-2014) चालू की गई क्षमता (मेगावाट) **92.9** (2014-2023)

कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर सहयोग के लिए दिनांक 14 जून, 2023 को भारतीय रेल, भारत सरकार और यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट/इंडिया (यूएसएआईडी/इंडिया) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।■



माननीय सांसदों द्वारा ट्रेनों के ठहराव व अन्य सुविधाओं का उद्घाटन



संस्कृति और पर्यटन, उत्तर पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने दिनांक 12 जनवरी, 2024 को गुंटूर रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह से आंध्र प्रदेश क्षेत्र की तीन ट्रेन सेवाओं के विस्तार को हरी झंडी दिखाई। विस्तारित ट्रेन सेवाएँ हैं–ट्रेन नंबर 22701/22702 विशाखापत्तनम–गुंटूर–विशाखापत्तनम उदय एक्सप्रेस; ट्रेन नंबर 17225/17226 नरसापुर–हुबली–नरसापुर अमरावती एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 07284/07285 नंद्याल–रेनिगुंटा–नंद्याल स्पेशल ट्रेन। इसके साथ ही, गणमान्य व्यक्तियों और संबंधित मंडल रेलवे अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम को देखने के लिए रेनिगुंटा और नरसापुर रेलवे स्टेशनों पर भी समारोह आयोजित किए गए।■



केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर ने 29 दिसम्बर, 2023 को कांचरापारा कार्यशाला का दौरा किया। श्री सुमित सरकार, अपर महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे, एडीआरएम (इन्फ्रा), सियालदह, मुख्य कारखाना प्रबंधक, कांचरापाड़ा और मंडल के अन्य अधिकारी उनके निरीक्षण के दौरान उनके साथ थे। श्री ठाकुर ने कांचरापाड़ा कार्यशाला के अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की, जिसमें श्री सरकार, अपर महाप्रबंधक, ईआर ने कारखाना गतिविधियों की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से बहुमूल्य सुझाव दिए।■



दिनांक 13 जनवरी, 2024 को केंद्रीय राज्य मंत्री एवं मंडला के सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा जबलपुर रेल मंडल के बेलखेड़ा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रेन नंबर 11271/11272 इटारसी–भोपाल–इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए नए ठहराव का शुभारम्भ किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 13 जनवरी, 2024 को ही जबलपुर रेल मंडल के श्रीधाम स्टेशन पर आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं मंडला के सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा ट्रेन नंबर 12187/12188 जबलपुर–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस–जबलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर नए ठहराव का शुभारम्भ किया गया। उक्त दोनों कार्यक्रमों में विधायक गोटेगाँव, श्री महेन्द्र नागेश एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।■

संसदीय रेलवे स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राधा मोहन सिंह तथा अन्य सदस्यों द्वारा दिनांक 27 दिसम्बर, 2023 को कोलकाता में मेट्रो रेल के महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी, पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमर प्रकाश द्विवेदी, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा, ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड



के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री यतीश कुमार तथा अन्य वरिष्ठ रेल पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। श्री मुकेश राजपूत, सांसद (लोकसभा), श्री रमेश चंद्र कौशिक, सांसद (लोकसभा), श्री गोपाल जी ठाकुर, सांसद (लोकसभा), श्री सुमेधानंद सरस्वती, सांसद (लोकसभा), श्री नरहरि अमीन, सांसद (राज्यसभा), डॉ. प्रशांत नंदा, सांसद (राज्यसभा), डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, सांसद (राज्यसभा) भी बैठक में उपस्थित थे। संसदीय रेलवे स्थायी समिति के सदस्यों द्वारा रेल सेवाओं में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव और सलाह दिए गए। इस बैठक के दौरान लोकसभा सचिवालय के अधिकारीगण, मेट्रो रेलवे, पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष एवं अन्य रेल अधिकारीगण भी मौजूद थे।■



सांसद श्री निशिकांत दुबे ने दिनांक 26 दिसम्बर, 2023 को आसनसोल मंडल के मथुरापुर स्टेशन पर पटना-हटिया पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के ठहराव को हरी झंडी दिखाई। मथुरापुर स्टेशन पर 18621/18622 पटना-हटिया-पटना पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के नए ठहराव के साथ, दो निकटवर्ती राज्यों-झारखण्ड और बिहार की राजधानियों के साथ सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी होने से इस क्षेत्र के निवासियों को काफी लाभ होगा। इससे झारखण्ड और बिहार के बीच अंतरराज्यीय कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस अवसर पर बोलते हुए, सांसद श्री निशिकांत दुबे ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विभिन्न राज्यों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत है।■



जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत मझगवां रेलवे स्टेशन पर दिनांक 15 जनवरी, 2024 को मझगवां, जैतवार, तुर्की रोड, बगहाई रोड, उंचेहरा, मैहर एवं झुकेही स्टेशनों पर ट्रेनों के नए ठहराव का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर सतना के सांसद श्री गणेश सिंह ने ट्रेन संख्या 13201/13202 पटना-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पटना जनता एक्सप्रेस को मझगवां रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों के नए ठहराव का शुभारम्भ किया।

पटना-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पटना जनता एक्सप्रेस एवं छपरा-दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस का मझगवां स्टेशन पर तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया-लोकमान्य तिलक कामायनी एक्सप्रेस एवं लखनऊ-जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस का जैतवार स्टेशन पर, बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन का तुर्की रोड स्टेशन पर, रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का तुर्की रोड, बगहाई रोड एवं उंचेहरा स्टेशनों पर ठहराव दिए गए। इसके आलावा दुर्ग-नवतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस ट्रेन का मैहर स्टेशन पर एवं रीवा-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस रीवा-डॉ. अम्बेडकर नगर-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का झुकेही स्टेशन पर ठहराव दिया गया।■



सांसद फिरोजाबाद डॉक्टर चंद्रसेन जादौन द्वारा स्टेशन महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज मंडल द्वारा आम जनता को जागरुक करने हेतु एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक टूंडला श्री अमित सुदर्शन, एन.आर.यू.सी.सी. के सदस्य श्री एस के गौतम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।■



दि नांक 15 जनवरी, 2024 से ट्रेन संख्या 20501/20502 अगरतला–आनंद विहार (टी) तेजस राजधानी साप्ताहिक एक्सप्रेस मालदा टाउन–भागलपुर–जमालपुर के रास्ते चलेगी। अगरतला–आनंद विहार तेजस राजधानी एक्सप्रेस के मालदा टाउन के रास्ते चलने के पहले दिन मालदा टाउन स्टेशन से सांसद श्री खगेन मुर्मु, विधायक श्रीमती श्रीरूपा मित्रा चौधरी और विधायक श्री गोपाल चंद्र साहा ने रेलगाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया।■



गो रखपुर जं. रेलवे स्टेशन का 139वाँ 'स्थापना दिवस' समारोह दिनांक 15 जनवरी, 2024 को गोरखपुर जं. स्टेशन पर आयोजित किया गया। समारोह का शुभारम्भ सांसद, गोरखपुर श्री रवि किशन शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया और उन्होंने गोरखपुर स्टेशन के विरासत एवं विकास यात्रा पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रस्तावित गोरखपुर जं. स्टेशन के मॉडल का अवलोकन किया तथा हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया। इसके उपरान्त श्री शुक्ला ने स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार पर यात्रियों के लिए नवनिर्मित 'स्लीप पॉड होटल' का भी उद्घाटन किया और कहा कि यह अतिरिक्त सुविधा गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के अल्प प्रवास को आरामदायक बनायेगी।

इस अवसर पर, अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा, लखनऊ श्री राजीव कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/लखनऊ श्री आशुतोष गुप्ता, स्टेशन निदेशक/गोरखपुर श्री जय प्रकाश सिंह, मंडल एवं मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा यात्री जनता उपस्थित थी।■



स्टे शन महोत्सव योजना के अंतर्गत दिनांक 26 दिसम्बर, 2023 को झांसी मंडल खजुराहो रेलवे स्टेशन पर स्टेशन महोत्सव आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा (वर्चुअल माध्यम से) तथा विधायक श्री अरविंद पटेरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्टेशन महोत्सव द्वारा खजुराहो रेलवे स्टेशन की स्थापना के समृद्ध इतिहास को याद किया गया, जिसमें स्टेशन को दिनांक 26 दिसम्बर, 2008 को यात्रियों हेतु खोले जाने की जानकारी दी गई और इसी उपलक्ष्य में आज 15 वर्ष उपरांत स्टेशन का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया।■



दि नांक 20 दिसम्बर, 2023 को स्टेशन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत झांसी मंडल के ललितपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन का स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रम एवं सेवा योजन राज्यमंत्री उ. प्र. शासन श्री मनोहर लाल पंत एवं माव विधायक श्री राम रतन कुशवाहा अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आर डी मौर्य और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शशिकांत त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। ललितपुर रेलवे स्टेशन झांसी मंडल का महत्पूर्ण अंश है, जिसके निर्माण की शुरुआत इंडियन मिडलैंड रेलवे और ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे के अंतर्गत हुई। भोपाल झांसी खंड फरवरी 1886 में कमीशंड हुआ तथा जनवरी 1889 में भोपाल–झांसी रेल लाइन को प्रथम बार जनता के लिए खोला गया। इसके बाद झांसी–ग्वालियर रेलखंड का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ।■



सांसद, मिश्रिख श्री अशोक कुमार रावत ने 17 दिसम्बर, 2023 को इज्जतनगर मंडल के बिल्हौर स्टेशन पर ट्रेन संख्या 14151 कानपुर सेंट्रल-आनन्द विहार टर्मिनल साप्ताहिक एक्सप्रेस के नए ठहराव का शुभारम्भ बिल्हौर स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया।■



झाँसी मंडल तालबेहट रेलवे स्टेशन पर दिनांक 30 दिसम्बर, 2023 से ट्रेन सं.11077/78 पुणे-जम्मूतवी झेलम एक्सप्रेस के ठहराव का शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद झाँसी-ललितपुर श्री अनुराग शर्मा द्वारा ललितपुर विधायक श्री रामरतन कुशवाहा सहित मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (द्वितीय) श्री अमित आनंद के साथ हरी झंडी दिखाकर किया गया■



दिनांक 28 दिसम्बर, 2023 को स्टेशन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के सोनभद्र रेलवे स्टेशन के इतिहास एवं धरोहर से संबन्धित प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पकौड़ी लाल कोल, सांसद, सोनभद्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया किया गया। स्टेशन महोत्सव के कार्यक्रम में रेल प्रशासन द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। स्टेशन महोत्सव शुभारंभ के अवसर पर विधायक राबर्ट्सगंज श्री भूपेश चौबे एवं केंद्रीय मंत्री पेट्रोलियम एवं प्रकृति गैस व आवास एवं शहरी कार्य श्री हरदीप सिंह पुरी के प्रतिनिधि के रूप में श्री एस के गौतम सहित अन्य गणमान उपस्थित रहे।■



दिनांक 6 जनवरी, 2024 से ट्रेन संख्या-22987/22988 अजमेर-आगरा फोर्ट-अजमेर एक्सप्रेस के नदबई स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ सांसद भरतपुर श्रीमती रंजीता कोली के द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री तेज प्रकाश अग्रवाल की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर संपन्न हुआ।■



ट्रेन संख्या 13247/13248 कामाख्या-राजेन्द्र नगर-कामाख्या कैपिटल एक्सप्रेस का आलुआबाड़ी रोड स्टेशन पर दो मिनट के लिए अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। रायगंज की सांसद देबाश्री चौधरी ने दिनांक 27 दिसंबर, 2023 को आलुआबाड़ी रोड स्टेशन पर नए ठहराव के साथ कैपिटल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसी दिन एक अन्य कार्यक्रम में, रायगंज की सांसद देबाश्री चौधरी ने कानकी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की ऊँचाई बढ़ाने और आरबीजी कक्ष के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।■

हरित पहल को बढ़ावा देने हेतु भारतीय रेल और सीआईआई के बीच समझौता



भारतीय रेल ने जीएचजी उत्सर्जन को कम करते हुए ऊर्जा और पानी की खपत कम करने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। भारतीय रेल और सीआईआई ने लगातार तीसरी बार अपने एमओयू का नवीनीकरण किया है। समझौता ज्ञापन पर रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक/एमई (ईएनएचएम एवं परियोजना) श्री शैलेन्द्र सिंह और सीआईआई की उप महानिदेशक श्रीमती सीमा अरोड़ा ने रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा, बोर्ड के सदस्यों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दिनांक 4 जनवरी, 2024 को हस्ताक्षर किए और इसका आदान-प्रदान किया।

भारत में परिवहन क्षेत्र के एक प्रमुख हितधारक के रूप में भारतीय रेल ने पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी साझा की है। भारतीय रेल ने स्वयं वर्ष 2030 तक 'शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन' लक्ष्य निर्धारित किया है। भारतीय रेल के अंतर्गत अनेक महत्त्वपूर्ण रेलवे स्टेशन, उत्पादन इकाइयाँ, प्रमुख कार्यशालाएँ और अन्य प्रतिष्ठान हैं, जिनके लिए पर्यावरण संरक्षण और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न हरित पहल की गई हैं। भारतीय रेल में हरित पहल को बढ़ावा देने और उसे सुगम बनाने के लिए सीआईआई जुलाई 2016 से भारतीय रेल के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रहा है। उसने वर्ष 2016 में पहले समझौता ज्ञापन पर 03 वर्ष के लिए हस्ताक्षर किए थे और इसकी समाप्ति पर अगले 03 वर्षों के लिए एक और समझौता ज्ञापन पर वर्ष 2019 में हस्ताक्षर किए गए थे।

उपरोक्त 02 समझौता ज्ञापनों के तहत अब तक निम्नलिखित उपलब्धियाँ हासिल करने में महत्त्वपूर्ण प्रगति हुई है:

- **विनिर्माण सुविधाओं और रेलवे कार्यशालाओं में ऊर्जा दक्षता :** इस पहल के परिणामस्वरूप 210 लाख किलोवाट घंटा की ऊर्जा बचत और ₹16 करोड़ की मौद्रिक बचत हुई और इसके परिणामस्वरूप जीएचजी उत्सर्जन में लगभग 18,000 टन कार्बन डाईऑक्साइड की उल्लेखनीय कमी आई।
- **ग्रीनको रेटिंग :** यह पहल 75 रेलवे इकाइयों (कार्यशालाओं और विनिर्माण सुविधाओं) में लागू की गई है और इससे उनके पर्यावरणीय प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है।
- **हरित रेलवे स्टेशन :** लगभग 40 स्टेशनों ने हरित प्रमाण-पत्र हासिल किया है और सालाना 22 मिलियन किलोवाट घंटा ऊर्जा और 3 अरब लीटर पानी की बचत करके महत्त्वपूर्ण सुधार प्रदर्शित किए हैं।
- **हरित भवन, अस्पताल, स्कूल और कॉलोनियाँ :** प्रशासनिक भवनों, अस्पतालों, स्कूलों और कॉलोनियों सहित 40 से अधिक भवन सुविधाओं को हरित प्रमाणीकरण प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की गई है।
- **क्षमता निर्माण और कौशल विकास :** 20 से अधिक नये प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं का परिचय कराया गया है, भारतीय रेल के लगभग 150 अधिकारियों को भारत में 06 सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा कुशल निजी क्षेत्र के संयंत्रों से अवगत कराया गया है। साथ ही, लगभग 900 भारतीय रेल अधिकारियों को ऊर्जा दक्षता के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने नए सहयोग के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा, 'भारतीय रेल ने लगातार स्थायी कार्य प्रणालियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सीआईआई-जीबीसी के साथ यह नवीनीकृत समझौता ज्ञापन शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करने के हमारे सामूहिक लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ग्रीन सबसे वांछनीय विकल्प है, जिसे भारतीय रेल की 'योजना, डिज़ाइन, विकास और संचालन' में मौलिक रूप से शामिल किया गया है।

सीआईआई की उप महानिदेशक, सुश्री सीमा अरोड़ा ने हरित उपायों को लागू करने, ऊर्जा और पानी की खपत को कम करने और निर्मित पर्यावरण में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने में भारतीय रेल के प्रयासों की सराहना की।■

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पश्चिम मध्य रेलवे में समीक्षा बैठक की



रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने दिनांक 9 जनवरी, 2024 को पश्चिम मध्य रेल जबलपुर का एक दिवसीय दौरा किया। श्रीमती सिन्हा की अध्यक्षता में सम्पूर्ण पश्चिम मध्य रेल से संबंधित संरक्षा विषयों एवं चल रहे अधोसरंचना कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, रेलवे बोर्ड डाइरेक्टर जनरल (सेफ्टी) व मेंबर इंफास्ट्रक्चर श्री ब्रज मोहन अग्रवाल, प्रिंसिपल एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर (सेफ्टी) श्री अमित वरदान, एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर (मैकेनिकल)/ट्रांसफॉर्मेशन श्री अलोक कुमार मिश्रा, अपर महाप्रबंधक श्री आर.एस. सक्सेना सहित पमरे के सभी प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, भोपाल, जबलपुर एवं कोटा तीनों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। श्रीमती सिन्हा ने जबलपुर रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, एकीकृत क्रू लॉबी, जबलपुर के इटारसी छोर पर रेलवे यार्ड एवं कोचिंग डिपो का सघन निरीक्षण किया। श्रीमती सिन्हा ने संरक्षा से जुड़े ट्रैक मेंटेनर्स, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, लोको इन्सपेक्टर्स आदि के साथ सीधा संवाद करते हुए उनसे फीडबैक भी लिया। महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में श्रीमती सिन्हा को रेल अधिकारियों द्वारा पॉवर प्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से पमरे में चल रही विभिन्न परियोजनाओं तथा यात्री सुविधाओं सम्बन्धी विकास कार्यों की जानकारी दी गई।

जबलपुर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लिया जायजा : निरीक्षण के दौरान अमृत स्टेशन योजना के तहत श्रीमती सिन्हा द्वारा जबलपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास ले आउट मॉडल का अवलोकन किया गया। इसके उपरांत जबलपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 01 पर स्थित प्रतीक्षालय का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया एवं प्रतीक्षालय में उपस्थित रेल यात्रियों से संवाद किया।■

सुश्री सीमा कुमार ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) का कार्यभार संभाला



सुश्री सीमा कुमार ने दिनांक 5 जनवरी, 2024 को रेलवे बोर्ड के सदस्य (संचालन और व्यवसाय विकास) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

इससे पहले, सुश्री सीमा कुमार रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य (पर्यटन एवं खानपान) के पद पर कार्यरत थीं। आपने विभिन्न अंतरालों पर अतिरिक्त सदस्य (यातायात), अतिरिक्त सदस्य (विपणन और व्यवसाय विकास) और आईआरसीटीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला है। सुश्री सीमा कुमार वर्ष 1988 में भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) में शामिल हुईं। आप मेरठ विश्वविद्यालय से एम.एससी (भौतिकी) में स्वर्ण पदक विजेता हैं तथा आईआईटी दिल्ली से एम.टेक. किया है। अपने लंबे करियर के दौरान, सुश्री सीमा कुमार ने उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी; मंडल रेल प्रबंधक, कोटा; मुख्य परियोजना प्रबंधक, उत्तर रेलवे में आदि पदों पर कार्य किया है। इसके अलावा, उन्होंने सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) में महाप्रबंधक (पीआरएस) के रूप में काम किया है। अतिरिक्त सदस्य (पर्यटन एवं खानपान) के रूप में आपके कार्यकाल के दौरान, दो नवीन योजनाएं यानी भारत गौरव ट्रेनें (बीजीटी) और वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) को शुरू किया गया।

सीआरआईएस में कार्यकाल के दौरान, उन्होंने अनारक्षित टिकटिंग व्यवस्था और अगली पीढ़ी के ई-टिकटिंग प्रणाली के डिज़ाइन और विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुश्री सीमा कुमार ने एसडीए बोकोनी इंस्टीट्यूट, मिलान, इटली से लीडरशिप प्रोग्राम और भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु से लीडरशिप मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम भी पूरा किया है। आपको वर्ष 2009 में वेब आधारित नागरिक सेवाओं के लिए प्लेटिनम पुरस्कार, 'ग्राहकों के लाभ के लिए पीएसयू द्वारा आईसीटी के अभिनव उपयोग' श्रेणी के अंतर्गत ई-गवर्नेंस 2010-2011 के लिए रजत पुरस्कार और सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2014-2015 जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं।■

श्री सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) का पदभार संभाला



श्री सतीश कुमार ने दिनांक 5 जनवरी, 2024 को रेल मंत्रालय में रेलवे बोर्ड में सदस्य (ट्रैक्शन एंड रोलिंग स्टॉक) का कार्यभार संभाल लिया है। वे भारतीय रेल मैकेनिकल इंजीनियर्स सेवा के 1986 बैच के अधिकारी हैं। श्री कुमार मार्च, 1988 में भारतीय रेल में शामिल हुए और उनके पास 34 वर्षों का समृद्ध अनुभव है। इससे पूर्व आप उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत थे।

श्री कुमार को विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर झांसी मंडल और बीएलडब्ल्यू (डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी), एनईआर, गोरखपुर, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में काम करने का अनुभव है।

उन्होंने वर्ष 1996 में यूएनडीपी कार्यक्रम के तहत कुल गुणवत्ता प्रबंधन में प्रशिक्षण लिया था और वे अपने करियर में कई परियोजनाओं की देख-रेख कर चुके हैं। श्री सतीश कुमार ने अप्रैल, 2017 से अप्रैल, 2019 तक उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान बड़ी संख्या में बुनियादी ढांचे के काम पूरे किए गए थे।■

सुश्री अरुणा नायर ने रेलवे बोर्ड के सचिव का पदभार संभाला

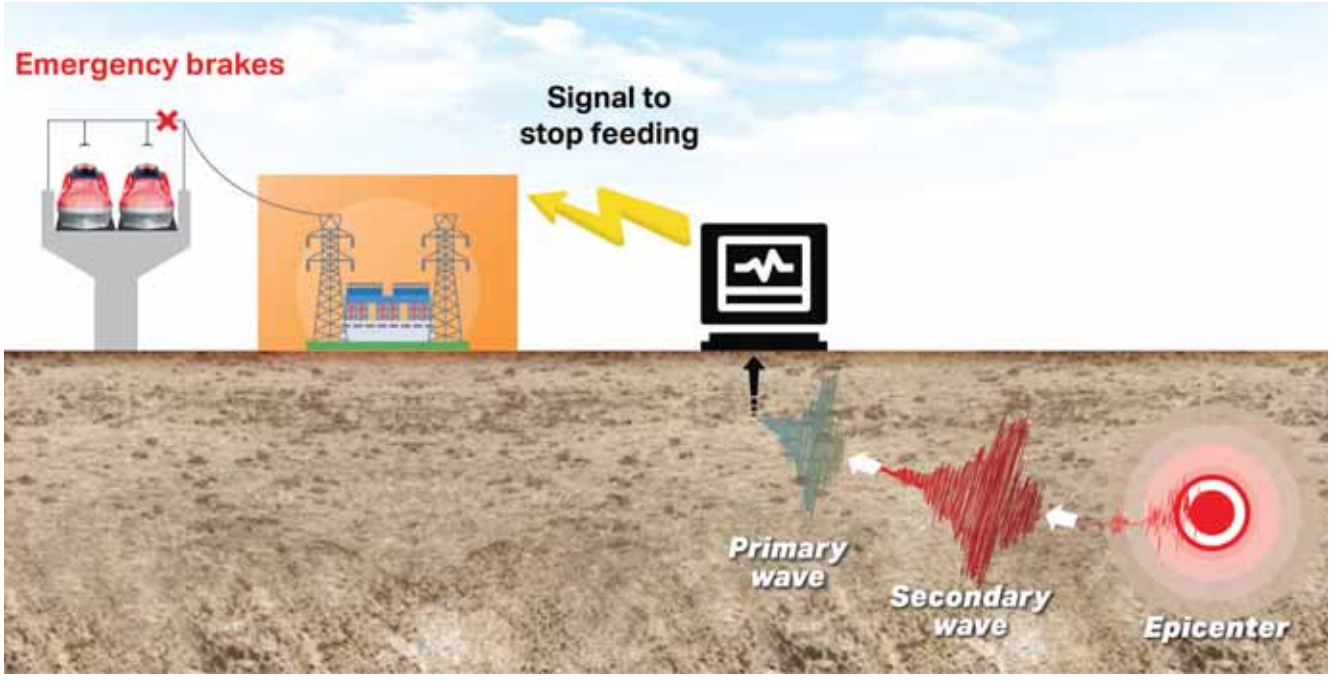
वर्ष 1987 बैच की भारतीय रेल कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) अधिकारी और लेवल-16 पैनल में शामिल आईआरएमएस अधिकारी सुश्री अरुणा नायर को रेलवे बोर्ड के सचिव का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने दिनांक 6 जनवरी, 2024 को कार्यभार संभाल लिया है। इसके पहले आप मई, 2023 से रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य (स्टाफ) के रूप में और फरवरी, 2022 से मई, 2023 तक रेलवे बोर्ड में प्रधान कार्यकारी निदेशक/स्टाफ के रूप में कार्यरत थीं। सुश्री नायर आईआरएमएस में लेवल-16 में सूचीबद्ध होने वाली पहली आईआरपीएस अधिकारी भी हैं।

सुश्री अरुणा नायर को रेलवे के विभिन्न पदों का व्यापक अनुभव है और उन्होंने पूर्वी रेलवे में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी (पीसीपीओ), मेट्रो रेलवे/कोलकाता में उप सीपीओ, दक्षिण रेलवे में पीसीपीओ तथा रेलवे भर्ती बोर्ड (चेन्नई), चेन्नई व पालघाट के रेलवे मंडलों तथा तिरुच्चिरापल्ली में गोल्डन रॉक वर्कशॉप व मंडल में विभिन्न पदों पर काम किया है। सुश्री नायर ने वर्ष 2005 से 2009 तक केंद्रीय स्टाफिंग योजना के तहत संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में निदेशक (कार्मिक) के रूप में भी काम किया है।

सुश्री अरुणा नायर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर तथा सेवा प्रशिक्षण के अंग के रूप में वर्ष 2009 में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी से सार्वजनिक नीति में स्नातकोत्तर किया है।■



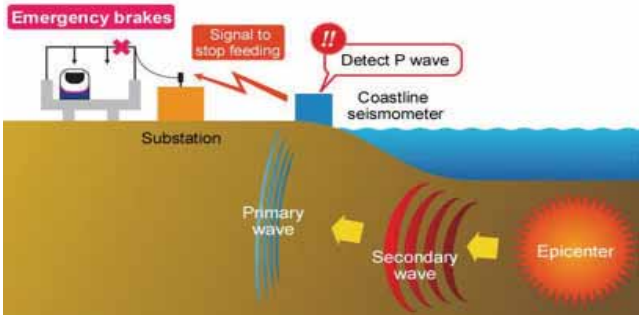
मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में लगाए जाएंगे 28 सीस्मोमीटर



मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 28 भूकंपमापी यंत्र (सीस्मोमीटर) लगाए जाएंगे, ताकि भूकंप के दौरान यात्रियों और महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जापानी शिंकानसेन तकनीक पर आधारित यह प्रारंभिक भूकंप जाँच प्रणाली, प्राथमिक तरंगों के माध्यम से भूकंप-प्रेरित झटकों का पता लगाएगी और स्वचालित बिजली बंद करने में सक्षम करेगी। बिजली बंद होने का पता चलने पर आपातकालीन ब्रेक सक्रिय हो जाएंगे और प्रभावित क्षेत्र में चलने वाली ट्रेनें रुक जाएंगी।

28 सीस्मोमीटर में से 22 को सरेखण के साथ स्थापित किया जाएगा। आठ महाराष्ट्र में होंगे-मुंबई, ठाणे, विरार और बोइसर-और चौदह गुजरात में-वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, महेमदाबाद और अहमदाबाद होंगे। सरेखण के साथ ट्रैक्शन सब-स्टेशनों और स्विचिंग पोस्ट में सीस्मोमीटर स्थापित किए जाएंगे। शेष छह सीस्मोमीटर (अंतर्देशीय सीस्मोमीटर के रूप में कहा जाता है) भूकंप के संभावित क्षेत्रों-महाराष्ट्र में खेड़, रत्नागिरी, लातूर और पांगरी और गुजरात में अदेसार और पुराने भुज में स्थापित किए जाएंगे। एमएएचएसआर सरेखण के पास के क्षेत्र, जहाँ पिछले 100 वर्षों में 5.5 तीव्रता से अधिक के भूकंप आए हैं, जापानी विशेषज्ञों द्वारा सर्वेक्षण किया गया था। सूक्ष्म कंपन परीक्षण के माध्यम से विस्तृत सर्वेक्षण और मिट्टी की उपयुक्तता अध्ययन के बाद, उपरोक्त स्थलों का चयन किया गया था।■



भारतीय रेल
पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु
संपर्क करें 011-47845089
सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

कोहरे के दौरान सुचारु रेल परिचालन हेतु भारतीय रेल ने लगाए 19,742 फॉग पास डिवाइस

प्रत्येक वर्ष, सर्दियों के महीनों में कोहरे के मौसम के दौरान, विशेष रूप से देश के उत्तरी हिस्सों में बड़ी संख्या में ट्रेनें प्रभावित होती हैं। सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेल ने कोहरे के मौसम के दौरान 19,742 फॉग पास डिवाइस का बंदोबस्त किया है। यह पहल ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार, देरी को कम करने और समग्र यात्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

फॉग पास डिवाइस एक जीपीएस आधारित नेविगेशन डिवाइस है, जो लोको पायलट को घने कोहरे की स्थिति में ट्रेन चलाने में मदद करता है। यह लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट (मानवयुक्त और मानव रहित), स्थायी गति प्रतिबंध, तटस्थ खंड आदि जैसे निश्चित स्थलों के बारे में ऑन-बोर्ड वास्तविक समय की जानकारी (प्रदर्शन के साथ-साथ आवाज मार्गदर्शन) प्रदान करता है। इस प्रणाली से भौगोलिक क्रम में आने वाले अगले तीन निश्चित स्थलों में से लगभग 500 मीटर तक ध्वनि संदेश के साथ-साथ अन्य संकेतक मिलते हैं।

फॉग पास डिवाइस की सामान्य विशेषताएँ :

सभी प्रकार के अनुभागों जैसे सिंगल लाइन, डबल लाइन, विद्युतीकृत और गैर विद्युतीकृत अनुभागों के लिए उपयुक्त।

- सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक और डीजल इंजनों, ईएमयू/एमईएमयू/डीईएमयू के लिए उपयुक्त।
- 160 किमी प्रति घंटे तक की ट्रेन गति के लिए उपयुक्त।
- इसमें 18 घंटे के लिए बिल्ट-इन रीचार्जेबल बैटरी बैकअप है।
- यह पोर्टेबल, आकार में कॉम्पैक्ट, वजन में हल्का (बैटरी सहित 1.5 किलोग्राम से अधिक नहीं) और मजबूत डिज़ाइन वाला है।
- लोको पायलट अपनी ड्यूटी फिर से शुरू करने पर डिवाइस को अपने साथ आसानी से लोकोमोटिव तक ले जा सकता है।
- इसे लोकोमोटिव के कैब डेस्क पर आसानी से रखा जा सकता है।
- यह एक स्टैंडअलोन प्रणाली है।
- यह कोहरे, बारिश या धूप जैसी मौसमी स्थितियों से अप्रभावित रहता है।



क्षेत्रीय रेलवे को प्रदान किए गए फॉग पास उपकरणों का विवरण इस प्रकार है :

क्षेत्रीय रेलवे	लगाए गए उपकरणों की संख्या
मध्य रेल	560
पूर्व रेलवे	1,103
पूर्व मध्य रेलवे	1,891
पूर्व तटीय रेलवे	375
उत्तर रेलवे	4,491
उत्तर मध्य रेलवे	1,289
पूर्वोत्तर रेलवे	1,762
पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे	1,101
उत्तर पश्चिम रेलवे	992
दक्षिण मध्य रेलवे	1,120
दक्षिण पूर्व रेलवे	2,955
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	997
दक्षिण पश्चिम रेलवे	60
पश्चिम मध्य रेलवे	1,046
	19,742

भारतीय रेल ने कैलेंडर वर्ष-2023 में 6,577 रूट किलोमीटर विद्युतीकरण का कार्य पूरा किया



भारतीय रेल परिवहन के पर्यावरण-अनुकूल, तेज और ऊर्जा-कुशल साधन प्रदान करने की दृष्टि से ब्रॉड गेज ट्रैक के 100 फीसदी विद्युतीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। कैलेंडर वर्ष-2023 के दौरान भारतीय रेल ने 6,577 रूट कि.मी. (आरकेएम) विद्युतीकरण का कार्य पूरा किया है। दिसंबर-2023 तक कुल 61,508 रूट कि.मी. के ब्रॉड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण किया गया है, जो भारतीय रेल के कुल ब्रॉड गेज रूट (65,556 आरकेएम) का 93.83 फीसदी है। इससे पहले वर्ष 2014 तक 21,801 कि.मी. ब्रॉड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण किया गया था।

रेल विद्युतीकरण के लाभ :

- परिचालन लागत में कमी
- इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की अधिक ढुलाई क्षमता के कारण भारी मालगाड़ियों और लंबी यात्री ट्रेनों का परिचालन, जिससे थ्रूपुट (निर्धारित समय में ढुलाई) में बढ़ोत्तरी हुई।
- ट्रैक्शन परिवर्तन के कारण अवरोध को समाप्त करके सेक्शनल क्षमता में बढ़ोत्तरी।
- परिवहन का पर्यावरण अनुकूल साधन।
- आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता में कमी आई है, जिससे बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत हुई।

भारतीय रेल ने दिसंबर, 2023 तक 1,154.67 मीट्रिक टन माल लदाई का लक्ष्य हासिल किया



पिछले वर्ष की 1,109.38 मीट्रिक टन की माल लदाई के मुकाबले अप्रैल-दिसंबर 2023 तक संचयी आधार पर 1,154.67 मीट्रिक टन की माल लदाई हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 45.28 मीट्रिक टन का सुधार है। पिछले वर्ष की ₹1,20,479.3 करोड़ की आय की तुलना में रेलवे ने इस बार ₹1,25,106.2 करोड़ का अर्जन किया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में यह ₹4,626.92 करोड़ अधिक है।

दिसंबर 2023 के दौरान, दिसंबर 2022 में 130.66 मीट्रिक टन की माल लदाई के मुकाबले 138.99 मीट्रिक टन की प्रारंभिक माल लदाई हासिल की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.37 प्रतिशत का सुधार है। दिसम्बर 2022 में माल लदाई से ₹14,574.25 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था। इसकी तुलना में दिसंबर 2023 में ₹15,097.61 करोड़ का अर्जन किया गया। इस तरह, पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 3.59 प्रतिशत का सुधार हुआ।

भारतीय रेल ने कोयले में 69 मीट्रिक टन, लौह अयस्क में 16.54 मीट्रिक टन, पिग आयरन और तैयार स्टील में 6 मीट्रिक टन, सीमेंट (क्लिंकर को छोड़कर) में 7.23 मीट्रिक टन, क्लिंकर में 5.07 मीट्रिक टन, खाद्यान्न में 4.26 मीट्रिक टन, उर्वरक में 5.77 मीट्रिक टन की लदाई हासिल की। दिसंबर, 2023 के दौरान खनिज तेल में 4.33 मीट्रिक टन, कंटेनरों में 7.70 मीट्रिक टन और शेष अन्य सामान में 9.76 मीट्रिक टन की लदाई की।

'हंग्री फॉर कार्गो' मंत्र का पालन करते हुए, भारतीय रेल ने व्यापार करने में आसानी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा वितरण में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और लचीले नीति निर्माण द्वारा समर्थित व्यवसाय विकास इकाइयों के काम ने रेलवे को यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने में मदद की।■

रेलवे सुरक्षा बल ने वर्ष 2023 में 12,099 अपराधियों को गिरफ्तार कर रेलवे की चोरी की गई ₹12.48 करोड़ की संपत्ति बरामद की



रेलवे संपत्ति की बेहतर सुरक्षा के लिए, रेलवे संपत्ति की बेहतर सुरक्षा और संरक्षा के लिए अनुकूल आवाजाही में किसी भी बाधा को दूर करने और किसी अन्य कार्य को करने के लिए, रेलवे मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा रेलवे सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का गठन किया गया था। (आरपीएफ) को रेलवे संपत्ति (गैरकानूनी कब्जा) [आरपी (यूपी) अधिनियम] अधिनियम, 1966 के प्रावधानों के अंतर्गत रेलवे संपत्ति के खिलाफ अपराध के मामलों से निपटने का अधिकार है। (आरपीएफ) को वर्ष 2004 से रेलवे यात्री क्षेत्र और रेल यात्रियों की सुरक्षा का दायित्व भी सौंपा गया है। (आरपीएफ) रेल यात्रियों, यात्री क्षेत्र और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, यात्रियों की यात्रा के दौरान की सुविधा और सुरक्षा में अपराधियों के खिलाफ अथक लड़ाई करता है, रोकथाम के लिए सतर्क रहता है। (आरपीएफ) महिलाओं और बच्चों की तस्करी और रेलवे क्षेत्रों में पाए जाने वाले निराश्रित बच्चों के पुनर्वास के लिए उचित कार्रवाई भी करता है। इस बल को अपने रैंकों में महिलाओं की सबसे बड़ी हिस्सेदारी (9 प्रतिशत) के साथ केंद्रीय बल का गौरव प्राप्त है।

वर्ष 2023 के दौरान आरपीएफ द्वारा उपलब्धियाँ–

अभियान 'रेल सुरक्षा'– इस अभियान के अंतर्गत, रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए शासनादेश के अनुसार, रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे संपत्ति से जुड़े अपराध के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। इस वर्ष के दौरान आरपीएफ ने रेलवे संपत्ति की चोरी के 6,312 मामले दर्ज किए, जिसमें 12,099 अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ रेलवे की चोरी हुई ₹12.48 करोड़ की संपत्ति की बरामदगी की।

ऑपरेशन 'उपलब्ध' के अंतर्गत दलालों के खिलाफ कार्रवाई : आरक्षित आवास के लिए रेलवे टिकटों की खरीद आम आदमी के लिए बहुत कठिन काम रहा है क्योंकि दलालों द्वारा बड़ी मात्रा में टिकटों पर कब्जा कर लिया जाता था। कन्फर्म रेलवे आरक्षणों को ऑनलाइन हासिल करने के लिए अवैध सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल ने आम आदमी के लिए कन्फर्म टिकटों की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। आरपीएफ दलाली (रेलवे टिकटों की खरीद और आपूर्ति का अनाधिकृत कारोबार) में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ गहन और निरंतर कार्रवाई कर रही है। इस ऑपरेशन के अंतर्गत 5,544 बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ 5,207 मामले दर्ज किए गए। इसमें आरक्षित टिकटों पर अवैध तरीकों का इस्तेमाल करने वाले भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के 990 से अधिक अधिकृत एजेंट शामिल थे।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत बच्चों का बचाव : आरपीएफ देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले उन बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक काम करता है जो विभिन्न कारणों से अपने परिवार से खो गए/अलग हो गए हैं। आरपीएफ ने कई कारणों से अपने परिवार से खोए/अलग हुए बच्चों को फिर से मिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भारतीय रेल के

संपर्क में आए देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों को बचाया है। इस सम्बन्ध में एक सघन अभियान चलाया जा रहा है। रेलगाड़ियों/रेलवे स्टेशनों पर देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों को बचाने के लिए भारतीय रेल में 'नन्हे फरिश्ते' अभियान चलाया जा रहा है और इसके उल्लेखनीय परिणाम दिख रहे हैं। वर्ष के दौरान 11,794 ऐसे बच्चों को आरपीएफ कर्मियों द्वारा बचाया गया।

ऑपरेशन एएएचटी के अंतर्गत मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई– आरपीएफ, पूरे भारत में पहुँच के साथ राष्ट्रीय वाहक के प्रहरी होने के नाते, मानव तस्करी के खिलाफ देश की लड़ाई में अपना काम करती है। बल ने मानव तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन एएएचटी' नामक एक अभियान शुरू किया है। मानव तस्करों के प्रयासों को रोकने के लिए एक प्रभावी व्यवस्था बनाने के लिए, वर्ष 2022 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, आरपीएफ की मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को भारतीय स्तर पर 740 से अधिक स्थानों पर रेलवे पोस्ट स्तर (थाना स्तर) पर चालू किया गया था। वर्ष के दौरान 257 तस्करों की गिरफ्तारी के साथ 1,048 लोगों को तस्करों के चंगुल से बचाया गया। आरपीएफ ने आरपीएफ और रेलवे कर्मियों की क्षमता निर्माण, छापे, बचाव और मानव तस्करी पर जानकारी साझा करने के लिए दिनांक 6 मई, 2022 को एसोसिएशन ऑफ वॉलंटरी एक्शन (नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी की संस्था) जिसे बचपन बचाओ आंदोलन भी कहा जाता है, के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

मिशन 'जीवन रक्षा' : ऐसी घटनाएं होती हैं जिनमें यात्री जल्दबाजी में चलती ट्रेनों में चढ़ने/उतरने की कोशिश करते हैं, फिसल जाते हैं और ट्रेनों के पहिये के नीचे आने का जोखिम उठाते हैं। ऐसे और भी उदाहरण हैं जहाँ संकटग्रस्त लोग जानबूझकर चलती ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या करने की कोशिश करते हैं। इस ऑपरेशन के अंतर्गत आरपीएफ के जवान अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की जान बचाने की कोशिश करते हैं। वर्ष के दौरान, आरपीएफ कर्मियों द्वारा 3,719 बहुमूल्य जीवन बचाए गए।

ऑपरेशन 'नारकोस' : नशीले पदार्थ न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को नष्ट करते हैं, बल्कि वे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और भलाई को भी नुकसान पहुँचाते हैं। आरपीएफ को वर्ष 2019 में एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी करने का अधिकार दिया गया है। रेल के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, आरपीएफ ने अभियान शुरू किया है और लगभग ₹40.32 करोड़ बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

ऑपरेशन 'अमानत' के अंतर्गत सामान पुनर्प्राप्ति और सौंपना– कई यात्री ट्रेनों में चढ़ने या ट्रेन/स्टेशन छोड़ने की जल्दी में अपना सारा सामान ले जाना भूल जाते हैं। इस ऑपरेशन के तहत आरपीएफ कर्मी ऐसे सामानों को सुरक्षित रखने और उन्हें सही मालिक तक पहुँचाने में सहायता करते हैं। इस ऑपरेशन के तहत आरपीएफ ने लगभग 39,091 सामानों को बरामद किया जिसकी कीमत ₹54.43 करोड़ से अधिक है।

ऑपरेशन 'डबल्यूआईएलईपी' : वन्यजीवों, जानवरों के अंगों और वन उत्पाद की तस्करी प्रकृति के खिलाफ अपराध है। आरपीएफ इस मुद्दे के बारे में सजग रही है और रेलवे के माध्यम से वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल तस्करों के खिलाफ इस अभियान के तहत कड़ी कार्रवाई की है। वर्ष के दौरान प्रतिबंधित वन्य जीवन के अवैध व्यापार के 13 मामलों का पता चला और 16 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई। आरपीएफ इस क्षेत्र में डब्ल्यूसीसीबी और अन्य हितधारकों के साथ लगातार काम कर रही है।

ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा'– आरपीएफ यात्रियों और उनके सामानों की सुरक्षा के लिए निरंतर मिशन पर है। इस दिशा में आरपीएफ के प्रयासों में ध्यान और तत्परता लाने के लिए वर्ष 2022 में ऑपरेशन यात्री सुरक्षा शुरू किया गया था। यह न केवल आपातकालीन सहायता में सुधार करके यात्रियों की सुरक्षा सम्बन्धी शिकायतों का वास्तविक समय में समाधान कर रहा है, बल्कि यात्री सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम और पता लगाने के लिए जीआरपी के साथ मिलकर काम भी कर रहा है।

आपातकालीन सहायता

इस पहल के तहत, आरपीएफ रेलवे के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा पर विशेष ध्यान देता है। आरपीएफ सुरक्षा और अन्य शिकायतों को प्राप्त करने और हल करने के लिए टोल फ्री नंबर 139 (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली नंबर 112 के साथ एकीकृत) और अन्य सोशल मीडिया मंचों यानी ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, कू इत्यादि के माध्यम से यात्रियों के कॉल पर चौबीसों घंटे उपलब्ध है। वर्ष के दौरान आरपीएफ ने यात्रा के दौरान वास्तविक समय सुरक्षा सम्बन्धी सहायता की आवश्यकता वाले व्यक्तियों की 2 लाख से अधिक कॉलों पर ध्यान दिया।

यात्री अपराध की रोकथाम और पता लगाना

इस ऑपरेशन के तहत, आरपीएफ रेलवे के माध्यम से यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा पर विशेष ध्यान देती है। आरपीएफ द्वारा आईपीसी के तहत यात्री सम्बन्धी अपराध के मामलों में पाए गए मामलों और गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/पुलिस को सौंप दिया जाता है।

अक्टूबर 2020 से भारतीय रेल नेटवर्क पर शुरू की गई ऑपरेशन महिला सुरक्षा– 'मेरी सहेली पहल' के तहत महिलाओं की सुरक्षा को और बेहतर बनाया गया। इस पहल का उद्देश्य लंबी दूरी की ट्रेनों में अकेले या नाबालिगों के साथ यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को प्रारंभिक स्टेशन से अंतिम स्टेशन तक की पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा प्रदान करना है। इसके कार्यान्वयन के लिए सभी जोनल रेलवे में महिला आरपीएफ कर्मियों की समर्पित टीमें बनाई गई हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल में प्रतिदिन औसतन 419 से अधिक ट्रेनों को कवर करने के लिए इस उद्देश्य के लिए 230 टीमों को तैनात किया जा रहा है। इन मेरी सहेली टीमों को सशक्त बनाने के लिए, वर्ष 2022 में एक मेरी सहेली आईटी मॉड्यूल का संचालन किया गया था ताकि इन टीमों को सुरक्षा और सहायता की आवश्यकता वाले महिला यात्रियों के लक्षित समूह की पहचान करने में मदद मिल सके।

महिला यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा भारतीय रेल की एक महत्त्वपूर्ण चिंता रही है। महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य निवारक उपाय जैसे पुरुष और महिला आरपीएफ कर्मचारियों के मिश्रित दल द्वारा ट्रेन एस्कॉर्टिंग, 866 स्टेशनों और लगभग 8,057 कोचों पर सीसीटीवी प्रणाली, महिला विशेष उपनगरीय ट्रेनों में महिला एस्कॉर्ट्स, अनधिकृत यात्रियों के खिलाफ नियमित अभियान, महिलाओं के कोच आदि भी लागू किए गए हैं

ऑपरेशन 'मातृशक्ति' के अंतर्गत प्रसव में गर्भवती महिलाओं को सहायता प्रदान करना– आरपीएफ कर्मी, विशेष रूप से महिला आरपीएफ कर्मी, ऑपरेशन मातृशक्ति के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को प्रसव में मदद करने के लिए आगे आती हैं, जिन्हें ट्रेन में यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा होती है। वर्ष के दौरान, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने 206 ऐसे बच्चों के जन्म में सहायता की।

ऑपरेशन 'सेवा' के अंतर्गत बीमार, घायल, विशेष रूप से दिव्यांगजनों को सहायता :

इस ऑपरेशन के तहत आरपीएफ कर्मी बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, शारीरिक रूप से अक्षम और बीमार/घायल व्यक्तियों को ट्रेनों और उससे जुड़ी सेवाओं के माध्यम से यात्रा में सहायता करते हैं यानी व्हील चेयर, स्ट्रेचर, चिकित्सा सहायता, एम्बुलेंस, दवा और शिशु भोजन आदि जैसी अन्य सुविधाएं प्रदान करते हैं। वर्ष के दौरान आरपीएफ द्वारा 57,079 से अधिक ऐसे व्यक्तियों की सहायता की गई।

ऑपरेशन 'संरक्षण' के तहत रेल परिचालन की सुरक्षा बढ़ाने के प्रयास :

यह ऑपरेशन यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए शुरू किया गया है। चलती ट्रेन पर पथराव करने, ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ या पटाखे ले जाने आदि में शामिल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वर्ष के दौरान आरपीएफ द्वारा चलती ट्रेनों पर पथराव के 2,898 मामले दर्ज किए गए और 1,233 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रेलवे ट्रैक के पास के निवासियों को शिक्षित करने के लिए आरपीएफ द्वारा विभिन्न माध्यमों से कई जागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इस अभियान में ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ/पटाखे ले जा रहे 370 से अधिक लोगों को भी गिरफ्तार किया गया।

ऑपरेशन 'जनादेश' के अंतर्गत विधानसभा चुनाव के दौरान तैनाती–

राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम राज्यों में तैनात आरपीएफ टुकड़ियों ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने और विधानसभा/संसदीय चुनावों के दौरान किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रोकने में सहायता की।

ऑपरेशन डिग्निटी के अंतर्गत देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले वयस्कों का बचाव :

इस ऑपरेशन के अंतर्गत देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले महिलाओं सहित वयस्कों का बचाव, जो रेलवे के संपर्क में आते हैं जैसे भागे हुए, परित्यक्त, नशे की लत वाले, निराश्रित, अपहृत,



पीछे छोड़ दिए गए, लापता, जिन्हें चिकित्सकीय सहयाता की जरूरत है गिरे हुए, मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को चिकित्सीय सहायता दी जा रही है। 2023 के दौरान ऐसे लगभग 3,492 व्यक्तियों को बचाया गया।

ऑपरेशन रेल प्रहरी के अंतर्गत ट्रेनों से भागने वाले संदिग्धों को पकड़ने में राज्य पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहायता प्रदान करना

आरपीएफ कर्मियों को प्रमुख स्टेशनों पर उनकी रणनीतिक स्थिति, रेल नेटवर्क के माध्यम से देश के कोने-कोने तक उनकी पहुँच, उनकी कमान और पर्यवेक्षण की एकता और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के कारण विशिष्ट और अद्वितीय लाभ हैं। यह तब काम आता है जब किसी विशेष राज्य की पुलिस को पता चलता है कि उसके संदिग्ध किसी अन्य राज्य से होकर गुजरने वाली ट्रेनों के माध्यम से भाग रहे हैं। इसके अलावा, कानून के लंबे हाथों से बचने वाले कई संदिग्ध नियमित जाँच प्रोटोकॉल के दौरान आरपीएफ के जाल में फंस जाते हैं। ऑपरेशन रेल प्रहरी के अंतर्गत, आरपीएफ अन्य पुलिस बलों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ट्रेनों से भागने वाले संदिग्धों को पकड़ने में सहायता करने के लिए अपनी यूएसपी का उपयोग करता है। वर्ष 2023 के दौरान, आरपीएफ द्वारा 493 ऐसे संदिग्धों को पकड़ा गया और रेलवे क्षेत्र के बाहर उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया।

रेलवे सुरक्षा बल न केवल अपराधियों और राष्ट्र के प्रति शत्रु ताकतों से रेलवे को सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, बल्कि 'सेवा ही संकल्प' के अपने मिशन को पूरा करने के लिए भी कड़ी मेहनत कर रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों को 'यशोलभस्व' या 'सम्मान प्राप्त करना' के अपने आदर्श वाक्य को साकार करने में मदद मिल रही है। बल राष्ट्र और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपनी पहुँच और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए नई पद्धति, प्रौद्योगिकी, उपकरण और प्रथाओं का उपयोग करना जारी रखेगा।■

भारतीय रेल ने 1 अप्रैल, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 के दौरान अब तक का सबसे अधिक पूंजीगत व्यय का उपयोग किया

भारतीय रेल ने दिसंबर 2023 तक इस वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में लगभग 75% पूंजीगत व्यय का उपयोग (अब तक का सर्वाधिक) किया है। भारतीय रेल ने दिसंबर 2023 तक कुल ₹1,95,929.97 करोड़ का इस्तेमाल किया है, जो इस वित्तीय वर्ष के दौरान रेलवे के कुल पूंजीगत व्यय (₹2.62 लाख करोड़) का लगभग 75% हिस्सा है।

भारतीय रेल ने दिसंबर 2022 में इसी अवधि के दौरान ₹1,46,248.73 करोड़ का पूंजीगत व्यय किया था। इस वर्ष, पूंजीगत व्यय का इस्तेमाल पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 33% अधिक है।

यह निवेश विभिन्न बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं जैसे नई लाइनें बनाने, दोहरीकरण, गेज परिवर्तन और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने में किया जाता है। रेलवे के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। सुरक्षा सम्बन्धी सुविधाओं की बढ़ोत्तरी करने में अत्यधिक राशि का निवेश किया गया है।■



रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

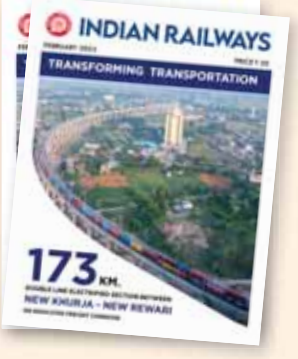
रेल मंत्रालय द्वारा
विगत 65 वर्षों से भी
अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home

दरें एवं शर्तें लागू

सेवक-रंगपो रेल परियोजना : सभी टनलों में खनन का कार्य पूर्ण



एक प्रमुख कामयाबी में, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिला स्थित सेवक-रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) के टनल संख्या टी-04 के पोर्टल संख्या 1 पर अडिट को दिनांक 30 दिसंबर, 2023 को ब्रेक थ्रू मिला। इसके साथ ही, 3 जनवरी, 2024 को इस परियोजना के टनेल संख्या 13 में भी ब्रेक थ्रू हासिल किया गया। इन टनलों की सफलता के साथ, इस परियोजना के सभी अडिट टनलों में खनन कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में हनुमान झोरा के पास स्थित 600 मीटर की एक निकासी टनल के साथ मुख्य टनल टी-04 की लंबाई 3,948 मीटर है। साथ ही, टी-13 की लंबाई 2,560 मीटर है, जो परियोजना के पश्चिम बंगाल हिस्से का अंतिम टनल है और कलिम्पोंग जिले में स्थित है। मुख्य टनल यंग हिमालय के अतिसंवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय और भूकंपीय स्थितियों से होकर गुजरती है। एसआरआरपी में अन्य सभी टनलों की तरह, भू-ग्राउंड मास की वल्नेरेबिलिटी का मुकाबला करने के लिए, नवीनतम और सबसे परिष्कृत टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग यहां किया गया है।

सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 कि.मी. लंबी है और इसमें 14 टनल, 17 पुल और 5 स्टेशन शामिल हैं। सबसे लंबी टनल (टी-10) की लंबाई 5.3 कि.मी. और सबसे लंबे पुल (ब्रिज-17) की लंबाई 425 मीटर है। पूरी परियोजना सरेखण का लगभग 38.6 कि.मी. टनल से गुजरता है और 90% टनलिंग कार्य पूरा हो चुका है।

यह भारत में चल रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजनाओं में से एक है और इस परियोजना के पूरा होने पर, पहली बार सिक्किम राज्य रेलवे से जुड़ जाएगा। इस रेल नेटवर्क को पूरा करने का उद्देश्य सिक्किम राज्य को वैकल्पिक कनेक्टिविटी प्रदान करना है। वर्तमान में परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए टनल, पुलों और स्टेशन यार्डों के निर्माण से संबंधित सभी काम-काज युद्ध स्तर पर चल रहे हैं।■

भारतीय रेल ने नेपाल के लिए कंटेनर परिवहन शुरू किया

दिनांक 27 दिसंबर, 2023 को स्पंज आयरन से लदा पहला निर्यात कार्गो कंटेनर ट्रेन पूर्वोत्तर सीमा रेल के कटिहार मंडल के अंतर्गत भारतीय कस्टम यार्ड (आईसीवाई)-नेपाल कस्टम यार्ड सेक्शन के भारतीय कस्टम यार्ड रेलवे स्टेशन पहुँचा। यह खेप दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत मुर्गा महादेव रोड स्थित मैसर्स टाटा स्पंज आयरन लिमिटेड की प्राइवेट साइडिंग से लोड की गई थी। कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) द्वारा इस खेप को मैसर्स पशुपति आयरन एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, विराट नगर (नेपाल) पहुँचाया गया।■



भारत गौरव ट्रेन

(वर्ष 2023 में)

भारत गौरव ट्रेन : 192

पर्यटक : 96.49

कवर :

24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के

प्रमुख पर्यटक सर्किट

'भारत गौरव' ट्रेन श्रीराम-जानकी यात्रा, अयोध्या से जनकपुर, श्रीजगन्नाथ यात्रा, 'गरवी गुजरात' यात्रा, अम्बेडकर सर्किट उत्तर-पूर्व भ्रमण

- इन ट्रेनों में की जाने वाली यात्रा में व्यापक टूर पैकेज की पेश की जाती है, जिनमें आरामदायक ट्रेन यात्रा और संबद्ध ऑनबोर्ड सेवाओं के साथ-साथ ऑफ-बोर्ड यात्रा और बसों द्वारा भ्रमण, होटल में रहना, टूर गाइड, भोजन, यात्रा बीमा आदि जैसी सेवाएँ शामिल हैं।
- रेल मंत्रालय ने भारत गौरव ट्रेन योजना के तहत बेहतर गुणवत्ता वाले कोचों के साथ रेल-आधारित पर्यटन के प्रावधान के माध्यम से घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहन देने के बारे में पूरा जोर दिया है।
- यह घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की पहल 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'देखो अपना देश' के अनुरूप है।



अधिक जानकारी के लिए कृपया
https://www.irctctourism.com/bhartgaurav पर जाएं ।

597 रेलवे स्टेशनों पर लिफ्ट या एस्केलेटर प्रदान करके उनको दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया गया

दिसम्बर 2023 तक
372 स्टेशनों पर कुल 1,287 एस्केलेटर उपलब्ध कराए गए
497 स्टेशनों पर कुल 1,292 लिफ्ट प्रदान की गईं



भारतीय रेल भारत सरकार के 'सुगम्य भारत मिशन' या सुगम्य भारत अभियान के हिस्से के रूप में अपने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं में सुधार/वृद्धि (इन सुविधाओं में वे सुविधाएं भी शामिल हैं, जो दिव्यांगजनों के लिए हैं) एक निरंतर प्रक्रिया है। बुजुर्गों, बीमारों और दिव्यांगजनों की आसान आवाजाही की सुविधा के लिए और प्रमुख रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्मों तक सुगम पहुँच और आवाजाही में आसानी के लिए 'सुगम्य भारत अभियान' के हिस्से के रूप में लिफ्ट/एस्केलेटर प्रदान किए जा रहे हैं।

कुल 597 स्टेशन हैं, जहाँ या तो लिफ्ट या एस्केलेटर उपलब्ध कराए गए हैं।

एस्केलेटर की स्थिति :

	प्रदान किया गया (संख्या में)	टिप्पणी
मार्च 2014 तक प्रदान किया गया	143	372 स्टेशनों पर कुल 1,287 एस्केलेटर उपलब्ध कराए गए
वित्त वर्ष 2014-23 के दौरान प्रदान किया गया	1,144	
कुल	1,287	

कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान, 128 एस्केलेटर प्रदान किए गए।

लिफ्ट की स्थिति :

	प्रदान किया गया (संख्या में)	टिप्पणी
मार्च 2014 तक प्रदान किया गया	97	497 स्टेशनों पर कुल 1,292 लिफ्ट उपलब्ध कराई गई
वित्त वर्ष 2014-23 के दौरान प्रदान किया गया	1,195	
कुल	1,292	

कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान, 227 लिफ्ट प्रदान की गईं।

भारतीय रेल विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। रेलवे प्लेटफॉर्मों पर एस्केलेटर और लिफ्ट का प्रावधान यात्रियों के निकास/प्रवेश को आसान बनाएगा और साथ ही यह यात्री सुरक्षा में सुधार के लिए एक और कदम होगा।■



भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

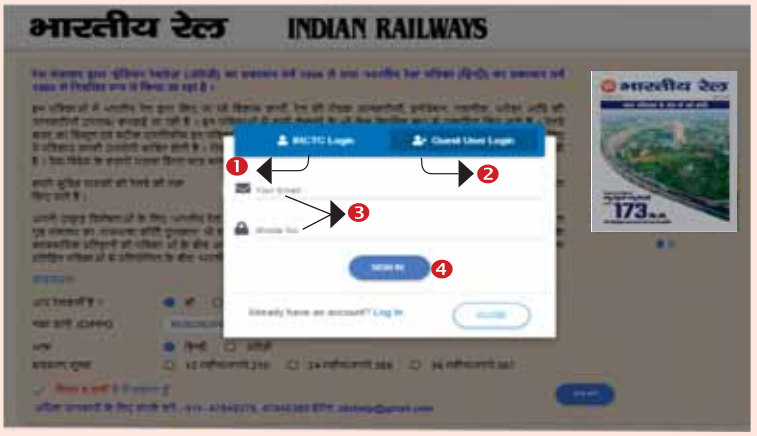
आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग–इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

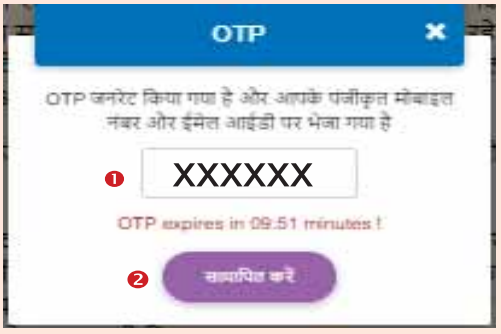


❷ लॉग–इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग–इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई–मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई–मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट–वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

❶ यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।

❷ यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।

❸ 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।

❹ एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



❺ नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

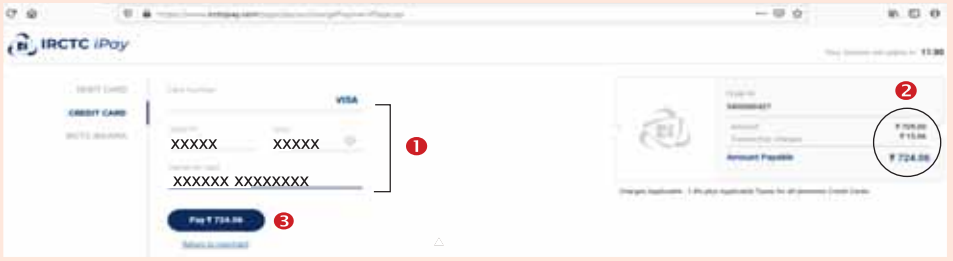
STEP 4

❶ अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



❷ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



❶ पेमेंट मोड की डीटेल भरें

❷ पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।

❸ संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।

➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों के समाचार



श्री रविन्द्र गोयल ने ग्रहण किया उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार

श्री रविन्द्र गोयल ने दिनांक 7 जनवरी, 2024 को महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे का पदभार संभाला। पंजाब के फिल्लौर में जन्मे श्री रविन्द्र गोयल ने यूबीएस, चंडीगढ़ से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की है।

आप भारतीय रेल यातायात सेवा के वर्ष 1987 बैच के अधिकारी हैं। तब आपको भारतीय रेल में विभिन्न स्थानों पर विविध क्षमताओं में 34 वर्षों तक सेवा करने का बहुत व्यापक और समृद्ध अनुभव है।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पहले, आपने रेलवे बोर्ड में अपर सदस्य, वाणिज्य के रूप में काम किया और भारतीय रेल के वाणिज्यिक दायित्वों का निर्वहन किया।■

पमरे वर्कशॉप भोपाल फाइव स्टार डायमंड अवॉर्ड से सम्मानित



सेफ्टी काउंसिल भोपाल द्वारा दिनांक 10 जनवरी, 2024 को पश्चिम मध्य रेल के भोपाल स्थित सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना को वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए (HSE) स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (फाइव स्टार डायमंड) कैटेगरी अवॉर्ड दिया गया। कारखाने के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री जी.आर. भिण्डिया एवं सुरक्षा अधिकारी श्री दिग्विजय उचारिया को यह अवॉर्ड सेफ्टी कांउसिल द्वारा आयोजित सेफ्टी अवॉर्ड कार्यक्रम में प्रदान किया गया।■

पू. सी. रेल के न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन ने 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन हासिल किया



यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाले, पौष्टिक भोजन प्रदान करने की मान्यता हेतु एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) द्वारा पू. सी. रेल के कटिहार मंडल के अधीन न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन को 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन से सम्मानित किया गया। इससे पहले, पू. सी. रेल के अधीन गुवाहाटी, हरिश्चंद्रपुर, लामडिंग, रंगिया, मरियानी, समसी और न्यू बंगाईगाँव रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन से सम्मानित किया जा चुका है।■



महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे के द्वारा '125 इयर्स ऑफ अ टाइमलेस लिगेसी' कॉफी टेबल बुक का विमोचन



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रकाश बुटानी के साथ '125 इयर्स ऑफ अ टाइमलेस लिगेसी' नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। कॉफी टेबल बुक वर्ष 1899 में तत्कालीन बॉम्बे बरोडा एंड सेंट्रल इंडिया (बीबी एंड सीआई) रेलवे के मुख्यालय के रूप में मुख्यालय भवन की उत्पत्ति का पता लगाती है। आजादी के बाद वर्ष 1951 में इसके गठन के बाद से यह पश्चिम रेलवे का मुख्यालय रहा। यह इमारत बीते युग की असंख्य घटनाओं की गवाह रही है और जीवंत वर्तमान को भी समेटे हुए है। यह पुस्तक समय के माध्यम से इस उत्कृष्ट कृति के विभिन्न रंगों को प्रदर्शित करने वाली एक दृश्य यात्रा है, जहाँ प्रत्येक तस्वीर इस प्रतिष्ठित इमारत की समृद्ध विरासत और गौरवशाली अतीत की झलक दिखलाती है।■

रेल पहिया कारखाना में 68वें रेलवे सप्ताह समारोह का आयोजन



वर्ष 2023 के लिए भारतीय रेल का सर्वोत्तम उत्पादन यूनिट चुने जाने पर रेल पहिया कारखाना (रेपका) को रोलिंग शील्ड से सम्मानित किया गया। रेल पहिया कारखाना को यह शील्ड दिसंबर 2023 में रेलवे बोर्ड द्वारा द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 68वें रेलवे सप्ताह केंद्रीय समारोह में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रदान की गई। इस विशिष्ट उपलब्धि की प्राप्ति और रिकॉर्ड उत्पादन में प्रमुख योगदान देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए महाप्रबंधक, रेपका द्वारा कुछ कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रेपका ने 2023 में नई ऊँचाइयों को छूते हुए 1.91 लाख पहियों, 92,000 धुरों और 81,500 पहिया सेटों का उच्चतम उत्पादन किया। वर्ष साथ ही वंदे भारत एक्सल और वंदे मेट्रो एक्सल के लिए नए उत्पाद विकसित किए गए।■

महाप्रबंधक की निगरानी में 'कवच' का सफल लोको परीक्षण संपन्न



दिनांक 23 दिसम्बर, 2023 को पश्चिम मध्य रेल के कोटा मंडल में भरतपुर-मथुरा खंड में विभिन्न तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए 'कवच' का सफल लोको परीक्षण, महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की निगरानी में किया गया। यह लोको परीक्षण जाजनपट्टी होम सिग्नल पर एसपीएडी (SPAD) रोकथाम टेस्ट, जाजन पट्टी-मुड़ेसी रामपुर के ब्लॉक सेक्शन में ओवर स्पीड पर नियंत्रण, मुडेसी रामपुर में लूप लाइन गति नियंत्रण, सेक्शन के सभी समपार फाटकोंश पर आटोमेटिक विस्सल (स्वचालित शीटी), सेक्शन में सभी स्थानों पर उत्तम कैब सिग्नलिंग इत्यादि पहलुओं के सफल परीक्षण के साथ आयोजित किया गया।

इस प्रणाली से चालक दल को 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पर सिग्नल आस्पेक्ट को पढ़ने में सुविधा होगी, क्योंकि चालक दल को लाइन पर लगे सिग्नलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उसे अगले सिग्नल का आस्पेक्ट इंजन में ही कवच के द्वारा दिख जायेगा। इस सुविधा से कोहरे या अन्य खराब दृश्यता वाले मौसम में भी ट्रेनों को सही समय पर संचालित करना आसान रहेगा।■

चिरेका में तनाव प्रबंधन कार्यशाला आयोजित



कार्यस्थल में तनाव प्रबंधन के लिए, चित्तरंजन प्रशासन द्वारा चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए दिनांक 12 जनवरी, 2024 को एक तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में, त्रिवेणी देवी भालोटिया कॉलेज, रानीगंज के मनोविज्ञान विभाग के संकाय प्रोफेसर जिन्निया रॉय अतिथि वक्ता थीं, जिन्होंने श्री द्वैपायन पाल के साथ कार्यशाला का संचालन किया। प्रोफेसर रॉय ने कार्यस्थल पर लोगों में तनाव पैदा करने वाले विभिन्न कारकों जैसे शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक, व्यवहारिक आदि का विश्लेषण किया और तनाव कम करने के कई सुझाव दिए।

प्रोफेसर रॉय ने विषय को स्पष्ट करते हुए कहा कि तनाव, जो प्रत्येक व्यक्ति की आंतरिक संघर्ष से गुजरता है, उसे सहानुभूति और करुणा से हराया जा सकता है। प्रोफेसर रॉय ने विचार-विमर्श के बाद भाग लेने वाले अधिकारियों के साथ बातचीत की और उनके प्रश्नों का समाधान किया। श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक; श्रीमती नमिता मल्होत्रा, अध्यक्ष, चिरेका महिला कल्याण संगठन, संगठन के सदस्य, विभागों के प्रधान प्रमुख; वरिष्ठ अधिकारी, कार्यशाला में उपस्थित थे और सक्रिय रूप से भाग लिया।■

पू. सी. रेल ने गुवाहाटी में विश्व स्तरीय एक्जीक्यूटिव लाउंज खोला



पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव ने दिनांक 19 दिसंबर, 2023 को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर एक नया विश्वस्तरीय एक्जीक्यूटिव लाउंज का उद्घाटन किया। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर बने इस नए एक्जीक्यूटिव लाउंज में एक समय पर 92 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। ट्रेनों का इंतजार करने वाले यात्रियों को इससे बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।■



दक्षिण पश्चिम रेलवे ने दिनांक 18 से 19 दिसम्बर, 2023 तक चालुक्या रेलवे इंस्टीट्यूट हुब्बल्लि में एक अंतर रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे थे। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। पूरे क्षेत्रीय रेलवे और पीएसयू से प्रतियोगिता में कुल 115 प्रतिभागियों ने भाग लिया।■

भारतीय रेल
पत्रिका
अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

खेलों में भारतीय रेल

मेट्रो की महिला टेबल–टेनिस खिलाड़ी ने 85वीं सीनियर राष्ट्रीय एवं अंतर राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप–2023 में स्वर्ण पदक जीता



मेट्रो रेलवे की महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी ने 16 से 22 दिसंबर, 2023 तक हरियाणा के पंचकुला में आयोजित होने वाली 85वीं सीनियर नेशनल और इंटर-स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2023 में स्वर्ण पदक जीता। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने वाली मेट्रो रेलवे की कर्मचारी सुश्री पोयमंती वैश्य ने महिला एकल वर्ग में यह जीत हासिल की। पोयमंती ने सुश्री सुतीर्था मुखर्जी के साथ मिलकर महिला युगल फाइनल भी जीता।

इस चैंपियनशिप में विभिन्न राज्यों और खेल संवर्धन बोर्ड के कुल 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी ने सुश्री पोयमंती वैश्य को इस शानदार जीत के लिए बधाई दी।■

सीनियर नैशनल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने जीते 06 मेडल



भुवनेश्वर में दिनांक 2 से 4 जनवरी, 2024 तक आयोजित सीनियर नेशनल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भारतीय रेल की टीम ने 06 स्वर्ण, 04 रजत एवं 03 कांस्य पदक जीत कर 12 वर्षों के अंतराल के बाद ओवरऑल चैंपियन बनी। इस टीम के कुल 06 खिलाड़ियों में उत्तर मध्य रेलवे के 03 खिलाड़ी थे। भारतीय रेल द्वारा जीते गए कुल 13 पदक में से 06 पदक उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए। उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदकों में श्री सिद्धार्थ वर्मा को दो स्वर्ण और दो रजत तथा श्री अभिलेख एवं श्री अंकुर को 01-01 स्वर्ण पदक हासिल हुए।

उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने कोच श्री देवेश के साथ महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री रविन्द्र गोयल से भेंट की। महाप्रबंधक ने जिम्नास्टिक टीम के खिलाड़ियों उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई।■

चिरेका में गोल्फ टूर्नामेंट आयोजित : सवर्श्रेष्ठ खिलाड़ियों को मिला पुरस्कार



गोल्फ कोर्स सनसेट एवेन्यू चिरेका चितरंजन मैदान में दिनांक 10 जनवरी, 2024 को चिरेका खेलकूद संगठन द्वारा एक गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर, श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक सह संरक्षक चिरेका खेलकूद संगठन मुख्य अतिथि और श्रीमती नमिता मल्होत्रा, अध्यक्षा चिरेका महिला कल्याण संगठन सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद थीं।

गोल्फेर के मध्य 0-9 तथा 10-18 श्रेणीयों में क्रमशः विजेता रहे श्री साहिल कृष्ण सिंह; मोहम्मद अमजद खान। इसके अलावा लेडी गोल्फर मिस अनन्या रॉय को भी पुरस्कृत किया गया। टूर्नामेंट में, गैर गोल्फर (महिला) वर्ग श्रीमती नमिता मल्होत्रा तथा गैर गोल्फर (पुरुष) श्रेणी में श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक विजेता रहे।■



दिनांक 13 से 15 दिसम्बर, 2023 तक आगरा में आयोजित अखिल भारतीय रेल पुरुष कुश्ती चैंपियनशिप (फ्री स्टाइल एवं ग्रीको रोमन) में पहली बार पूर्वोत्तर रेलवे की ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुये 175 प्वाइंट्स प्राप्त किया तथा ग्रीको रोमन में पहली बार चैंपियन बनी। प्रतियोगिता के दौरान सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह एवं कुश्ती/कोच श्री जर्नादन सिंह यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अपने-अपने भार वर्ग में मनीष, आशु, सागर, राम सिंह ने स्वर्ण पदक तथा अरशद, रोहित, यशपाल ने कांस्य पदक जीते। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अध्यक्ष श्री श्रीश चन्द्र श्रीवास्तव, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह एवं कुश्ती/सचिव श्री जय प्रकाश सिंह ने टीम को बधाई दी।■

जकार्ता में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल में 50 मीटर 3पी टीम स्पर्धा में भारतीय निशानेबाजी टीम ने रजत पदक जीता। श्री अखिल श्योरान और श्री स्वप्निल कुसाले भारतीय रेल परिवार के गौरवशाली सदस्य हैं। श्री अखिल श्योरान ने 50 मीटर 3पी व्यक्तिगत स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया।





कर्नाटक के विजयपुरा में आयोजित 28वीं सीनियर नेशनल रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप में भारतीय रेल की पुरुष और महिला साइकिलिंग टीमें चैंपियन बनीं।





महाराष्ट्र के गढ़ चिरोली में आयोजित सीनियर नेशनल बाल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2023 के सीधे सेटों में 35-26, 35-20 से भारतीय रेल की विजेता रही।





बिहार के गया में आयोजित 58वीं क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेल की महिला क्रॉस कंट्री टीम ने स्वर्ण तथा पुरुष क्रॉस कंट्री टीम ने रजत पदक अपने नाम किए।





भुवनेश्वर में आयोजित सीनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक नेशनल टीम चैंपियनशिप में भारतीय रेल की टीम ने खिताबी जीत दाखिल की।

भारतीय रेल में उल्लासपूर्ण ढंग से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह



कानपुर सेंट्रल स्टेशन


हावड़ा जंक्शन, पश्चिम बंगाल

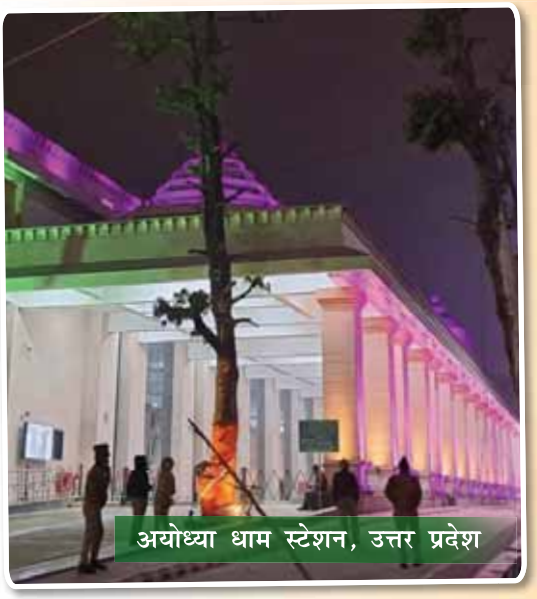

विजयवाड़ा जंक्शन रेलवे स्टेशन, आंध्र प्रदेश



सियालदह रेलवे स्टेशन, पश्चिम बंगाल



द्वारका रेलवे स्टेशन, गुजरात



अयोध्या धाम स्टेशन, उत्तर प्रदेश



उज्जैन जंक्शन, मध्य प्रदेश



रेल निर्माण निलायम, दक्षिण मध्य रेलवे



मेट्रो रेल भवन, पश्चिम बंगाल


छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, महाराष्ट्र

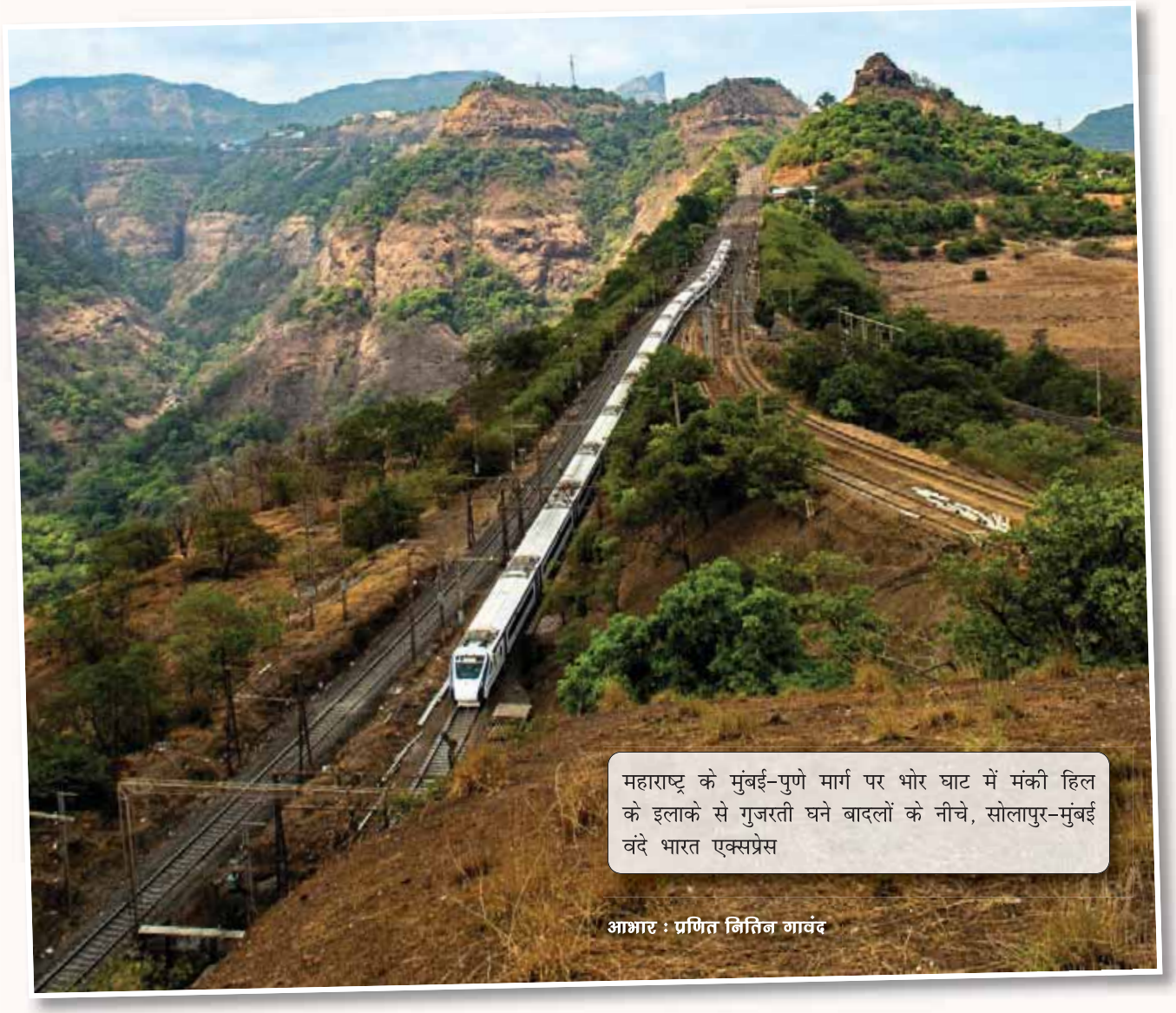

डॉ. एम.जी.आर. मध्य, चेन्नई


मोरबी रेलवे स्टेशन, गुजरात


राजमुंद्री रेलवे स्टेशन


जोधपुर रेलवे स्टेशन, राजस्थान

तस्वीर दीर्घा

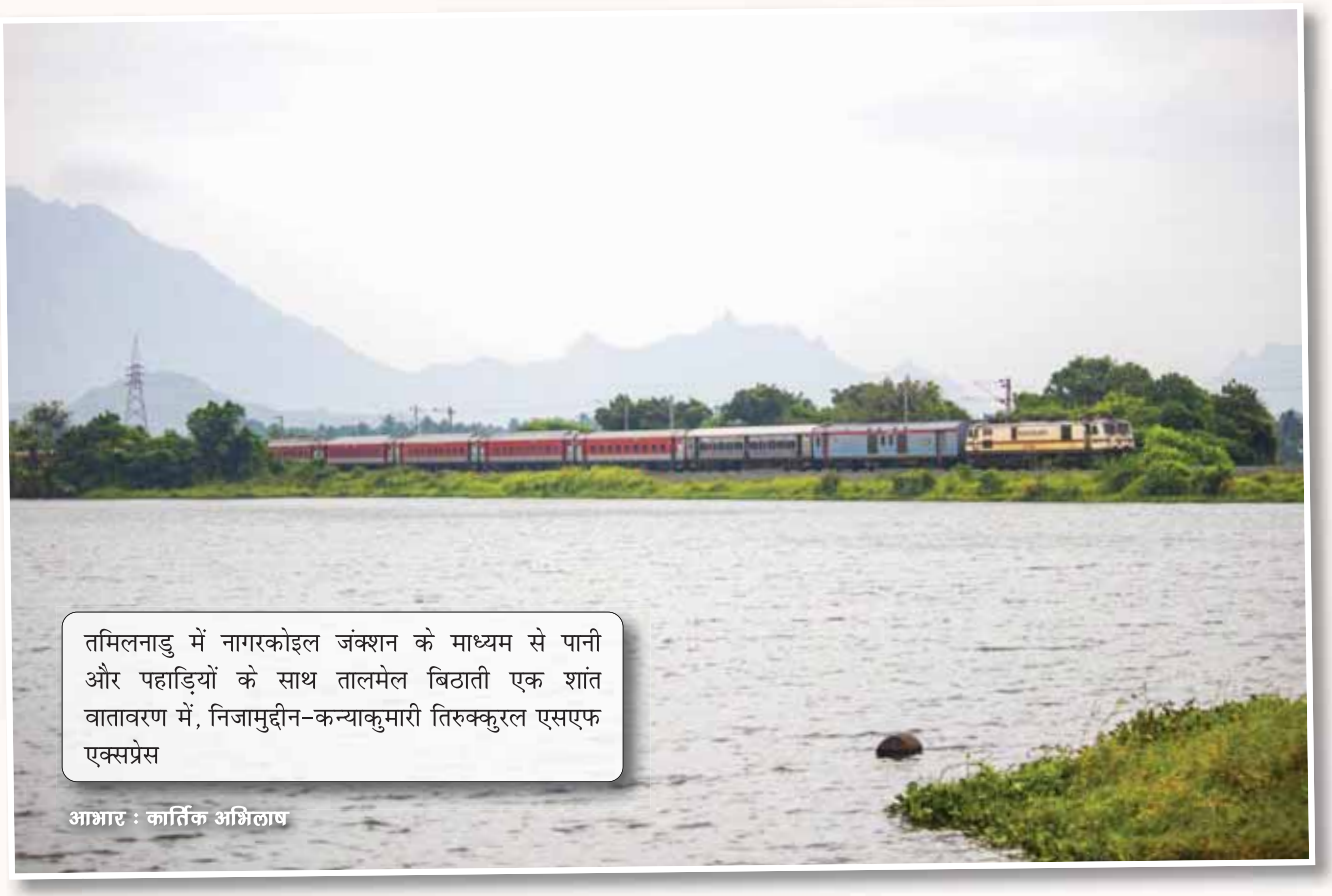


महाराष्ट्र के मुंबई-पुणे मार्ग पर भोर घाट में मंकी हिल के इलाके से गुजरती घने बादलों के नीचे, सोलापुर-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस

आभार : प्रणित नितिन गावंद



प्रकृति की गोद में बसा, हिमाचल प्रदेश का कांगड़ा रेलवे स्टेशन एक ट्रेन सेट का स्वागत करता है जो घाटी के लुभावने दृश्य-यात्रियों को दिखाने निकलती है



तमिलनाडु में नागरकोइल जंक्शन के माध्यम से पानी और पहाड़ियों के साथ तालमेल बिठाती एक शांत वातावरण में, निजामुद्दीन–कन्याकुमारी तिरुक्कुरल एसएफ एक्सप्रेस

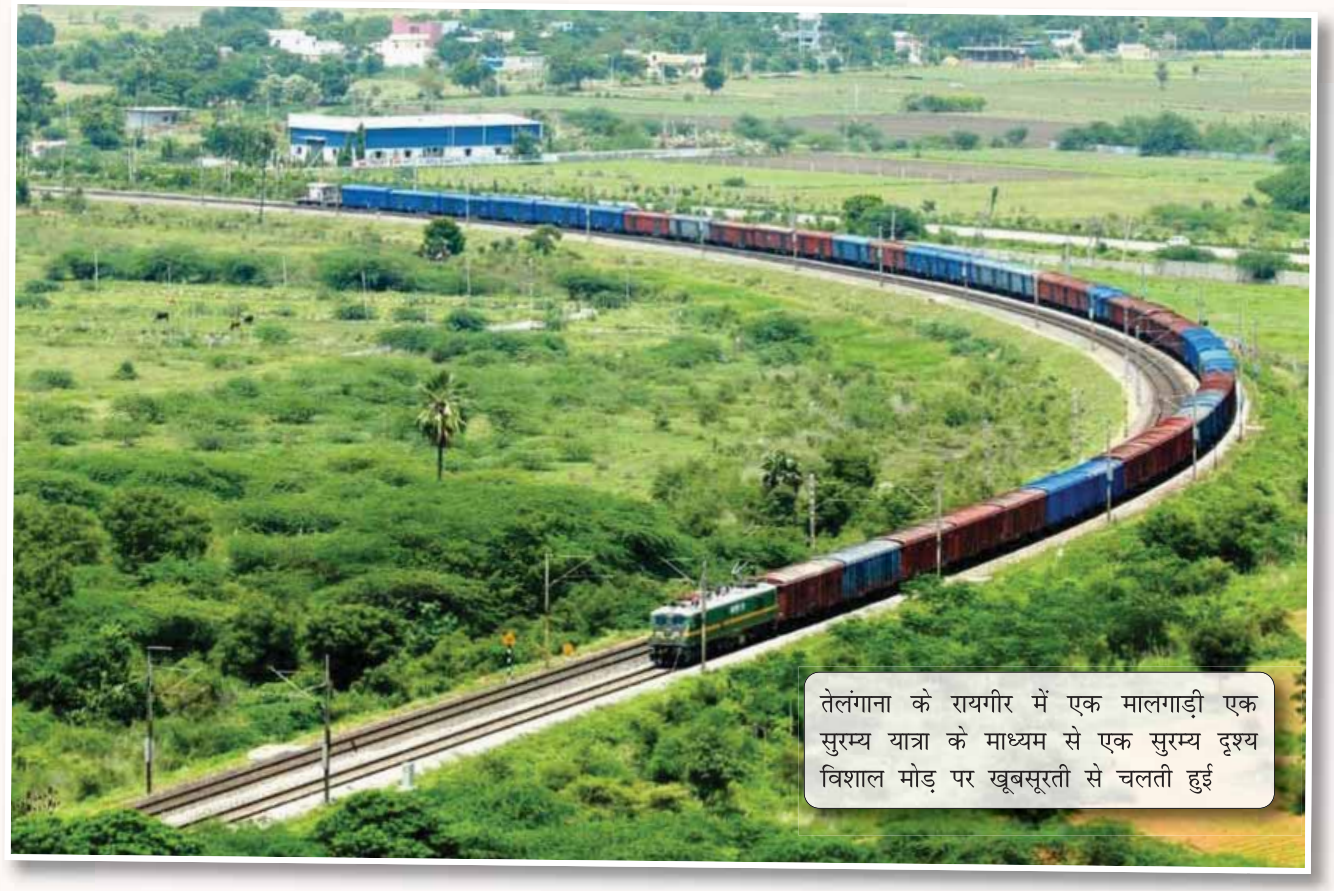
आभार : कार्तिक अभिलाष



कर्नाटक के चित्रपुर हॉल्ट स्टेशन के पास प्रकृति की प्रचुरता से सराबोर ट्रेन अपने गंतव्य की ओर बढ़ती हुई



महाराष्ट्र के मनमोहक कर्जत-लोनावाला घाट के बीच सरपट दौड़ती वंदे भारत एक्सप्रेस



तेलंगाना के रायगीर में एक मालगाड़ी एक सुरम्य यात्रा के माध्यम से एक सुरम्य दृश्य विशाल मोड़ पर खूबसूरती से चलती हुई

प्रगति रिपोर्ट

असम के चांगसारी और अगथोरी स्टेशन के बीच नई बिछाई गई 7.48 किमी लंबी दोहरी लाइन



असम के चांगसारी और अगथोरी स्टेशन के बीच नई बिछाई गई 7.48 कि.मी. लंबी दोहरी लाइन (142.97 कि.मी. लंबी न्यू बोंगाईगाँव–अगथोरी वाया रंगिया दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा) पर वैधानिक निरीक्षण पूरा हो गया। इससे भीड़–भाड़ कम होगी और ट्रेनों की आवाजाही बढ़ेगी।



10 जनवरी, 2024

उत्तर और दक्षिण बिहार की रेल कनेक्टिविटी



उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच रेल संपर्क को और मजबूत करने के लिए पुराने राजेंद्र पुल के सामानांतर गंगा नदी पर बरौनी–मोकामा के बीच नए रेल पुल का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है।



5 जनवरी, 2024

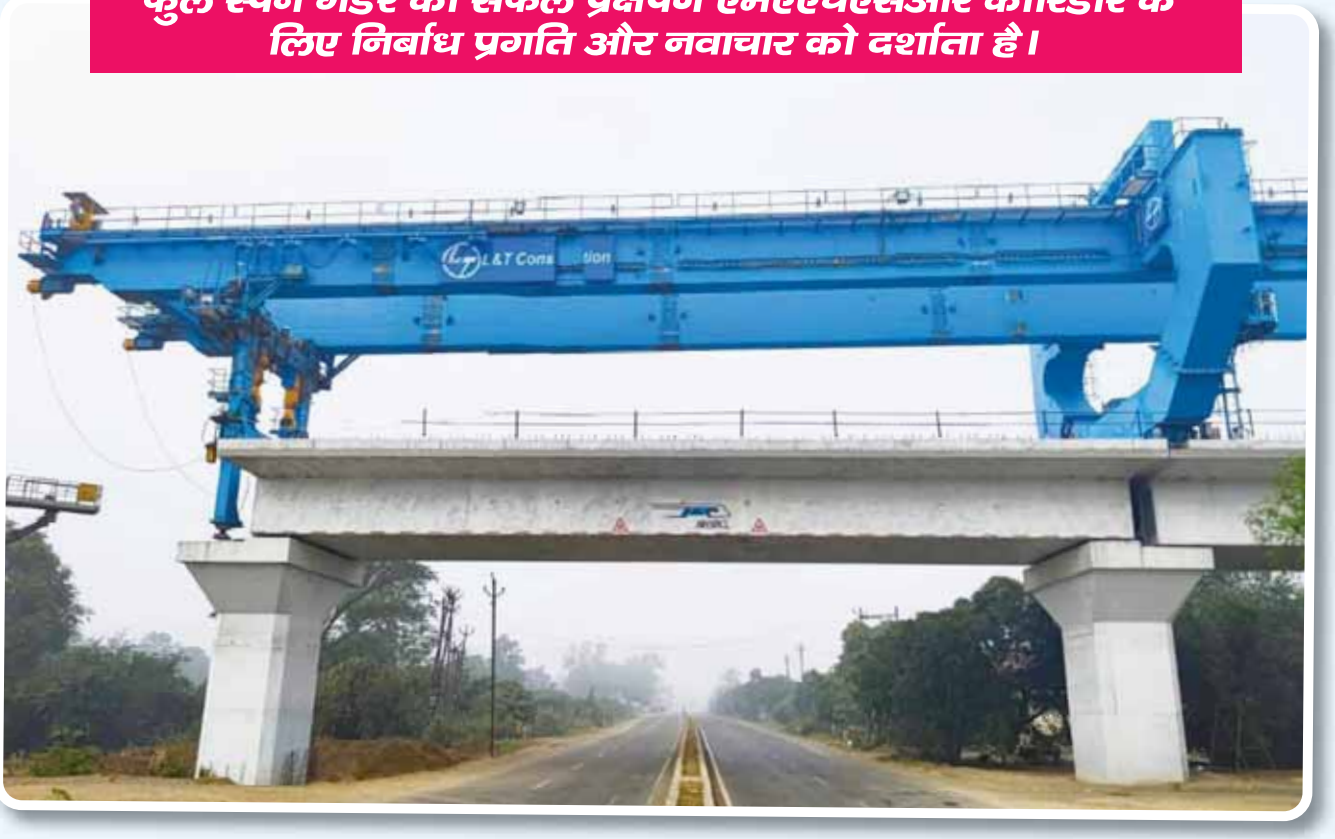
जोका–एस्प्लेनेड मेट्रो कॉरिडोर के तारातला–माजेरहाट खंड पर पहला परिक्षण सुचारू रूप से संचालित किया गया



जोका–एस्प्लेनेड मेट्रो कॉरिडोर के तारातला–माझेरहाट खंड पर पहला परीक्षण सुचारू रूप से आयोजित किया गया है। एसी ट्रायल रेक (एमआर–417) 12.16 बजे तारातला स्टेशन से रवाना हुई। और 1.25 किमी की दूरी तय करने के बाद 12.19 बजे माझेरहाट स्टेशन पहुँची।

13 जनवरी, 2024

गुजरात के नवसारी जिले के बिलिमोरा तालुका में एनएच 360 पर फुल स्पैन गर्डर का सफल प्रक्षेपण एमएएचएसआर कॉरिडोर के लिए निर्बाध प्रगति और नवाचार को दर्शाता है।



बिलासपुर–झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना



बिलासपुर–झारसुगुड़ा चौथी रेलवे लाइन परियोजना के तहत रॉबर्टसन–भूपदेवपुर के बीच मांड नदी पर रेल पुल का निर्माण तेजी से किया जा रहा है. इसके निर्माण के बाद अप और डाउन दोनों दिशाओं में रेल परिचालन अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।



18 जनवरी, 2024

पश्चिम बंगाल के हावड़ा रेलवे स्टेशन ने ग्रीन रेलवे स्टेशन के रूप में प्रतिष्ठित 'प्लेटिनम रेटिंग' अर्जित की है



पश्चिम बंगाल के हावड़ा रेलवे स्टेशन ने इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा ग्रीन रेलवे स्टेशन के रूप में प्रतिष्ठित 'प्लेटिनम रेटिंग' अर्जित की है, जो पर्यावरण–अनुकूल परिवहन के लिए अग्रणी है।

21 जनवरी, 2024

तकनीकी चमत्कारों के साथ प्रकृति की सुंदरता का सम्मिश्रण



गुजरात के वलसाड में औरंगा ब्रिज बुलेट ट्रेन से भविष्य की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करता है।

कश्मीर घाटी में काम करने वाले भारतीय रेल के कर्मचारियों को अब पहली बार उप-शून्य गियर के साथ तैयार किया गया है, जैसा कि भारतीय सेना द्वारा सियाचिन की जलवायु का सामना करने के लिए किया जाता है, जो ठंड की स्थिति में ड्यूटी करते हैं।

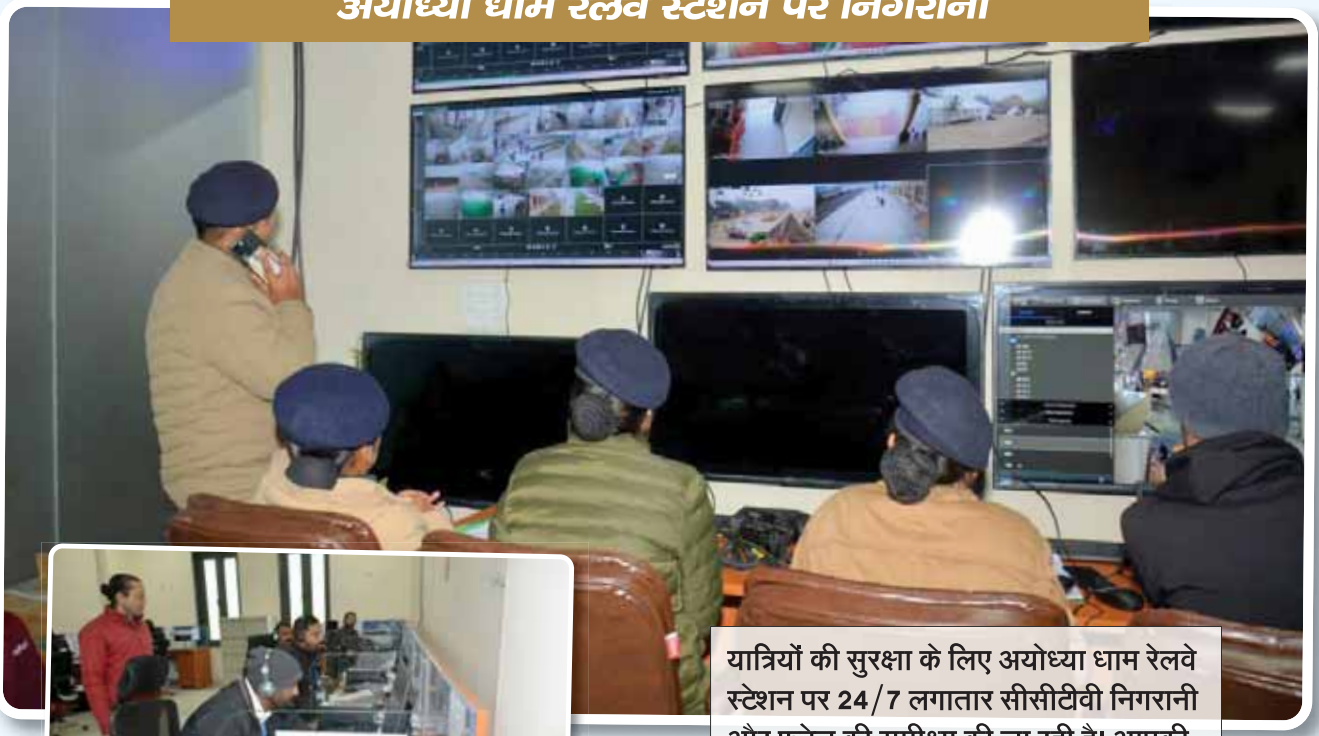


गुजरात के भरूच शहर में स्पैन लॉन्चर द्वारा जीवंत नारंगी रंग



गुजरात के भरूच शहर में स्पैन लॉन्चर द्वारा जीवंत नारंगी स्पैन, बुलेट ट्रेन की शुरुआत के साथ प्रगति, निर्बाध कनेक्शन और बदलते परिदृश्य का प्रतीक है।

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर निगरानी



यात्रियों की सुरक्षा के लिए अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर 24/7 लगातार सीसीटीवी निगरानी और फुटेज की समीक्षा की जा रही है। आपकी सुरक्षा हमारे लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

28 जनवरी, 2024

ऑटोमैटिक ट्रेन ऑपरेशन (एटीओ) मोड के साथ ट्रायल रन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया



ऑपरेशन से पहले अंतिम हिस्सों के करीब, स्वचालित ट्रेन ऑपरेशन (एटीओ) मोड के साथ ट्रायल रन सफलतापूर्वक साल्ट लेक सेक्टर - 5 और ग्रीन लाइन के सियालदह खंड के बीच आयोजित किया गया, जिससे प्रदर्शन में दक्षता सुनिश्चित हुई।

29 जनवरी, 2024



माम्बलम स्टेशन के ओएसओपी आउटलेट पर तमिलनाडु के पारंपरिक नाश्ते का आनंद लें और स्थानीय विक्रेताओं के लिए आय के अवसर पैदा करने वाले क्षेत्रीय उत्पादों का समर्थन करें।

स्टेशनों का पुनर्विकास





बिहार के शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन का कायापलट तेजी से हो रहा है
इसके पूरा होने पर, स्टेशन आधुनिक आराम और शानदार यात्री सुविधाएं प्रदान करेगा।





असम में नारेंगी स्टेशन पर अमृत स्टेशनों के तहत पुनर्विकास कार्यः प्रतीक्षा कक्ष, प्रवेश सीमा दीवार,
बेहतर परिसंचरण क्षेत्र और प्रवेश स्तंभों का निर्माण प्रगति पर है





यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए जंगीपुर रोड रेलवे स्टेशन, पश्चिम बंगाल का तेज
गति से नवीनीकरण किया जा रहा है





पंजाब में मनसा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य आधुनिक बदलाव की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।





पुनर्विकास का काम तेजी से चल रहा है।
बिजनौर रेलवे स्टेशन, उत्तर प्रदेश



आपको यह
अंक कैसा लगा
हमें जरूर बताएं

ई–मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें

संपादक, भारतीय रेल, कमरा नं. 411,
रेल भवन, नई दिल्ली–110 001

एसपीएडी : भारतीय रेल के संदर्भ में समसामयिक विश्लेषण एवं सुझावात्मक उपाय

श्रीमती श्रीमा श्रीवास्तव
वैज्ञानिक पर्यवेक्षक/मनो-तकनीकी
आरडीएसओ, लखनऊ

सारांश : एसपीएडी को सुरक्षा के लिए एक बड़े संभावित खतरे के रूप में देखा जाता है, जो लोको पायलटों की सतर्कता के साथ कुछ अन्य प्रासंगिक कारकों, जैसे, संसाधन की विफलताओं से जुड़ा होता है। रेलवे को उच्च स्तर की सुरक्षा प्राप्त करने हेतु विभिन्न उपायों के माध्यम से इसे अधिकतम संभव सीमा तक रोकने का लक्ष्य रखना चाहिए। ट्रेन दुर्घटना की ओर ले जाने वाली चूक के कारण एक, या एक से अधिक हो सकते हैं, लेकिन इसका दुष्परिणाम जीवन और संपत्ति दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है क्योंकि यह ट्रेन संचालन में सुरक्षा से किया गया समझौता होता है। एसपीएडी मामलों में निदेशालय द्वारा समय-समय पर अध्ययन किया गया है और घटनाओं के होने के कारणों का विश्लेषण एसपीएडी में शामिल लोको पायलटों के गहन साक्षात्कार और विभिन्न साइको-मेट्रिक तकनीकों के माध्यम से किया गया है। मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से प्राप्त परिणाम यह दर्शाते हैं कि लोको पायलट के व्यक्तिगत, संगठनात्मक, आकस्मिक और स्वास्थ्य कारकों के कुसंयोजन के कारण सतर्कता की कमी होती है। इन कारकों का गहन विश्लेषण करने पर एसपीएडी के लिए जिम्मेदार कारणों की पहचान करने और यथासंभव इसकी पुनरावृत्ति कम करने में सहायता करने के उद्देश्य से इनके रोकथाम के उपायों को भारतीय रेल के परिप्रेक्ष्य में संरचित रूप से प्रस्तुत किया गया।

1. परिचय :

एसपीएडी को उस घटना के रूप में परिभाषित किया गया है जब कोई रेलगाड़ी बिना किसी अधिकार के खतरे वाले सिगनल को पार कर जाती है या जब रेलगाड़ी की गति स्टॉप इंडिकेशन के माध्यम से सिगनल के पार जाने हेतु प्रतिबंधित होती है और फिर भी रेलगाड़ी उससे गुजर जाती है। हालांकि कई एसपीएडी में नुकसान पहुँचने की बहुत कम या कोई संभावना नहीं होती है, क्योंकि वे दूरी या ब्रेकिंग क्षमता के मामूली गलत निर्णयों के परिणामस्वरूप होते हैं, या वे शंटिंग ऑपरेशन के दौरान कम गति पर होते हैं, फिर भी इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह अधिकांश की पूर्ण उपेक्षा के कारण होता है। एसपीएडी एक चिंता का विषय है और इसे ड्राइवर की ओर से एक गंभीर चूक माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रेलगाड़ी चलाने का काम आम तौर पर एक नियमित कार्य होता है, स्टेशनों पर रुकने तथा रेलपथ के सेक्शनों पर यात्रा करने जैसे कार्य नियमित कार्य होते हैं। परिचित परिवेश और क्रियाओं का सुव्यवस्थित क्रम ड्राइवर की ओर से प्रयासपूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता को कम कर देता है जिससे कभी-कभी सतर्कता और चपलता की कमी हो सकती है जिसके परिणामस्वरूप ऐसी घटनाएं होती हैं।

एसपीएडी घटनाएं आम तौर पर ड्राइवरों की ओर से निर्णय त्रुटि का संकेतक होती हैं जो बदले में ऐसे कारकों के संयोजन के कारण हो सकती हैं जो ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं। इस प्रकार की त्रुटि को कौशल-आधारित चूक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जो आम तौर पर ट्रेन ड्राइविंग के काम जैसे नियमित क्रिया अनुक्रमों के दौरान होती है।

2. दुर्घटना के कारण में मानवीय विफलता के पहलू :

मानवीय विफलता को दो पहलुओं यानी त्रुटियों और उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

क) त्रुटि :

प्रत्येक मनुष्य, ज्ञान, अनुभव या प्रशिक्षण की परवाह किए बिना, किसी न किसी समय विभिन्न कारकों के आधार पर त्रुटि करता है। चूंकि एसपीएडी घटनाएं विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले कई कारकों के परस्पर क्रिया का परिणाम होती हैं, आमतौर पर कारणों की एक शृंखला होती है, और यह एक वस्तुनिष्ठ खोज प्रक्रिया के बजाय किसी दुर्घटना को मानवीय त्रुटि के लिए जिम्मेदार ठहराने के सामाजिक निर्णय का परिणाम है। त्रुटि को सामाजिक-तकनीकी प्रणाली के भीतर बेमेल स्थितियों का परिणाम माना जाना चाहिए। इसके अलावा, गतिशील वातावरण में, व्यक्ति के इतिहास और संदर्भ को ध्यान में रखे बिना मानव व्यवहार को त्रुटि नहीं कहा जा सकता है। किसी त्रुटि को परिभाषित करने के लिए उस विशेष समय पर उपलब्ध कार्य आवश्यकताओं और संसाधनों के साथ सभी व्यवहारों और बातचीत के तरीकों पर एक साथ विचार किया जाना चाहिए।

हाल के वर्षों में, त्रुटि को कारण के बजाय लक्षण मानने पर आम सहमति दिखाई दी है। मनोवैज्ञानिक मानवीय त्रुटि को किसी

अप्रत्याशित घटना के हस्तक्षेप के बिना वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए नियोजित कार्रवाई की विफलता के रूप में परिभाषित करते हैं (लेप्लेट, 1985; रीजन, 1990)।

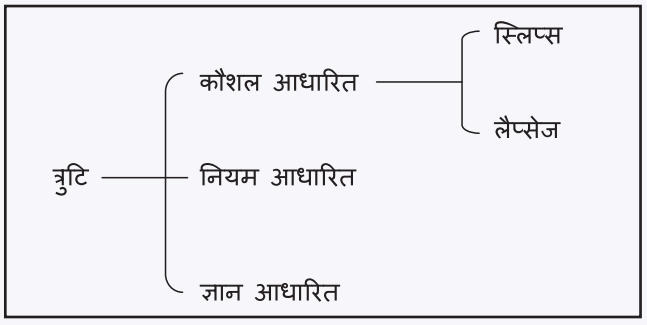
तकनीकी दृष्टिकोण के सम्बन्ध में, जो त्रुटि को किसी नियम या मानक के उल्लंघन के रूप में परिभाषित करता है, और चूंकि मनुष्य स्वेच्छा से एक निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन कर सकता है, इसे संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक द्वारा त्रुटि नहीं माना जाएगा (रीजन, 1990)।

संज्ञानात्मक विज्ञान के विकास से प्रभावित होकर, मनोवैज्ञानिक मानव विफलता के लिए जिम्मेदार अधिक सामान्य त्रुटि प्रकारों की खोज करने के प्रयास में आगे बढ़े हैं। कार्रवाई की पदानुक्रमित संरचना की अवधारणा का उपयोग पहली बार रासमुसेन (1982) द्वारा क्षेत्र में त्रुटियों का विश्लेषण करने के लिए किया गया था। रीजन (1982बी) ने एक वर्गीकरण विकसित किया जो कौशल-आधारित, नियम-आधारित और ज्ञान-आधारित त्रुटियों के बीच अंतर करता है।

कौशल-आधारित स्तर पर जब कोई नियमित, अत्यधिक अभ्यास वाले कार्यों को स्वचालित तरीके से करता है, स्लिप्स एवं लैप्सेज तब होते हैं जब कार्य योजना के अनुसार विफल हो जाते हैं लेकिन योजना पर्याप्त होती है। स्लिप्स अधिक देखने योग्य क्रियाएं हैं जबकि लैप्सेज अधिक आंतरिक घटनाएं हैं।

नियम-आधारित स्तर पर, जब हम 'यदि-तब' प्रकार के सीखे हुए नियमों को लागू करते हैं, तो गलतियाँ तब हो सकती हैं जब योजनाओं के असाइनमेंट में गलत निर्णय लिए जाते हैं, यानी अच्छे नियमों का गलत उपयोग, बुरे नियमों का अनुप्रयोग या अच्छे नियमों को लागू करने में विफलता। .

ज्ञान-आधारित स्तर पर, जब हम पहले से मौजूद समाधानों की विफलता के बाद धीमी और प्रयासशील सोच का सहारा लेते हैं, तो कार्यों से जुड़े तथ्यों और इन कार्यों को पूरा करने के उपकरणों के बारे में ज्ञान की कमी होने पर गलतियाँ हो सकती हैं। त्रुटियाँ अक्सर इसलिए होती हैं क्योंकि सूचना प्रसंस्करण क्षमता सीमित है।



चित्र 1. मानवीय त्रुटि का वर्गीकरण

ख) उल्लंघन :

मानवीय त्रुटि के साथ-साथ, उल्लंघन भी मानवीय विफलताओं का एक महत्त्वपूर्ण पहलू है जिसके परिणामस्वरूप घटनाएँ या दुर्घटनाएँ हो भी सकती हैं और नहीं भी। त्रुटियों में प्रदर्शन हानि शामिल होती है (उदाहरण के लिए इच्छित लक्ष्य प्राप्त नहीं किए गए हैं), लेकिन किसी दिए गए स्थिति के लिए अनजाने में अनुचित कार्यों का परिणाम होता है। उल्लंघन नियमों, प्रक्रियाओं, निर्देशों या विनियमों से जानबूझकर किया गया विचलन है जो सुरक्षित और कुशल संचालन और उपकरण अनुरक्षण के लिए मौजूद हैं। उल्लंघन के लिए विचार करने का सबसे महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि कार्य जानबूझकर किया जाना चाहिए जहाँ कोई व्यक्ति जानबूझकर शॉर्टकट अपनाता है, विफल करता है या सुरक्षा नियमों को लागू नहीं करता है।

उल्लंघनों के परिणामस्वरूप हमेशा प्रदर्शन त्रुटि नहीं हो सकती है, लेकिन वे आसन्न खतरे और घटनाओं या दुर्घटनाओं की संभावना के संकेत के रूप में कार्य करते हैं। उल्लंघन कई कारणों से हो सकते हैं, उदाहरण के लिए, खराब डिज़ाइन की गई प्रणालियाँ/प्रक्रियाएँ/समय का दबाव, परस्पर विरोधी उद्देश्य, नियम तोड़ने की स्वीकृति, खराब सुरक्षा संस्कृति, व्यक्तिगत कारण आदि।

जबकि उल्लंघन सुरक्षित अभ्यास से अनजाने विचलन के बजाय जानबूझकर होते हैं, अधिकांश उल्लंघन कार्य जारी रखने और/या कम समय में कार्य पूरा करने की इच्छा से प्रेरित होते हैं। बहुत कम ही वे तोड़फोड़ या बर्बरता के द्वेषपूर्ण कृत्य करते हैं।

किसी त्रुटि और उल्लंघन के बीच अंतर स्थापित करना अक्सर कठिन होता है। यह तय करते समय कि क्या कोई कार्य उल्लंघन का विषय हो सकता है, उपलब्ध कार्य जानकारी और विषय वस्तु विशेषज्ञों (एसएमई), जैसे स्वयं लोको पायलट और लोको इंस्पेक्टर आदि की विशेषज्ञ राय पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

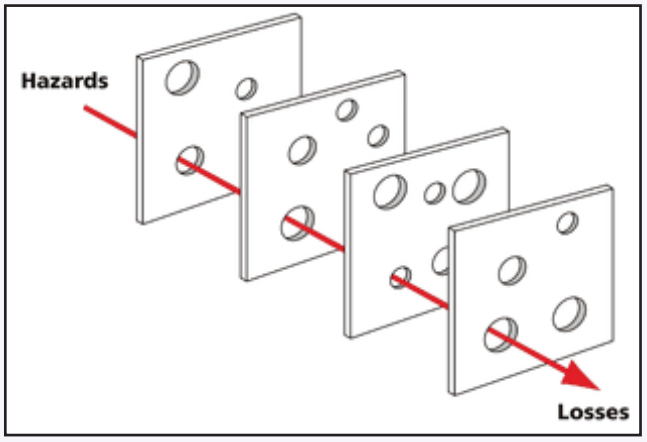
3. दुर्घटना के कारण का मॉडल

चूंकि एसपीएडी की घटनाओं या उस मामले के लिए किसी भी दुर्घटना के कारण को अलग से नहीं देखा जा सकता है या इसे एक विशेष त्रुटि के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, जेम्स रीजन द्वारा दी गई दुर्घटना कारण की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है जिसे दुर्घटना कारण के स्विस चीज मॉडल के रूप में जाना जाता है।

स्विस चीज मॉडल दर्शाता है कि, हालांकि खतरों और दुर्घटनाओं के बीच रक्षा की कई परतें होती हैं, लेकिन प्रत्येक परत में खामियां होती हैं, जिन्हें यदि सरेखित किया जाए, तो दुर्घटना घटित हो सकती है।

रीजन ने अनुमान लगाया कि अधिकांश दुर्घटनाओं का पता चार विफलता डोमेन में से एक या अधिक से लगाया जा सकता है: संगठनात्मक प्रभाव, पर्यवेक्षण, पूर्व शर्तें और विशिष्ट कार्य। उदाहरण के लिए, रेलवे में, असुरक्षित कार्यों के लिए पूर्व शर्तों में थका हुआ चालक दल या अनुचित संचार व्यवस्थाएं शामिल हैं। संगठनात्मक प्रभावों में काम का अनुचित वितरण या रेलगाड़ी का संचालन करने वाले चालक दल के लिए अत्यधिक काम का बोझ जैसी चीजें शामिल हैं। लगातार शिफ्ट कार्यों के परिणामस्वरूप थका हुआ

चालक दल भी सुरक्षित ड्राइविंग के लिए खतरा पैदा कर सकता है।



रीजन के स्विस चीज मॉडल की दुर्घटना का कारण

स्विस चीज मॉडल में, विफलता के खिलाफ एक संगठन की सुरक्षा को बाधाओं की एक शृंखला के रूप में तैयार किया जाता है, जिसे चीज के स्लाइस के रूप में दर्शाया जाता है। स्लाइस में छेद सिस्टम के अलग-अलग हिस्सों में कमजोरियों का प्रतिनिधित्व करते हैं और स्लाइस में आकार और स्थिति में लगातार भिन्न होते हैं। सिस्टम विफलता उत्पन्न करता है जब प्रत्येक स्लाइस में एक छेद क्षण भर के लिए संरेखित हो जाता है, जिससे (रीजन के शब्दों में) ''दुर्घटना के अवसर का एक प्रक्षेपवक्र'' हो जाता है, जिससे कि एक खतरा सभी स्लाइस में छेद से होकर गुजरता है, जिससे विफलता होती है।

मॉडल में सक्रिय और निष्क्रिय दोनों विफलताएँ शामिल हैं। सक्रिय विफलताओं में असुरक्षित कार्य शामिल हैं जिन्हें सीधे किसी दुर्घटना से जोड़ा जा सकता है। निष्क्रिय विफलताओं में सहायक कारक शामिल होते हैं जो दुर्घटना में योगदान देने तक दिनों, हफ्तों या महीनों तक निष्क्रिय रह सकते हैं। निष्क्रिय विफलताएँ रीजन मॉडल में विफलता के पहले तीन डोमेन तक फैली हुई हैं।

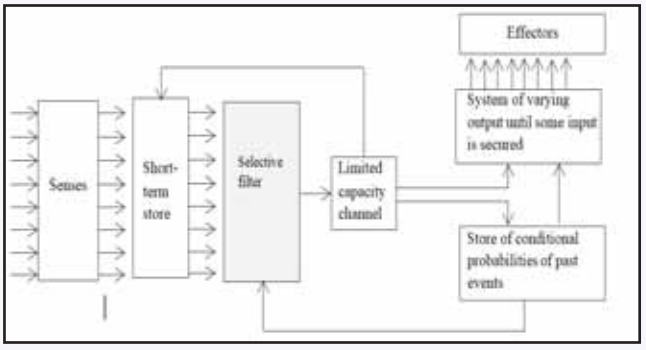
4. एसपीएडी के संभावित कारण

एसपीएडी के कारणों में सबसे महत्त्वपूर्ण और निर्णायक कारण सतर्कता की कमी है। वास्तव में, शोध में लगातार पाया गया है कि प्रदर्शन किए जा रहे कार्य के आधार पर पहले 20-35 मिनट में सतर्कता (परसुरामन, 1986; क्रेग, 1985), प्रत्याशाओं या आने वाली सूचनाओं को फिल्टर करने सहित संज्ञानात्मक मुद्दे में कमी आती है। अन्य अध्ययनों ने अनुभव के प्रभावों (बिसेरेट, 1981); उम्र (डेविस और परसुरामन, 1981); शोर (हैनकॉक, 1984); अत्यधिक ठंड और गर्मी (डेविस और परसुरामन, 1981); दिन का समय (फोकर्ड एंड मॉन्क, 1985); और सतर्कता में कमी पर शराब (हॉर्न और गिबन्स, 1991) की जाँच की है। सतर्कता में शामिल मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को अवधान के सिद्धांतों के माध्यम से समझाया गया है।

अवधान के पूर्व सिद्धांतों का मानना था कि हम अप्राप्य चैनल के प्रसंस्करण को अवरुद्ध करने के लिए कदम उठाते हैं अर्थात् हम उस जानकारी को बंद कर देते हैं जो हम नहीं चाहते हैं या हम एक फिल्टर लगाकर संभावित ध्यान भटकाने वालों से खुद को बचाते हैं और वांछित जानकारी फिल्टर नहीं की जाती है, जिससे आगे की प्रक्रिया(ब्रॉडबेंट, 1958) प्राप्त होती रहे। वर्तमान साक्ष्य बताते हैं कि हमारे पास ध्यान भटकाने वालों को रोकने की क्षमता है। इस तरह, हम ऐसी कार्रवाई कर सकते हैं जो विशेष रूप से अवांछित इनपुट के प्रसंस्करण (एंडरसन और स्पेलमैन, 1995; मिलिकेन और टिपर, 1998; रीसबर्ग, बैरन और केम्बलर, 1980) को अवरुद्ध करती है। अन्य सबूत बताते हैं कि फिल्टरिंग ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो, हम वांछित उत्तेजनाओं के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने में भी सक्षम हैं।

इनअटेनशनल ब्लाइंडनेस की परिघटना (मैक एंड रॉक, 1998) सुझाती है कि यदि कोई व्यक्ति उत्तेजनाओं के प्रति सचेत नहीं है, तो उन्हें देखने या समझने में विफलता होती है।

अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि लक्ष्य तभी दिखाई देते हैं जब कोई उनके प्रति सावधान हो "कोई धारणा नहीं है, अधिक सटीक रूप से, कोई सचेत धारणा नहीं है ध्यान दें या सतर्क रहें"। दूसरे शब्दों में, ध्यान या सतर्कता के अभाव में वांछित उत्तेजनाओं की कोई अनुभूति नहीं होती है। इसके अतिरिक्त, मनुष्य-जाति उत्तेजना का 'निष्क्रिय डिटेक्टर' नहीं हैं, हम जो देखते हैं उसका विश्लेषण और व्याख्या करते हैं, तथा यह अवांछित उत्तेजना को रोकने और वांछित उत्तेजना को को बढ़ावा देने की आवश्यकता (रेनसिंक, ओशरेगन और क्लार्क, 1997) है।



सूचना प्रवाह आरेख

सतर्कता स्तर में कमी कई कारकों के कारण होती है, जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं-

अ) विभिन्न अध्ययनों के माध्यम से तनाव को सतर्कता स्तर में कमी के एक प्रमुख कारणों के रूप में पहचाना गया है। किसी व्यक्ति की शारीरिक या मनोवैज्ञानिक संयोजन हेतु तनाव को वास्तविक या व्याख्यायित खतरे के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक और/या व्यवहारिक प्रतिक्रियाओं (मैकएवेन 2000), के साथ तनाव की क्रोनिक और तीव्र अलग-अलग

प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न होती हैं। तनाव से अवधान निरंतरता कार्य प्रदर्शन (हैनकॉक और वार्म, 2003) प्रभावित होता है। तनाव के आधुनिक सिद्धांत अनिवार्य रूप से तर्क देते हैं कि लोग तनाव का अनुभव केवल तब करेंगे यदि वे महसूस करते हैं कि उनके पास मौजूद संसाधनों की तुलना में माँगें अधिक हैं, जिनका इन्हे सामना करना है।

इसका अर्थ यह है कि जब दो लोग बिल्कुल समान कार्य-स्थितियों में होते हैं, एक को तनाव का अनुभव हो सकता है, जबकि दूसरे को नहीं। भिन्न-भिन्न अनुभवों के कारणों का निर्धारण ऐसी वास्तविक स्थिति से नहीं, बल्कि उस स्थिति के विषय में व्यक्ति-विशेष के दृष्टिकोण (अर्थात् जो माँगें की जा रही हैं)। और उन माँगों को पूर्ण कर पाने की उनकी क्षमता (उनकी क्षमता कौशल, अनुभव, समय, समर्थन, बौद्धिक/भावनात्मक क्षमता, अन्य समझौते आदि) पर उनके दृष्टिकोण से होता है।

जिन स्थितियों और दबावों के कारण तनाव होता है, उन्हें तनाव कारक कहा जाता है। तनाव कारकों को आमतौर पर नकारात्मक होना माना जाता है, जैसे कि लोको पायलटों के मामले में थका देने वाला कार्य शेड्यूल। कार्यस्थल पर कुछ स्थापित तनाव कारक जैसे-शारीरिक तनाव (उदा.-शोर, कंपन, भीड़, अपर्याप्त रोशनी/वेंटिलेशन, गर्मी, आदि), दुर्घटना/घटना का इतिहास, कुछ बदलाव पैटर्न, कार्यभार (अधिभार और अंडरलोड), समय का दबाव, संगठनात्मक संस्कृति, खराब टीम वर्किंग, एकरसता, अत्यधिक जटिलता, नौकरी की असुरक्षा; करियर में प्रगति की कमी; कम महत्त्व महसूस करना, नियंत्रण की कमी, उत्पीड़न, खराब रिश्ते सहकर्मी/पर्यवेक्षक/वरिष्ठ प्रबंधन, आदि और व्यक्तिगत परिस्थितियाँ, जैसे पारिवारिक/वित्तीय समस्याएँ या जीवन की घटनाएँ जैसे विवाह, तलाक, घर स्थानांतरण, जन्म, शोक, आदि।

यह देखते हुए कि लोको पायलट अधिकांश समय एकाकी रहते हैं, इस समस्या के निवारण हेतु इस मुद्दों पर उनका ध्यान केंद्रित करेगा। तनाव का सामान्य प्रभाव किसी व्यक्ति के उत्तेजना के स्तर या सामान्य सक्रियता को बढ़ाने के लिए होगा। उत्तेजना का स्तर स्कैनिंग पैटर्न को तथा व्यक्ति द्वारा किसी सूचना पर उसके दृष्टिकोण को प्रभावित करेगा। उदाहरण के लिए, एक ड्राइवर मार्ग के दौरान शांतिपूर्ण अवधि के दौरान, जब उसकी उत्तेजना का स्तर कम हो सकता है, वह उतनी तत्परता से यंत्रों को स्कैन नहीं करेगा, जबकि वह किसी स्टेशन के निकट पहुँचता है तो उपयोग करेगा, जब उत्तेजना का स्तर काफी ऊंचे स्तर पर होगा। उच्च तनाव और उत्तेजना की परिस्थितियों में नमूना दर में वृद्धि हो सकती है, लेकिन पैटर्न का नमूनाकरण उत्तेजनाओं की एक संकीर्ण सीमा तक कम हो जाएगा। इसके परिणामस्वरूप ध्यान को प्राथमिक कार्य (उदाहरण के लिए 'ध्यान को सीमित करना') तक सीमित कर दिया जाता है। यह आपातकालीन स्थिति में एक ऑपरेटर द्वारा आवश्यक महत्त्वपूर्ण जानकारी को नजरअंदाज किए जाने की अवांछनीय स्थिति उत्पन्न कर सकती है क्योंकि उसकी तनाव प्रतिक्रिया स्थिति के कारण उनका ध्यान प्राथमिक स्रोत तक ही सीमित रह गया। हालाँकि कार्यस्थल पर कुछ तनाव सामान्य है, अत्यधिक तनाव किसी की उत्पादकता और प्रदर्शन के साथ, किसी के शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर प्रभाव, और किसी के रिश्तों और घरेलू जीवन को प्रभावित करता है। यहाँ तक कि यह कार्य में सफलता और असफलता के बीच के अंतर को भी प्रभावित कर सकता है।

ख) नींद और आराम : सतर्कता पर प्रभाव डालते हैं। नींद की कमी के नकारात्मक प्रभाव सतर्कता और संज्ञानात्मक प्रदर्शन मस्तिष्क गतिविधि और कार्य-शैली, मुख्य रूप से थैलेमस में, एक उप-कॉर्टिकल संरचना एक क्षेत्र जो सतर्कता, ध्यान और उच्च-क्रम की संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ और प्रदर्शन भी संबंधित है, में गिरावट को सूचित करते हैं।

अपर्याप्त नींद से संज्ञानात्मक प्रदर्शन में विशेष रूप से ड्राइविंग जैसे जटिल कार्य जिसमें सूचना प्रसंस्करण, निर्णय-क्षमता और निर्णय के अनुरूप कार्य करने में कमी आती है

ग) शिफ्ट में काम और जीवनशैली के मुद्दे : जब शरीर की प्राकृतिक घड़ी बाधित हो जाती है, तब शिफ्ट में काम करने से समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सतर्कता में ज्ञात उच्चता और निम्नता के साथ काम या नींद के पैटर्न में संघर्ष होता है। मनुष्य को भोर में जागने तथा शाम को अंधेरा होने पर सो जाने के अनुरूप संरचित किया गया है।

शिफ्ट-कार्य नींद की समस्या, अक्सर श्रमिकों द्वारा उनके प्राकृतिक सर्कैडियन लय विपरीत शिफ्ट बदलने की आदत को जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसे दुर्घटना दर में वृद्धि से, बीमारी के कारण काम से बढ़ती अनुपस्थिति से तथा उत्पादकता दर में कमी (फोकार्ड और टकर, 2003) से जोड़ा गया है।

शिफ्ट में काम करने से अनिवार्य रूप से नींद की अवधि कम हो जाती है और नींद की अनियमितता, जिसका सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। पहले तो, जैसे-जैसे थकान बढ़ती है, व्यक्ति में अनायास सो जाने की संभावना अधिक हो जाती है तथा इसलिए सुरक्षा से समझौता होता है।

जैसा कि ऊपर कहा गया है, दूसरे, उच्च थकान के स्तर के परिणामस्वरूप प्रदर्शन, निर्णय लेने और निर्णय करने की क्षमता प्रभावित होने की संभावना है।

इसके अलावा, थके हुए व्यक्तियों में ध्यान में चूक, जहाँ ड्राइवर द्वारा संकेत को पहचानने में कि वह क्या है, में विफल होने या इसका उचित रूप से जवाब देने में, विफल होने की अधिक संभावना होती है।

घ) स्थितिजन्य जागरुकता : रेलवे द्वारा कई एसपीएडी निरीक्षणों में बताया गया है कि ड्राइवर 'एकाग्रता खो रहे हैं' और जानकारी पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण कई एसपीएडी घटनाएं हुई हैं। ड्राइवर का ध्यान और जागरुकता बढ़ाने हेतु तरीके विकसित करना, इस समस्या से निपटने का एक महत्त्वपूर्ण तत्व है। यह समझना कि ड्राइवर, उनके आसपास जो हो रहा है उसे कैसे देखते हैं, समझते हैं और भविष्यवाणी करते हैं। यही ड्राईवर की निर्णय लेने में क्षमता को सुनिश्चित करने की सर्वोत्तम प्रविधि हैं। स्थिति जागरुकता की अवधारणा यह समझने के लिए होती है कि ड्राइवर

मार्ग का ज्ञान कैसे प्राप्त करते हैं तथा ट्रेन चलाते समय जानकारी का प्रयोग किस प्रकार करते है। विमान पायलट और फॉर्मूला-1 ड्राइवर, जहाँ उत्कृष्ट विश्वसनीयता और नियंत्रण आवश्यक है, को प्रदर्शन में सुधार हेतु इस प्रकार प्रशिक्षित और अभ्यासित किया जाता है कि उनकी स्थिति जागरुकता में सुधार हो।

यह समझना कि सिग्नलिंग से जानकारी कैसे प्राप्त की जाती है और उसका उपयोग कैसे किया जाता है, कैब और अन्य स्रोत चेतावनियाँ, समस्याओं से निपटने में मदद करने के लिए पहला कदम है, जहाँ ड्राइवरों का ध्यान भटक जाता है। साक्ष्य इंगित करते हैं कि जो उच्च स्तर पर जागरुक हैं, वे, उनके आस-पास क्या हो रहा है तथा क्या खतरा हो सकता है, बेहतर ढंग से अनुमान लगा सकते हैं। क्या घटित हो सकता है, का अनुमान लगा सकने की क्षमता जोखिम बोध में सुधार करती है तथा पेशेवर ड्राइविंग का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है तथा नियंत्रण में महसूस करती है। स्थिति के प्रति उच्च-स्तर के जागरुक होने को प्रशिक्षित किया जा सकता है और एक अच्छे ड्राइवर को एक उत्कृष्ट ड्राइवर में बदल सकता है। यह अनुमान लगाना कि क्या होने वाला है और निर्णय लेने के लिए काफी प्रयास की आवश्यकता होती है। यह पर्याप्त नहीं है कि क्या हो सकता है इसके बारे में अपनी अपेक्षाओं का उपयोग करें; किसी को अधिक ध्यान से देखने की जरूरत है, प्रश्न यह है कि एक जो देख रहा है उसके सभी कारणों पर विचार करें और क्या करना है यह तय करने के लिए निरीक्षणों को संयोजित करें।

ड़) प्रेरणा भी ध्यान को प्रभावित करती है जैसा कि अध्ययनों से पता चला है जो लोग पर्यावरण के प्रति बेपरवाह या उदासीन हैं, वे उच्च प्रेरणा वाले लोगों की तरह सतर्क नहीं होंगे। प्रदर्शन के लिए उच्च वित्तीय पुरस्कार के साथ एक कार्य करने से ध्यान प्रणाली मजबूत होगी व प्रदर्शन व निष्पादन हेतु कोई स्पष्ट पुरस्कार नहीं होने से एक समान कार्य करने की तुलना में लंबी अवधि के साथ काम करेगी। वैचारिक रूप से, प्रयास (काह्नमन, 1973) और प्रेरणा संबंधित हैं।

5. निदेशालय द्वारा स्पेड पर किए गए अध्ययन और उनके निष्कर्ष:

निदेशालय द्वारा स्पेड पर कई अध्ययन किए गए हैं। निदेशालय द्वारा स्पेड पर किए गए पहले अध्ययनों में से एक में, (1971-73 के दौरान खतरे के सिग्नल को पार करने वाले पश्चिमी और मध्य रेलवे ड्राइवरों का एक व्यक्तित्व अध्ययन-एक नैदानिक दृष्टिकोण) मनोवैज्ञानिक कमियों का पता लगाने के लिए एक नैदानिक दृष्टिकोण के साथ व्यक्तित्व प्रोफाइलिंग की गई थी और ट्रेन ड्राइवरों को उनके कार्य मैट्रिक्स में जकड़ने वाली गलत-समायोजित प्रतिक्रियाओं ने ऐसी घटनाओं के लिए अग्रणी विभिन्न कारकों की पहचान की गई। स्पेड में शामिल विशिष्ट व्यक्तियों को लक्षित करने वाले व्यक्तिगत कारकों के सम्बन्ध में, यह पाया गया कि मजबूत प्रतिरोध, चिंता, अवसाद, कमजोर अहंकार-सामर्थ असुरक्षित ड्राइवरों के सभी व्यक्तित्व लक्षण हैं यह भी पाया गया है कि व्यक्तित्व और मनोविक्षुब्ध विकारों वाले रोगियों में दुर्घटनाओं की दर अधिक थी। यह भी देखा गया कि ड्राइवर या तो अर्द्ध-साक्षर थे या उनके पास अपर्याप्त शिक्षा थी जिसके परिणामस्वरूप अपर्याप्तता की भावनाएँ नकारात्मक रवैये और पर्यवेक्षकों के कठोर व्यवहार के साथ विक्षिप्त व्यवहार, मानसिक तनाव, अवसाद और भावनात्मक अस्थिरता के लक्षण पैदा करती थीं-कर्त्तव्यों के सुरक्षित एवं कुशल निर्वहन में ऐसी मानसिक अवस्था अवांछनीय है।

ऐसा प्रतीत होता है कि उम्र भी उनकी मानसिक क्षमताओं को और खराब करने और चूक के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

एक अन्य अध्ययन (स्पेड में शामिल सहायक लोको पायलट का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन) में व्यक्तिगत और मनोवैज्ञानिक कारकों के साथ-साथ पर्यावरणीय कारकों का भी मूल्यांकन किया गया। यह देखा गया कि स्पेड में शामिल 85% ड्राइवर अपने बच्चों की स्कूली शिक्षा, अपने परिवार की सुरक्षा के साथ-साथ अपने पति या पत्नी और माता-पिता के स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों से संबंधित पारिवारिक देनदारियों को लेकर चिंतित थे।

स्पेड की घटना के लिए मौसम और समय को भी महत्त्वपूर्ण कारक पाया गया क्योंकि यह देखा गया कि सर्दियों में घने कोहरे के कारण अधिकतम घटनाएं हुईं।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि स्पेड के सबसे अधिक मामले सुबह के समय सामने आए और इसके पीछे का कारण थकान, एकाग्रता की कमी, नींद की कमी और सुबह की मतली हो सकती है।

इसके अलावा रेलगाड़ी को समय पर चलाने का मनोवैज्ञानिक दबाव भी होता है जो ध्यान और एकाग्रता को प्रभावित करता है जिससे त्रुटियां होती हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि काम का अधिभार भी ऐसी घटनाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। काम का तब अत्यधिक भार होता है जब नौकरी की माँग मानवीय सीमा से अधिक हो जाती है और लोगों को बहुत कम समय में, बहुत कम संसाधनों के साथ बहुत अधिक काम करना पड़ता है। काम का अधिभार एक पुरानी स्थिति है। जब कभी-कभार होने वाली आपात स्थिति नहीं होती है तो ठीक होने, आराम करने और संतुलन बहाल करने का बहुत कम अवसर होता है जो बदले में न केवल काम की मात्रा बल्कि काम करने की क्षमता से भी संबंधित होता है।

निदेशालय द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययनों में, स्पेड मुक्त और स्पेड से जुड़े एलपी/एएलपी के बीच संज्ञानात्मक (ध्यान, धारणा और सतर्कता क्षमताओं), साइको-मोटर, न्यूरोसाइकोलॉजिकल और व्यक्तित्व क्षेत्र पर तुलनात्मक विश्लेषण किया गया।

अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि स्पेड मुक्त ड्राइवर संज्ञानात्मक (गति, अवदाहरणा,सतर्कता) और न्यूरोसाइकोलॉजिकल क्षमताओं में बेहतर हैं। साइको-मोटर और धारणा क्षमताओं के मामले में स्पेड में शामिल ड्राइवरों ने संतोषजनक प्रदर्शन किया है। चयनात्मक ध्यान देने की क्षमता पर स्पेड मुक्त और स्पेड में शामिल

ड्राइवरों में समान स्तर की क्षमताएं पाई गईं, जिससे पता चलता है कि सतर्कता की क्षणिक कमी और अन्य प्रासंगिक बाहरी कारकों के कारण, स्पेड हुआ न कि संज्ञानात्मक, मनोवैज्ञानिक अक्षमताओं के कारण साइको मोटर या न्यूरोसाइकोलॉजिकल स्तर के अध्ययन से यह भी पता चला कि धारणा, चयनात्मक ध्यान और सतर्कता सहित संज्ञानात्मक क्षमताओं के परीक्षणों सहित भावनात्मक स्थिरता, कर्त्तव्यनिष्ठा और खुलेपन के व्यक्तित्व डोमेन के बीच एक सकारात्मक सहसम्बन्ध मौजूद है।

6. भारतीय रेल के संदर्भ में हाल ही में किए गए अध्ययन के आधार पर स्पेड के कारण:

स्पेड में शामिल एलपी/एएलपी पर किए गए परीक्षणों के आधार पर गहन विश्लेषण से पता चला है कि ऐसी घटनाओं का कारण संगठनात्मक, व्यक्तिगत, स्वास्थ्य और आकस्मिक कारकों का संयोजन है जैसा कि नीचे दिए गए आंकड़े में दिखाया गया है।

क) संगठनात्मक कारक : इनमें सुरक्षा मार्जिन का प्रबंधन, कर्मचारियों की कमी, परिचालन सम्बन्धी अनिवार्यताएं, प्रशिक्षण और संचार, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और चालक दल के बीच टीम वर्क की कमी जैसे विभिन्न मुद्दे शामिल हैं। सुरक्षा प्रबंधन में ट्रेन के सुरक्षित संचालन में सीधे शामिल प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका और जिम्मेदारियाँ शामिल हैं। पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक व्यक्ति को सौंपा गया कार्य पूरी कुशलता से किया जाए ताकि सुरक्षा पहलुओं पर कोई समझौता न हो।

ख) व्यक्तिगत कारक : कुछ व्यक्तिगत मुद्दे भी तनाव के कारण उन्हें अपने कर्त्तव्यों से विचलित कर देते हैं। कभी-कभी उन्हें समस्याओं के समाधान के लिए छुट्टी की आवश्यकता होती है लेकिन कर्मचारियों की कमी के कारण छुट्टी नहीं मिलती है। इससे भावनात्मक अशांति हो सकती है क्योंकि उनका व्यक्तिगत लक्ष्य हासिल नहीं हो पाता है और कर्त्तव्यों के दौरान ध्यान की कमी का कारण हो सकता है क्योंकि उनका दिमाग व्यस्त रहता है। अति आत्मविश्वासी होना जैसे व्यक्तित्व लक्षण भी लोको पायलट के लिए बहुत हानिकारक होते हैं क्योंकि वे हर बार तथ्यों की जाँच नहीं करते हैं और धारणाओं के साथ चलते हैं। ऐसा परिचित मार्गों से संबंधित प्रत्याशा के कारण होता है जो पिछले अनुभवों के आधार पर एक मानसिक मॉडल बनाता है व ड्राइवरों को सिग्नल या उसके प्लेसमेंट के पहलुओं में किसी भी बदलाव को नोटिस करने में विफल कर देता है। भावनात्मक स्थिरता, खुलापन और कर्त्तव्यनिष्ठा जैसे कुछ व्यक्तित्व कारक काम पर बेहतर प्रदर्शन में सहायक होते हैं

ग) स्वास्थ्य कारक : इसमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्वास्थ्य मुद्दे शामिल हैं जो सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। कई बार लोको पायलटों के कार्य के घंटे सीमा से अधिक खिंच जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप थकान, नींद की कमी और तनाव होता है। साथ ही तनाव, चिंता, अवसाद आदि जैसे मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दे उनकी चौकसी को प्रभावित करते हैं, जिससे मधुमेह, रक्तचाप आदि जैसी जीवनशैली सम्बन्धी बीमारियाँ होती हैं, जिससे कर्त्तव्यों के



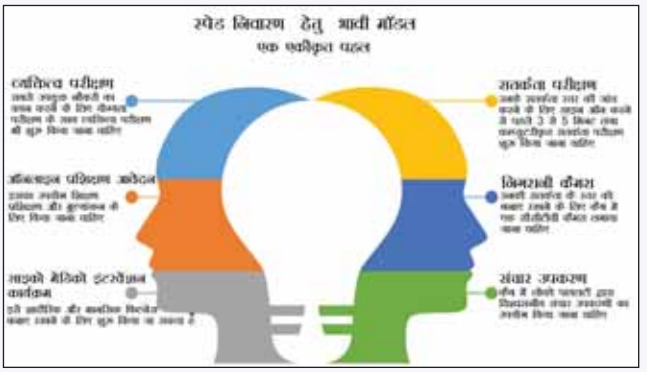
चित्र नं. 4

दौरान उनकी आवश्यक सतर्कता और सावधानी में बाधा आती है और सतर्कता की क्षणिक कमी हो जाती है। दवा, ड्रग्स या अल्कोहल का प्रभाव भी कार्य को सुरक्षा के साथ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

घ) आकस्मिक कारक : इनमें श्रव्य, दृश्य या मानसिक विकर्षण शामिल हैं जो ट्रेन चलाते समय आम हैं लेकिन कभी-कभी रेलगाड़ी की सुरक्षा से संबंधित घटनाओं का कारण बन सकते हैं। गैर-मानक स्थान के कारण सिग्नल का गलत निर्धारण भी एक ऐसा कारक है जहाँ ड्राइवर अपनी ट्रेन के लिए सिग्नल पहलू मानता है जबकि यह वास्तव में आसन्न रेलपथ पर रेलगाड़ी के लिए होता है और स्पेड की ओर जाता है।

इन सभी चार कारकों के प्रभावी प्रबंधन से भारतीय रेल के संदर्भ में स्पेड को काफी हद तक रोका जा सकता है।

7. स्पेड घटनाओं के शमन के लिए हस्तक्षेप तकनीक : अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर एक भविष्यवादी मॉडल भी हस्तक्षेप तकनीकों के रूप में विकसित किया गया था जिसमें छह प्रासंगिक सुझाव शामिल थे जैसा कि नीचे दिखाया गया है:



उपरोक्त सभी हस्तक्षेप तकनीकों को निम्नानुसार संक्षेपित किया जा सकता है :

- सबसे उपयुक्त नौकरी का चयन करने के लिए अभिरुचि टेस्ट

के साथ एक व्यक्तित्व परीक्षण भी शुरू किया जाना चाहिए।

- लोको पायलटों के सीखने, प्रशिक्षण और मूल्यांकन के लिए एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जा सकता है।
- शारीरिक और मानसिक फिटनेस बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल में साइको और मेडिको हस्तक्षेप कार्यक्रम को शामिल किया जाना चाहिए।
- चालक दल के अंदर जाने से पहले लॉबी में 03 से 05 मिनट की अवधि का कम्प्यूटरीकृत सतर्कता परीक्षण शुरू किया जाना चाहिए।
- चालक दल के सदस्यों द्वारा विश्वसनीय संचार उपकरण का उपयोग किया जाना चाहिए।
- लोको पायलट की सतर्कता के स्तर को बनाए रखने के लिए कैब में एक सीसीटीवी कैमरा लगाया जाना चाहिए।

घटनाओं के घटित होने में योगदान देने वाले विभिन्न जोखिम कारकों की उचित देखभाल करने से एसपीएडी मामलों को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, यदि उपर्युक्त हस्तक्षेप तकनीकों को लागू किया जाता है तो एसपीएडी मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है जो अंततः भारतीय रेल में सुरक्षा प्रदर्शन को अधिकतम करेगा।

सन्दर्भ :

1. एंडरसन नील, ओन्स एस. डेनिजन, सिनांगिल केपिर हंडन और विश्वेश्वरन चोकलिंगम; औद्योगिक, कार्य और संगठनात्मक मनोविज्ञान की पुस्तिका, खंड-1 कार्मिक मनोविज्ञान; सेज प्रकाशन।
2. बैरन ए. रॉबर्ट, मिश्रा गिरीश्वर; मनोविज्ञान पियर्सन प्रकाशन।
3. ब्रॉडबेंट, 1958 परसेप्शन एंड कम्युनिकेशन लंदन: प्रीगैमन।
4. कैगियानो और परसुरामन, 2004; सतर्कता में कमी में स्मृति प्रतिनिधित्व की भूमिका।
5. कार्स्केडॉन, एम. ए. और डिमेंट, डब्ल्यू. सी. नींद की प्रवृत्ति पर कुल नींद की हानि का प्रभाव। अवधारणात्मक मोटर कौशल, 1979।
6. फिस्क, ए.डी., और श्नाइडर, डब्ल्यू. (1981)। निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता वाले कार्यों के दौरान नियंत्रण और स्वचालित प्रसंस्करण: सतर्कता के लिए एक नया दृष्टिकोण। मानव कारक।
7. गैलोटी एम. कैथलीन: प्रयोगशाला के अंदर और बाहर संज्ञानात्मक मनोविज्ञान।
8. हैनकॉक एंड वार्म, 2003; अत्यधिक वातावरण में मानव प्रदर्शन में तनाव और निरंतर ध्यान का एक गतिशील मॉडल।
9. पिल्चर जे जे, हफकट एआई। प्रदर्शन पर नींद की कमी का प्रभाव: एक मेटा-विश्लेषण। स्लीप। 1996.
10. व्हाइट नोलैंड जे., सिस्कारेली के. सौंद्रा मनोविज्ञान पियर्सन प्रकाशन।
11. मॉर्गन टी. क्लिफोर्ड, किंग ए. रिचर्ड; मनोविज्ञान का परिचय, मैकग्रा हिल।■

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

ऐतिहासिक विरासत विसापुर बाँध

श्री शिवाजी कदम
मंडल सरंक्षा अधिकारी, सोलापूर



विसापुर बाँध

सोलापुर मंडल का विसापुर स्टेशन कई ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षीदार रहा है। इस विभाग से ट्रेन से गुजरते समय कुछ पुराने अवशेष एवं विसापुर बाँध का चलती हुई ट्रेन से नजारा लिया जा सकता है। यह बाँध हंगा नदी पर बनाया गया है। वर्षा की दृष्टि से अहमदनगर जिला, श्रीगोंदा तहसील हमेशा ही सूखाग्रस्त रहा है।

श्रीगोंदा तहसील की औसत सालाना बारिश लगभग 500 मिलीमीटर है। सन 1899, 1911, 1918, 1920 की कालावधि में बारिश की कमी के कारण भयंकर अकाल था। निरंतर अकाल एवं नैसर्गिक आपदाओं और गरीबी के कारण यहाँ के कुछ भील, पारधी, जमाती में अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए कड़ा संघर्ष किया। सिंध प्रांत के हूर प्रजाति को ब्रिटिशों द्वारा अपराधी कौम घोषित किया गया था, उसी तर्ज पर इस इलाके में भी पारधी, भील प्रजाति को अपराधी कौम बताया गया।

लगभग सन 1896 में ब्रिटिशों द्वारा विसापुर बाँध का निर्माण कार्य शुरू किया गया। इस बाँध का कार्य 1927 में पूरा हुआ एवम् कैनॉल का निर्माण 1929 में पूरा हुआ। सन 1934 में ओवरफ्लो दीवारों की ऊँचाई 2 फिट बढ़ाकर बाँध की क्षमता बढ़ाई गई। इस मिट्टी के बाँध की लंबाई 2.25 km, ऊँचाई 26 mtr तथा जल धारण क्षमता 37631 मिलियन लीटर (1.3 TMC) है। इस बाँध की वजह से लगभग 26,000 एकड़ क्षेत्र की सिंचाई की जाती है जो इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य था। इस बांध के कारण आसपास के किसान आज संतोषजनक एवं खुशहाल जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं। उस वक्त इस बांध के निर्माण में ₹21 लाख का खर्चा आया था तथा 56 km लंबी कैनाल के लिए ₹19 लाख का खर्चा आया था।

दौंड से मनमाड सेक्शन जो कि सन 1878 में बना, इस रेल लाइन के कार्यनिर्माण के दौरान इन कैदियों की भरपूर मदद ली गई थी। इस सेमी घाट सेक्शन में मिट्टी का भराव डालने का महत्त्वपूर्ण कार्य इन लोगो के द्वारा किया गया था, जिसे आज भी 'कैदी भराव' के नाम से जाना जाता है। लगभग 145 साल पहले यह रेल लाइन बिछाने का कार्य किया गया, जिसे बहुत कल्पक तरीके से एवं समाज के बहिष्कृत लोगों के हाथों द्वारा निर्माण का कार्य किया गया था इससे स्थानिक लोगों को एक उपजीविका का साधन मिला।

इस निर्माण का महत्त्वपूर्ण पैलू एवं मनुष्य कंपा से संबंधित गदगद कर देने वाली सर्वकष जानकारी सामने आई जो यह बताती है की इसके निर्माण में स्थानिक लोगों के साथ-साथ जेल के कैदियों की भी मदद ली गई तथा जुर्म किए गये लोगों के हाथों से सेवा कराने का श्रेष्टतम कार्य जो एक वैधानिक एवं सृजनात्मक कार्य में उनको उपलब्ध कराया गया जो उस समय का महानतम कार्य आज प्रतित होता हैं। यहाँ से गुजरने वाले सभी रेल प्रवासी, सोलापूर रेल मंडल एवं स्थानिक लोग उन सभी कैदियों, पारधी एवं भील प्रजाति के प्रति निश्चित



बाँध के बारे में जानकारी देता फलक

रूप से हमेशा के लिए कृतज्ञ भावना को व्यक्त करना चाहेंगे, जिनके कारण ही यहां आज विसापुर, बेलवंडी, श्रीगोंदा आदि स्टेशनों का उचित तरीके से संचालन तथा स्थानिक किसानों को खुशहाल जीवन जीने में निश्चित ही सहायता मिली है। गत दिनों का संघर्ष आज सुख के चरमबिंदु पर विराजमान है।

विसापूर स्टेशन के समीप की जेल वर्तमान में एक ओपन जेल के तहत संचालित की जा रही है। जेल की क्षमता लगभग 100 कैदियों की है। यहां उन कैदियों को लाया जाता है जिनके रिकॉर्ड अच्छे होते हैं तथा जेल की अवधि शिक्षा की अवधि 2 से 4 साल बची



कनॉल के दरवाजे (Stone Structure)

होती है। वर्तमान में इन कैदियों द्वारा खेती का कार्य तथा कुछ स्वावलंबन से संबंधित कार्य किए जाते हैं जैसे कि कैंटीन, लॉन्ड्री आदि। यहां से निकलने वाली सब्जियां तथा अनाज येरवडा स्थित जेल के कैदियों के लिए भेजा जाता है तथा कुछ मात्रा स्थानिक बाजार में बेची जाती है। इसकी एक और विशेषता है कि यहाँ की खेती



विसापुर ओपन जेल

पूर्ण रूप से पर्यावरण अनुकूल यानि सेंद्रिय खेती है, जिसमें कीट नाशकों का एवं रासायनिक खाद आदि का प्रयोग वर्जित हं। असामाजिक तत्वों से धूमिल हुये मनुष्य को मनुष्यता की तरफ लाने का यह एक अत्यंत स्तुत्य उपक्रम महाराष्ट्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा है।

हाल ही में दिनांक 9 नवंबर 2023 को विसापुर से बेलवंडी 14 कि.मी. के सेक्शन के अप लाइन का कार्य संपादित हुआ। सोलापुर मंडल के दौंड मनमाड खंड का लगभग 57% दोहरीकरण का कार्य विद्युतीकरण के साथ पूरा हुआ। सीआरएस श्री मनोज अरोरा,



दिनांक 9 नवम्बर, 2023 को CRS द्वारा विसापुर बेलवंडी सेक्शन का गहन निरीक्षण कर नई लाइन को स्वीकृति दी गई।

डीआरएम सोलापूर श्री नीरज दोहरे, CAO श्री विवेक कुमार गुप्ता तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा इस कार्य को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से अंजाम दिया गया। CRS की विशेष ट्रेन का 123 केएमपीएच की गति से ट्रायल संपन्न हुआ, जो सफल रहा तथा नये से निर्माण सेक्शन को 90 केएमपीएच की गति से फिट दिया गया। 1878 की इस सिंगल लाइन को अगले वर्ष 2024 में विद्युतीकरण साथ पूरा होने की संभावना है तथा लगभग 146 साल बाद सोलापूर मंडल एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा हैं।■

सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ), लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से संबंधित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं, इनसे संपादक मंडल का सहमत होना जरूरी नहीं है। *–संपादक*

भारत की पहली बिजली रेलगाड़ी : गौरवपूर्ण 100वें वर्ष में प्रवेश

श्री विमलेश चन्द्र



विश्व रेलवे इतिहास में भाप इंजनों से चलने वाली रेलगाड़ियों के बाद डीजल और बिजली इंजनों से चलने वाली रेलगाड़ियों की शुरुआत एक क्रांतिकारी घटना थी। भारत में भी इस प्रकार की रेलगाड़ियाँ चलना एक एतिहासिक घटना थी। इसी घटना का दिनांक 3 फरवरी, 2024 को 100वें वर्ष में प्रवेश होगा और दिनांक 3 फरवरी, 2025 को 100 वर्ष पूरे होंगे।

विश्व में प्रथम बिजली रेलगाड़ी– विश्व का सबसे पहला बिजली रेल मार्ग दिनांक 31 मई, 1879 को बर्लिन में खोला गया था। जिसका उद्घाटन जर्मनी के ख्याति प्राप्त इंजीनियर तथा उद्योगपति वेर्नावान साइमन्स ने किया था। यह मात्र 300 मीटर लम्बा मीटर गेज रेल मार्ग था। इस इंजन को बर्लिन व्यापार प्रदर्शनी में वर्ष 1879 में प्रदर्शन हेतु रखा गया था। यह बिजली इंजन तीसरी रेल प्रणाली द्वारा बिजली सप्लाई लेता था। यह 07 कि.मी./घंटा की गति से 18 यात्रियों से भरे वैगन के साथ परिचालित हुआ था। इसके कुछ वर्ष बाद मैगनस वोल्क के नैरोगेज लाइन (610 मिमी. चौडाई वाली) 'ब्राइटन' द्वारा समुद्र के किनारे दिनांक 3 अगस्त, 1883 को 50 वोल्ट डी.सी. सप्लाई से विश्व की प्रथम सार्वजनिक बिजली रेलगाड़ी चलाई गयी थी।

भारत एवं एशिया की प्रथम बिजली रेलगाड़ी– भारत एवं एशिया की प्रथम रेलगाड़ी तत्कालीन ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे (जी.आई.पी.) जिसे अब मध्य रेल कहते हैं के द्वारा दिनांक 3 फरवरी, 1925 को बम्बई वी.टी. (बोरीबंदर), जिसे अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस कहते हैं, से हार्बर ब्रांचलाइन पर कुर्ला तक चलायी गयी थी। अर्थात् जब यह अंक आपके हाथ में होगा पहली बिजली चालित रेलवे अपने परिचालन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी होगी। इस रेलगाड़ी को बम्बई के गर्वनर सर लेजली आर्म विल्सन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। इस रेलगाड़ी को बैंड और नगाड़े की ध्वनि के साथ 21 तोपों की सलामी दी गई थी। बम्बई बी.टी. से कुर्ला तक की 16 कि.मी. की दूरी पर चलने वाली यह रेलगाड़ी बड़ी लाइन (ब्रॉडगेज) वाली भारत एवं

एशिया की प्रथम बिजली मल्टीपल यूनिट वाली रेलगाड़ी थी। इस रेलगाड़ी को चलाने से पहले गवर्नर ने बोरीबंदर बिजली उपकेंद्र का बटन दबाकर उद्घाटन किया, जिससे कि इस रेलगाड़ी के लिए बिजली की सप्लाई शुरू हो सके। झंडी दिखाने के बाद गवर्नर विल्सन स्वयं इस रेलगाड़ी पर सवार होकर कुर्ला तक गए तथा इसी ट्रेन से बम्बई बी.टी. तक वापस आए थे। इस प्रथम बिजली रेलगाड़ी के मोटरमैन जहाँगीर फ्रेम जी दारुवाला थे। इस प्रकार वे भारत एवं एशिया के प्रथम मोटरमैन थे। इस ट्रेन के शुभारंभ से पहले सर विल्सन ने मोटरमैन श्री दारुवाला से हाथ मिलाया तथा उन्हें ट्रेन चलाने के लिए सोने का बना एक हाथ दस्ताना अर्थात् रिर्वसर हैंडल दिया। ठीक दस बजे यह रेलगाड़ी सीटी की ध्वनि तथा तोपों की आवाज के साथ धीमी गति से अपने गंतव्य की तरफ रवाना हो गई थी। इस रेलगाड़ी में दो-दो यूनिट अर्थात् कुल चार यूनिट वाले चार कोच लगे थे। यह चारो कोच मेट्रोपोलियन विकर्स लंदन द्वारा बनाए गए थे। ये सभी कोच स्टैण्डर्ड ऑटोमेटिक वैक्यूम ब्रेक सिस्टम वाले कोच थे। इन कोचों को जनवरी 1925 में इंग्लैंड से मंगाया गया था। ये कोच 50 कि.मी./घंटा की गति से चलते थे। इन कोचों में लगे बिजली उपकरणों तथा मशीनों का निर्माण इंग्लिश इलेक्ट्रिक कंपनी ने किया था। यह रेलगाड़ी 1,500 वोल्ट डी.सी. सप्लाई से चलती थी। इसके रेलमार्ग के विद्युतीकरण का कार्य लंदन की कंपनी मैसर्स मर्ज एंड मिक लेनन द्वारा किया गया था। इस विद्युतीकृत मार्ग पर बिजली सप्लाई हेतु कुल आठ कर्षण उपकेंद्र बनाए गए थे। इस रेलगाड़ी को चलाने के लिए बिजली की सप्लाई टाटा ग्रुप की हाइड्रोइलेक्ट्रिक कंपनी द्वारा की गई थी जो रेलवे के उपकेंद्र कुर्ला तथा बोरीबंदर को अंडरग्राउंड रूप से बिजली की सप्लाई करती थी।

भारत की दूसरी बिजली रेलगाड़ी- ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे द्वारा दिनांक 3 फरवरी, 1925 को प्रथम बिजली रेलगाड़ी चलाने के तीन वर्ष बाद बॉम्बे, बड़ौदा एंड सेंट्रल इंडियन रेलवे द्वारा अपनी प्रथम बिजली उपनगरीय रेलगाड़ी दिनांक 5 जनवरी, 1928 को महालक्ष्मी से अंधेरी स्टेशन के बीच चलायी गयी थी। इस रेलगाड़ी में 4 कोच लगे थे, जिसे बम्बई के गवर्नर सर लेजली विल्सन द्वारा महालक्ष्मी रेलवे स्टेशन के ओवरब्रिज से झंडी दिखाकर रवाना किया था। यहाँ से ही सर विल्सन ने इसी दिन 700 आमंत्रित विशेष अतिथियों के बीच कोलाबा से बोरीवली के बीच विद्युतीकृत रेलमार्ग का उद्घाटन भी किया था। गवर्नर सर विल्सन ने इस उद्घाटन वाली रेलगाड़ी से महालक्ष्मी से अंधेरी स्टेशन तक यात्रा की तथा वापसी में वे कोलाबा के ग्रांट रोड स्टेशन पर उतर गए। इस विशेष उद्घाटन समारोह में बैंड द्वारा संगीत बजाया गया था, जिसका इंपीरियल ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन द्वारा प्रसारण किया गया तथा इसकी फिल्म को शहर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित कराया गया था। इस रेलगाड़ी को पहले दिनांक 1 अप्रैल, 1926 को चलाया जाना था, किन्तु इस ट्रेन के रैक वर्ष 1927 में आ पाए, जिसके कारण दिनांक 5 जनवरी, 1928 को चलाया जा सका था। यह रेलगाड़ी 1,500 वोल्ट डी.सी. संकर्षण प्रणाली से परिचालित हुई थी। इस प्रथम रेल ट्रेन (बॉम्बे, बड़ौदा एंड सेंट्रल इंडियन रेलवे की प्रथम बिजली रेलगाड़ी) के डिब्बों को ब्रिटिश थॉमसन हौसटन एंड मेट्रोकैमल कंपनी इंग्लैंड से मंगाया गया था। इस प्रथम रेल ट्रेन में कुल 4



कोच लगे थे, जिनमें दो मोटर कोच तथा दो ट्रेलर कोच थे। इसमें स्टैण्डर्ड ऑटोमेटिक वैक्युम ब्रेक लगे थे। इसमें 1,500 वोल्ट डी.सी. सप्लाई हाइड्रो इलेक्ट्रिक पॉवर सप्लाई कम्पनी से 2,000 वोल्ट की सप्लाई लेकर ओवरहेड ट्रॉली वायर द्वारा लेकर सबस्टेशन से 1,500 वोल्ट डी.सी. सप्लाई वितरित की जाती थी। इसके विद्युतीकृत रेलमार्ग को विरार तक बढ़ाया गया तथा दिनांक 1 सितम्बर, 1936 को बोरीबली से विरार तक प्रथम बिजली उपनगरीय रेलगाड़ी चलाकर इसे यात्री सेवा हेतु खोल दिया गया।

भारत में मीटरगेज की प्रथम बिजली रेलगाड़ी- दक्षिण भारत में मीटरगेज की सर्वप्रथम बिजली रेलगाड़ी मद्रास एंड साऊथर्न मराठा रेलवे द्वारा चलाई गयी थी। यह रेलगाड़ी वर्ष 1931 में मद्रास बीच से ताम्बरम तक शुरू की गयी थी, जिसकी शुरुआत मद्रास के गवर्नर सर जार्ज एफ. स्टेनली ने दिनांक 2 अप्रैल, 1931 को मद्रास बीच स्टेशन पर प्रथम मद्रास इलेक्ट्रिक सबअर्बन रेल सेवा के रूप में की थी जिसे जन सामान्य के लिए दिनांक 11 मई, 1931 को खोला गया था। यह मद्रास बीच से ताम्बरम तक 1,500 वोल्ट डी.सी. संकर्षण प्रणाली थी, जिसे दिनांक 15 जनवरी, 1967 में 25 किलो वोल्ट ए.सी.सिंगल फेज में बदला गया तथा सवारी डिब्बा कारखाना से मीटरगेज के ए.सी. संकर्षण वाले इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट कोच प्राप्त होने पर दिनांक 14 तथा 15 जनवरी, 1967 की रात में पोंगल के शुभ अवसर पर इस खंड को ए.सी. सप्लाई से परिचालित किया गया किन्तु गेज परिवर्तन के कारण यह मीटरगेज रेल सेवा जो कि भारत की एक मात्र मीटरगेज विद्युतीकृत रेल सेवा थी, उसे दिनांक 30 जून, 2004 को 73 वर्षों की सेवा के बाद बंद कर दिया गया। इस मीटरगेज बिजली रेलगाड़ी को बिजली की सप्लाई 'दी मद्रास इलेक्ट्रीसिटी सप्लाई कॉर्पोरेशन' द्वारा तथा इग्मोर एवं मीनामबक्कम में बनाए गए उपकेन्द्र से होती थी। इस प्रकार दिनांक 2 अप्रैल, 1931 से लेकर दिनांक 14 जनवरी, 1967 तक 1,500 वोल्ट डी.सी. विद्युत सप्लाई से तथा दिनांक 15 जनवरी, 1967 से दिनांक 30 जून, 2004 तक 25,000 वोल्ट ए.सी. विद्युत सप्लाई से मीटरगेज की बिजली रेलगाड़ियाँ चलती थीं। इन रेलगाड़ियों में मीटरगेज की बिजली वाली मालगाड़ियाँ भी चलती थीं। इसके बाद गेज परिवर्तन कर दिनांक 1 नवम्बर, 2004 से इस मार्ग पर बड़ी लाइन की उपनगरीय रेलगाड़ियाँ चलने लगी थीं। इसकी दोहरी विद्युतीकृत लम्बाई 25 रूट कि.मी. तथा कुल लम्बाई 135 कि.मी. थी।

3,000 वोल्ट डी.सी. प्रणाली वाली प्रथम बिजली रेलगाड़ी– पूर्व रेलवे के हावडा–वर्धमान तथा शिवराफुल्ली–तारकेश्वर रेल खंड पर 3,000 वोल्ट डी.सी. संकर्षण प्रणाली का निर्माण कार्य वर्ष 1954 में शुरू किया गया तथा निर्माण पूरा होने पर यह लम्बाई 142 रूट कि.मी. थी। इस मार्ग पर 3,000 वोल्ट डी.सी प्रणाली वाली प्रथम उपनगरीय रेलगाड़ी दिनांक 14 दिसम्बर, 1857 को हावड़ा–शिवराफुल्ली खंड में चलाई गई थी। वर्ष 1958 से इसे 25 किलो वोल्ट ए.सी. में बदलने का कार्य शुरू कर दिया गया क्योंकि वर्ष 1957 में 25 के.वी.ए.सी. संकर्षण प्रणाली अपनाने का निर्णय ले लिया गया था। यह प्रणाली फ्रांस रेलवे से अपनाई गयी थी। वर्ष 1968 में हावड़ा–वर्धमान सेक्शन को 3,000 वोल्ट डी.सी. प्रणाली से 25 के.वी.ए.सी. प्रणाली में बदल दिया गया।

2,500 वोल्ट ए.सी. प्रणाली वाली प्रथम बिजली रेलगाड़ी– वर्ष 1957 में 25 के.वी.ए.सी. संकर्षण प्रणाली अपनाने के निर्णय के बाद भारतीय रेल में सर्वप्रथम दिनांक 11 अगस्त, 1960 को 75 रूट कि.मी. मार्ग पर देश में प्रथम बार 25 किलो वोल्ट ए.सी. संकर्षण प्रणाली दक्षिण–पूर्व रेलवे के राजखर्सवान तथा डोंगीपोसी के बीच प्रारंभ की गयी थी। जबकि 2X25 के.वी.ए.सी. प्रणाली सर्वप्रथम फरवरी 1994 में बीना–कटनी, कटनी–अनूपपुर, विश्रामपुर–चिरीमिरी खंड में शुरू हुई थी तथा दिनांक 16 जनवरी, 1995 को बीना–कटनी के बीच नियमित रूप से यह नई संकर्षण प्रणाली शुरू हुई थी। कोलकाता मेट्रो रेलवे में 750 वोल्ट डी.सी. थर्ड रेल संकर्षण प्रणाली तथा कोलकाता ट्राम में 550 वोल्ट डी.सी. प्रणाली उपयोग की जाती है जबकि नई मेट्रो रेल प्रणाली में 25 के.वी.ए.सी. प्रणाली उपयोग की जाती है।

750 वोल्ट डी.सी. संकर्षण प्रणाली वाली प्रथम बिजली रेलगाड़ी– भारतीय रेल में सर्वप्रथम 750 वोल्ट डीसी संकर्षण प्रणाली दिनांक 24 अक्तूबर, 1984 को मेट्रो रेलवे कोलकाता में शुरू की गयी थी। यह थर्ड रेल प्रणाली वाली बिजली संकर्षण प्रणाली है। इसे थर्ड रेल प्रणाली इसलिए कहते हैं क्योंकि रेल लाइन के पास से ही एक और लाइन जाती है, जिसमें बिजली रहती है। जो इस ट्रेन को बिजली प्रदान करती है। भारत में शुरू हुई यह इस प्रकार के बिजलीकरण की पहली प्रणाली है।

1,500 वोल्ट डी.सी. और 25 के.वी.ए.सी. संकर्षण वाली दोहरी प्रणाली वाली प्रथम बिजली रेलगाड़ी– यह एक ऐसी प्रणाली शुरू की गयी थी, जिसमें संकर्षण प्रणाली को बदलने की बजाय रेलगाड़ी के इंजन को 1,500 वोल्ट डी.सी. पर और 25 के.वी.ए.सी. पर चलाने के लिए उपयुक्त बनाया गया। मतलब ऐसा बिजली इंजन और ऐसा उपनगरीय रेलगाड़ी का रैक बनाया गया जो इन दोनों प्रकार के बिजली सप्लाई पर बिना किसी रुकावट के चलने के लिए उपयुक्त थे। मेन लाइन पर चलने वाले रेलगाड़ियों के लिए ए.सी./डी.सी. इंजन को चिरेका और भेल ने बनाया था। चिरेका ने दिनांक 30 जनवरी, 1975 को पहली बार 1,500 वोल्ट डी.सी. और 25 के.वी.ए.सी. संकर्षण पर कार्य करने वाले बिजली इंजन का निर्माण करके पश्चिम रेलवे को सौंपा था। छोटी–सी शुरुआत के बाद–अब जल्द ही संपूर्ण भारतीय रेल प्रणाली विद्युतीकृत हो जाएगी।■



अपना ज्ञान टटोलें

1 9 जनवरी, 2024 को माननीय राष्ट्रपति ने भारतीय रेल के कितने खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
4	8	12	0

2 हाल ही में माननीय उपराष्ट्रपति ने भारतीय रेल के इस मिनी रत्न को 'स्कॉप एमिनेंश अवॉर्ड' देकर सम्मानित किया है ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
कॉनकॉर	आरवीएनएल	रेलटेल	इरकॉन

3 देश में राम नाम वाले कितने रेलवे स्टेशन हैं ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
751	354	101	51

4 ईस्टर्न तथा वेस्टर्न डीएफसी का जंक्शन कहाँ है ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
नडियाद	रेवाड़ी	मुंबई	दादरी

5 एक कि.मी लंबी डबल लाइन रेल सुरंग डीएफसी के किस खंड में है ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
दादरी-साणंद	साणंद-मकरपुर	न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी	वैतरण-जेएनपीटी

6 डीएफसी के न्यू खुर्जा-न्यू रेवाड़ी खंड की कुल लंबाई कितनी है

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
173	220	30	120

7 किस रेल प्रोजेक्ट में 28 'अर्ली अर्थक्वेक डिटेक्शन सिस्टम' लगाए जा रहे हैं ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
पम्बन ब्रिज	ऋषिकेश-कर्णप्रयाग	अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल	उधमपुर-बारामूला रेल परियोजना

8 पश्चिम रेल का मुख्यालय इस शहर में है ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
नागपुर	मुंबई	नाशिक	अहमदाबाद

9 प्लेटफॉर्म टिकट कितने घंटे तक मान्य होता है ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
3	4	6	12

10 'भारतीय रेल' तथा 'इंडियन रेलवेज' पत्रिकाओं की ऑनलाइन सदस्यता किस वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
आरवीएनएल	क्रीस	रेलटेल	आईआरसीटीसी

1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ग) 6. (क) 7. (ग) 8. (घ) 9. (क) 10. (ख)

पेज 37 पर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला .....

राज्य ..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाए

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्ककरें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456

bmpr310rb@gmail.com

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



MILLIONS OF CONNECTORS SUCCESSFULLY INSTALLED

Fluid Controls Private Limited has 50 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS–ISO/TS 22163:2017), and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.



- 50 YEARS OF HERITAGE • IRIS & NABL CERTIFIED
- IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
- APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

+91-22-68238000
railways@fluidcontrols.com
fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2024-25-2026
आर.एन.आई रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
आई.एस.एस.एन. 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

CNC UNDERFLOOR WHEEL LATHE: THE FUTURE OF WHEEL MACHINING IS HERE



hyt
HYT ENGINEERING COMPANY PVT. LTD.

UNIQUE FEATURES

01
CNC integrated measurement for enhanced accuracies & economical depth of cut.

02
Capable of machining individual wheels, loose bogies, wheel sets of locomotives, coaches, wagons, trams, metros, etc.

03
Capable of machining brake discs assembled on wheelsets of rolling stock.

04
Available with Industry 4.0 features like real time monitoring, digital record keeping, remote maintenance support, wheelset database management system, etc.

05
Tandem version (Simultaneous reprofiling of two wheelsets) also available on request.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah, Zafar Marg,
I.T.O New Delhi - 110 002, India. Phone: +91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 9/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad,
Pune - 411019, India. Phone: +91 20 6634 3900

www.hytengineering.com | info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.लि., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**